राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 12
अंक : 34
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शुक्रवार 19 अगस्त 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334
नई दिल्ली से प्रकाशित

मुख्य अपडेट
पेज 3 21 अगस्त को संयुक्त रोजगार आंदोलन समिति आंदोलन स्थल पर करेगी रोजगार संसद : गोपाल राय
पेज 5 विकास परियोजनाओं में देरी स्वीकार नहीं, प्रोजेक्ट लटकाने पर अधिकारी होंगे जिम्मेदार: योगी
पेज 7 पोस्ट कोरोना के बाद ब्रेन फॉग और न्यूरोसाइकाइट्रिक का खतरा

महाराष्ट्र में बोट पर मिलीं तीन एके-47

मस्कट से यूरोप जा रही थी ऑस्ट्रेलियाई बोट, हाई टाइड से भारत पहुंची; दुबई की एजेंसी के थे हथियार

मुंबई। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के हरिहरेश्वर तट पर गुरुवार सुबह 8 बजे के करीब समुद्र में एक संदिग्ध बोट मिली। बोट से तीन एके-47 और बुलेट्स बरामद किए गए। हरिहरेश्वर तट से करीब 32 किलोमीटर दूर भारदखोल में एक लाइफ बोट भी मिली, जिसके बाद आतंकी साजिश की आशंका जताई गई।

पुलिस ने बोट को रस्सी के सहारे किनारे खींचा। इसमें काले रंग के बॉक्स में्च-47 और गोलियां थीं। पुलिस ने बताया कि जिस बॉक्स में हथियार रखे हुए थे, उस पर अंग्रेजी में नेप्च्यून मैरिटाइम सिक्योरिटी लिखा हुआ है। यह कंपनी ब्रिटेन की है।

इधर, मामले पर महाराष्ट्र के डिप्टी ष्टरूऔर इंडियन कॉस्ट गार्ड का भी बयान सामने आया है, जिसमें फिलहाल आतंकी साजिश जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। हालांकि सुरक्षा के लिहाज से ह्ढ्ढ और ञ्जस्‍ की टीम मामले की जांच कर रही है।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने घटना को लेकर बताया कि रायगढ़ जिले के श्रीवर्धन तालुका में 1 बोट मिली है। उसमें तीन एके-47 राइफल बरामद हुई हैं। उसके साथ उसका एम्युनेशन और बोर्ड के कुछ कागजात पाए गए हैं। बोट का नाम

लेडी हान है और इसकी मालकिन एक ऑस्ट्रेलियाई महिला हाना लॉन्डर्सगन हैं। उनके पति जेम्स होबर्ट बोट के कप्तान हैं।

हथियार दुबई की सिक्योरिटी एजेंसी के

कोस्ट गार्ड के कमांडर जनरल परमेश शिवमणी ने कहा- 26 जून को इस बोट से हमें कॉल किया गया था। तब वो मुश्किल में थे और उन्होंने मदद मांगी थी। ओमान की खाड़ी में इस बोट पर मौजूद चार लोगों का रेस्क्यू किया गया था। बोट ब्रिटेन जा रही थी और इस पर ब्रिटेन का झंडा भी लगा था। बाद में यह हरिहरेश्वर चली गई। इस पर तीन एके -47 के अलावा कुछ छोटे हथियार भी थे। बोट के मालिक से बातचीत की गई है। दुबई की एक सिक्योरिटी एजेंसी ने भी हमें फोन पर बताया कि इस सीरीज के हथियार उनके हैं और यह गायब हैं। इस एजेंसी ने साफ कर दिया है कि यह हथियार बोट पर मौजूद क्रू मेंबर्स की हिफाजत के लिए रखे गए थे।

आतंकी साजिश से इनकार नही : पुलिस

पुलिस ने इस घटना के पीछे आतंकी साजिश से इनकार नहीं किया है। स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही पूरे रायगढ़ जिले को हाई अलर्ट पर रखा गया है। साथ ही समुद्र किनारे के सभी इलाकों की नाकेबंदी कर दी गई है। मौके पर एंटी टेरर स्क्वॉड भी पहुंच गई है। एटीएस चीफ विनीत अग्रवाल ने कहा कि ये आतंकी साजिश भी हो सकती है। बोट दूसरे देश की है या नहीं और इसका मकसद क्या था, हम इसकी भी जांच करेंगे।

देश में कोरोना संक्रमण से 43 और लोगों की मौत

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में 14 राज्य और केन्द्र शासित प्रदेशों में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से 43 लोगों की मौत हुई है। वहीं इस दौरान 12,608 नये मरीज सामने आए और 16,251 मरीज कोविड मुक्त हुए है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 208.95 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 12 हजार 608 नये मरीज सामने के साथ संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर चार करोड़ 42 लाख 98 हजार 864 तक पहुंच गयी।

इनके साथ ही देश में कोरोना सक्रिय मामलों की संख्या एक लाख एक हजार 343 हो गयी है। यह सक्रिय मामलों का 0.23 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 4.48 प्रतिशत हो गयी है।

मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 16 हजार 251 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं।

अभी तक कुल चार करोड़ 36 लाख 70 हजार 315 रोगी कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.58 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में तीन लाख 62 हज़ार 20 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 88.14 करोड़ से अधिक कोविड परीक्षण किए हैं।

इस दौरान पंजाब में सक्रिय मामले 315 बढ़कर 15,184 हो गये है। राज्य में इस बीमारी से 7,47,101 लोग ठीक हो चुके है।

करोड़ों का आसामी निकला जबलपुर का एआरटीओ

छापे में 5 मकान, मिनी थिएटर और 16 लाख कैश मिला, अफसर की पत्नी फरार

जबलपुर। जबलपुरए आरटीओ के 10 हजार वर्गफीट के महल जैसे मकान में ऐश-ओ-आराम के तमाम इंतजाम मिले हैं। EOW की टीम कोए आरटीओ संतोष पाल और उनकी क्लर्क पत्नी रेखा पाल के पास से जो संपत्ति मिली है वह उनकी आय से 650 प्रतिशत ज्यादा है। इनके दस्तावेज और अन्य पहलुओं की जांच जारी है।

जानकारी के मुताबिक एआरटीओ संतोष पाल को छापे की भनक पहले ही लग चुकी थी। इसके बाद वह कुछ लग्जरी सामान दूसरी जगह शिफ्ट कर रहा था। ऐसे में EOW की 30 सदस्यों की टीम को देर रात ही कार्रवाई करनी पड़ी। कौन सा सामान कहां भेजा गया यह जानकारी जुटाई जा रही है। जब टीम बुधवार देर रात छापा मारने पहुंची तो रेखा पाल घर में नहीं मिलीं। रेखाए आरटीओ ऑफिस में ही क्लर्क हैं।

घर में मिले सोने-चांदी के जेवर और कैश

गुरुवार सुबह भी EOW की टीम ने संतोष पाल की संपत्तियों की छानबीन शुरू की। इसमें 16 लाख रुपए नकद और सोने-चांदी के जेवर मिले। एआरटीओ के शताब्दीपुरम स्थित घर में बेसमेंट के अलावा तीन माले भी हैं।

ऐश-ओ-आराम का हर सामान मिला

एआरटीओ संतोष पाल के शताब्दीपुरम में स्थित बेसमेंट वाले तीन मंजिला आलीशान घर में सारा सामान लग्जरी है। घर में लिफ्ट से लेकर महंगी शराब रखने का वुडन केस, गार्डन, स्विमिंग पूल, झूमर सहित बेहद कीमती सामान मिला है। एआरटीओ के बैंक लॉकर, बैंक खातों के बारे में भी खुलासा हो सकता है। पुलिस अधीक्षक EOW देवेंद्र प्रताप सिंह राजपूत का कहना है कि सर्चिंग जारी है। संतोष और उनकी पत्नी रेखा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि अभी जब्ती जारी है। जो भी दस्तावेज मिलेंगे उनके आधार पर संपत्ति का आकलन किया जाएगा।

एमपीसीआरटी परीक्षा मामले में तीन उम्मीदवारों को सात साल की सजा

नयी दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो की विशेष अदालत ने मध्य प्रदेश में व्यावसायिक परीक्षा मंडल(व्यापमं) द्वारा आयोजित एमपीआरटी-2013 परीक्षा से जुड़े एक मामले में तीन उम्मीदवारों को सात साल के कठोर कारावास की सजा दी है। सीबीआई की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गयी। अदालत ने संबंधित मामले की सुनवाई के बाद पूरन सिंह, लंकेश शर्मा और सतीश अर्गल को दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई ।

8 यू-ट्यूब चैनल्स ब्लॉक : दिखा रहे थे देश विरोधी कंटेंट

एजेंसी

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश संबंधों और सार्वजनिक व्यवस्था के बारे में दुष्प्रचार करने के लिए 8 यू-ट्यूब चैनलों को ब्लॉक कर दिया है। इनमें 7 भारतीय और 1 पाकिस्तानी यूट्यूब न्यूज चैनल शामिल हैं। इन्हें आईटी एक्ट 2021 के तहत ब्लॉक किया गया है। ब्लॉक चैनलों को 114 करोड़ से ज्यादा बार

देखा गया था। इनके 85 लाख 73 हजार यूजर्स हैं। मंत्रालय के अनुसार इन चैनलों पर फेक और भारत विरोधी कंटेंट परोसा जा रहा था।

ये हैं ब्लॉक चैनलों के नाम

मंत्रालय ने जिन चैनलों को प्रतिबंधित किया है उनमें लोकतंत्र टीवी, यू एंड वी टीवी, एएम रजवी, गौरवशाली पवन मिथिलांचल, सीटॉप 5T ॥, सरकारी अपडेट, सब कुछ देखो, न्यूज की दुनिया (पाकिस्तानी चैनल) शामिल हैं।

लोकतंत्र टीवी का फेसबुक पेज भी बैन कर दिया गया है।केंद्र सरकार ने जुलाई में 78 यूट्यूब न्यूज चैनल को ब्लॉक करने का आदेश दिया था। इससे पहले 5 अप्रैल को IB मिनिस्ट्री ने 22 यू-ट्यूब चैनल्स को ब्लॉक कर दिया था। इनमें 4 पाकिस्तान बेस्ड यू-ट्यूब न्यूज चैनल थे। ये सभी नेटवर्क झूठी खबरें फैलाकर भारतीयों को गुमराह करने के मकसद से चलाए जा रहे थे। इनके अलावा 3 ट्विटर अकाउंट, एक फेसबुक अकाउंट और एक न्यूज वेबसाइट को भी ब्लॉक किया गया था।

ओड़िशा में बारिश-बाढ़ से 4 लाख लोग प्रभावित

गुजरात के वलसाड में समुद्र में फंसे 10 मछुआरों का रेस्क्यू; छत्तीसगढ़ का आंध्र-तेलंगाना से संपर्क टूटा

एजेंसी

वलसाड़/बनासकांठा/रायपुर/पटना/भोपाल। देश के कई राज्यों में बारिश को दौर जारी है। ओडिशा में दो दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण कई जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। राज्य में बारिश-बाढ़ के कारण 4.67 लाख लोग प्रभावित हैं। गुजरात के बनासकांठा में बुधवार को भारी बारिश से बनास नदी उफान पर आ गई।

जिसके चलते पालनपुर-आबू रोड को एक तरफ से बंद कर दिया गया। वलसाड के तट से करीब 13 नॉटकिल मील दूर समुद्र में फंसे 10

मछुआरों का रेस्क्यू किया गया। दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ में लगातार हो रही बारिश से शिवनाथ नदी उफान पर है तो वहीं गोदावरी और शबरी नदी का भी जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। पिछले 9 दिनों से कोंटा के रास्ते छत्तीसगढ़ का आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से संपर्क टूटा हुआ है।

हिमाचल में मानसून की बारिश से जान- माल को भारी नुकसान पहुंचा है।

राज्य में बीते 49 दिनों में 200 लोगों से ज्यादा की जान सड़क हादसों, बादल फटने, बाढ़, भूस्खलन आदी से हो चुकी है। शिमला जिला में सबसे ज्यादा 34 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 377 लोग घायल हुए है। वहीं, सात लोग लंबे समय से लापता हैं।

गुजरात : दो दिन तक कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

गुजरात में मानसून का नया राउंड शुरू हो गया है। राज्य के अनेक विस्तारों में मेघराजा जमकर बरस रहे है ऐसे में मौसम विभाग ने मंगलवार को फिर से 8 जिलो में ऑरेंज अलर्ट तथा 17 अगस्त बुधवार को 7 जिलों में यलो अलर्ट घोषित किया है। इसके अलावा दक्षिण गुजरात के 3 जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

मध्य प्रदेश : भोपाल में अब तक 92 प्रतिशत और प्रदेश में 20 प्रतिशत ज्यादा बारिश

राजधानी में 48 घंटे की तेज बारिश के बाद बुधवार को भले ही धूप निकलने से राहत मिल गई हो, लेकिन यह ज्यादा दिन की नहीं है। इसकी वजह यह है कि दो-तीन दिन बाद एक बार फिर लगातार तीन-चार दिन बारिश हो सकती है। अगस्त के आखिरी सप्ताह में हल्की और सितंबर में अच्छी बारिश के आसार है। मौसम विभाग के मुताबिक अगस्त के बाकी बचे 13 दिन में से 6 या 7 दिन बारिश हो सकती है।

'डोलो-650' टैबलेट : डॉक्टरों को 1,000 करोड़ का मुफ्त उपहार, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने डोलो-650 टैबलेट मरीजों को लिखने (लेने की सलाह) के लिए डॉक्टरों के मुफ्त उपहार पर संबंधित दवा कंपनी की ओर से 1000 करोड़ रुपए खर्च करने के आरोप को गंभीर मामला बताते हुए गुरुवार को केंद्र सरकार से इस संबंध में 10 दिनों के अंदर अपना पक्ष रखने को कहा।

डोलो-650 टैबलेट कोविड -19 महामारी के दौरान बुखाररोधी दवा के तौर बड़ी संख्या में रोगियों ने उपयोग की थी। न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना की पीठ ने कहा कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने %डोलो-650% टैबलेट के निर्माताओं पर इस टैबलेट को मरीजों को देने की सलाह के एवज में 1,000 करोड़ रुपये के मुफ्त उपहार बांटने पर खर्च करने का आरोप लगाया है।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि उन्हें भी कोविड के दौरान ये दवा दी गई थी। एक गंभीर मामला है। पीठ ने केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज

से 10 दिनों के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा। फेडरेशन ऑफ मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन ऑफ इंडिया का पक्ष वकील वरिष्ठ संजय पारिख ने रखा। उन्होंने अदालत के समक्ष दलील देते हुए दावा किया कि डोलोने रोगियों को बुखार-रोधी दवा देने (डॉक्टरों द्वारा मरीजों को सलाह देने के लिए) डॉक्टरों पर 1,000 करोड़ रुपये खर्च किया था। उच्चतम न्यायालय दवा कंपनियों कथित अनैतिक विपणन प्रथाओं को नियंत्रित करने और विनियमित करने के लिए दिशानिर्देश जारी करने की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में दावा किया गया है कि मौजूदा व्यवस्था की की स्वैच्छिक प्रकृति के कारण, अनैतिक प्रथाएं बढ़ रही हैं। यहां तक कि कोविड -19 जैसे वैश्विक महामारी के दौरान भी यह देखने को मिली थी। शीर्ष न्यायालय ने महासंघ की जनहित याचिका पर गत मार्च को केंद्र सरकार से जवाब मांगा था। शीर्ष न्यायालय ने इससे पहले गत फरवरी 22 फरवरी को एक अलग फैसले में दवा लिखने के एवज में दवा बनाने वाली कंपनियों की ओर से डॉक्टरों के मुफ्त उपहार पर बड़ी राशि खर्च करने पर चिंता व्यक्त की थी।

दुष्कर्म के आरोपियों को बचाने में लगी है भाजपा सरकार : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार महिला विरोधी है और वह अत्याचारियों और दुष्कर्म के आरोपियों का बचाव करती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की उत्तर प्रदेश सरकार जहां दुष्कर्म के आरोपियों को बचाती है वहीं गुजरात की भाजपा सरकार दुष्कर्म तथा हत्या के आरोपियों को स्वतंत्रता दिवस पर क्षमा दान कर रिहा करती है। उन्होंने इसे शर्मनाक राजनीति के साथ-साथ ओछी मानसिकता की राजनीति करार दिया है। गांधी ने ट्वीट किया, उन्नाव- भाजपा विधायक को बचाने का काम। कठुआ- बलात्कारियों के समर्थन में रैली। हाथरस- बलात्कारियों के पक्ष में सरकार। गुजरात- बलात्कारियों की रिहाई और सम्मान। अपराधियों का समर्थन महिलाओं के प्रति भाजपा की ओछी मानसिकता को दर्शाता है। ऐसी राजनीति पर शर्मिंदगी नहीं होती, प्रधानमंत्री जी।

राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को शीर्ष प्राथमिकता दें राज्य : शाह

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा को देश के भविष्य के लिए बेहद अहम बताते हुए राज्यों से राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देने को कहा है।

श्री शाह ने गुरुवार को यहां राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने पुलिस महानिदेशकों के सम्मेलन का स्वरूप बदलने का प्रयास किया है जिससे कई समस्याओं का समाधान करने में मदद मिली है ।

उन्होंने कहा, सभी राज्यों को चाहिए कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को शीर्ष प्राथमिकता दें। ये देश और युवाओं के भविष्य की लड़ाई है जिसके लिए हमें एक दिशा में एक साथ लड़कर हर हालत में जीतना है ।

शाह ने कहा कि राज्यों के पुलिस महानिदेशकों की ज़िम्मेदारी है कि वे अपने राज्यों में, विशेषकर सीमांत ज़िलों में, सभी तकनीकी और रणनीतिक महत्व की जानकारियां नीचे तक पहुंचाएं। राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली के रूप में देश में पहली बार एक ऐसा सिस्टम आया है, हमें इसे निचले स्तर तक ले जाना चाहिए ।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद से श्री नरेन्द्र मोदी ने ना सिर्फ़ देश की आंतरिक सुरक्षा पर जोर दिया, बल्कि चुनौतियों का सामना करने के लिए तंत्र को भी मज़बूत किया।

उन्होंने कहा , आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद, उत्तरपूर्व में विभिन्न उग्रवादी गुटों और वामपंथी उग्रवाद के रूप में जो तीन नासूर थे, उन्हें ख़त्म करने की दिशा में हमने बहुत बड़ी सफलता हासिल की है, इसके लिए हमने कई नए कानून बनाए, राज्यों के साथ समन्वय बढ़ाया, बजटीय आवंटन बढ़ाया और तकनीक का अधिकतम उपयोग किया।

धमकी

कहा- हमले तेज करेंगे, सुरक्षाबलों से लेकर भिखारी तक निशाने पर

गैर कश्मीरियों को वोटिंग का हक मिलने से भड़के आतंकी

एजेंसी

जम्मू/श्रीनगर। केंद्र ने जम्मू-कश्मीर में अन्य राज्यों के लोगों को मतदान का अधिकार देने का फैसला किया गया है। इसके बाद लश्कर-ए-तैयबा समर्थित आतंकी ग्रुप कश्मीर फाइट ने गैर कश्मीरियों पर हमले तेज करने की धमकी दी है। उन्होंने आतंकी वेबसाइट पर यह धमकी दी है।

पोस्ट में कहा गया है कि जब जीतने का बड़ा कारण होता है, तो कैजुएलिटी भी होती हैं। हम में से कोई भी इससे खुश नहीं है, लेकिन यही सच्चाई है। सभी गैर कश्मीरियों

को वोट देने के अधिकार के बाद यह सामने आ गया है कि दिल्ली में गंदा खेल खेला जा रहा है। ऐसे में यह आवश्यक हो गया है कि हम अपने हमलों को तेज करें और अपने लक्ष्यों को प्राथमिकता दें। इस पोस्ट में टारगेट्स की लिस्ट भी दी गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी हृदेश कुमार ने कहा कि जो गैर कश्मीरी लोग राज्य में रह रहे हैं, वे वोटर लिस्ट में अपना शामिल कराकर वोट डाल सकते हैं। इसके लिए उन्हें निवास प्रमाण पत्र देने की जरूरत नहीं होगी।आयोग ने अपने निर्देश में आगे कहा है कि सुरक्षाबलों के जवान भी वोटर लिस्ट में अपना नाम जुड़वा सकते हैं। 2019 के चुनाव में जम्मू-कश्मीर में कुल 78.7 लाख वोटर्स था, लद्दाख के अलग होने से करीब 76.7 लाख वोटर्स है।

पिछले चुनाव में 32,000 एनपीआर मतदाता थे

एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि आर्टिकल 370 के निरस्त होने के बाद, पीपल एक्ट 1950 और 1951 लागू होता है। यह जम्मू-कश्मीर में रहने वाले बाहर के व्यक्ति को केंद्र शासित प्रदेश की मतदाता सूची में पंजीकृत होने की अनुमति देता है। इसके लिए शर्त है कि उसका नाम उसके मूल निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची से हटा दिया जाए। उन्होंने बताया कि धारा 370 को निरस्त करने से पहले भी केंद्र शासित प्रदेश में रहने वाले बाहर के लोग मतदाता सूची में पंजीकृत होने के पात्र थे। उन्हें गैर स्थायी निवासी मतदाताओं के रूप में कैरक्टराइज्ड किया गया था। पिछले संसदीय चुनावों के दौरान जम्मू-कश्मीर में लगभग 32,000 NPR मतदाता थे।

25 लाख नए वोटर्स जुड़ने की उम्मीद

आयोग ने कहा कि इस साल केंद्र शासित प्रदेश में 25 लाख नए वोटर जुड़ने की उम्मीद है। इसमें छात्र, मजदूर और अन्य सरकारी कर्मचारी शामिल होंगे। 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद नाम जोड़ने की कवायद पहली बार की जा रही है।

शार्ट न्यूज

जम्मू के उधमपुर में मिला युवक का शव

जम्मू। जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग से लगे चेनानी के पास एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया। पुलिस के अनुसार वंशु बरगोत्रा का शव रहस्यमय रूप से सड़क के किनारे मिला। बरगोत्रा नेटीजन्स के लिए, नेताओं की मीम्स बनाने और जम्मू की अनदेखी के लिए उपहास उड़ाने के लिए प्रसिद्ध था। पुलिस ने कहा कि शुरूआती जांच के अनुसार मृतक अपने दोस्तों के साथ चेनानी जा रहा था। उसका शव आज सुबह राजमार्ग पर मिला। शव का पोस्टमार्टम करने के लिए भेजा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी गई है।

फारूक ने गैर-स्थानीय मतदाताओं के मतदान पर सर्वदलीय बैठक बुलाई

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रेंस अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को जम्मू कश्मीर में गैर-स्थानीय लोगों को विधानसभा चुनाव में मतदान करने की अनुमति पर चर्चा करने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उन्होंने श्री अब्दुल्ला से गैर-स्थानीय लोगों को मतदान करने के अनुमति पर बैठक बुलाने का आग्रह किया था। सुश्री मुफ्ती के आग्रह के एक घंटे बाद ही डॉ. अब्दुल्ला ने सर्वदलीय बैठक बुलाई। डॉ अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने राजनीतिक दलों के नेताओं से बात की और उनसे सोमवार को बैठक में शामिल होने का अनुरोध किया। गौरतलब है कि चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बुधवार को घोषणा की कि केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान लगभग 25 लाख गैर-स्थानीय लोग मतदान कर सकते हैं। जिसके बाद से राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गयी है।

सिद्दारमैया के विवादित बयान को लेकर प्रदर्शन

मदिकेरी। कर्नाटक में विपक्ष के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दारमैया की सावरकर की तस्वीर पर टिप्पणी को लेकर कुछ हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को उनका घेराव किया। श्री सिद्दारमैया की टिप्पणी पर प्रर्शनकारियों ने विरोध जताते हुए 'गो बैक सिद्दारमैया' के नारे लगाए। इसी दौरान प्रदर्शनकारियों ने स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर की एक तस्वीर उनकी कार में फेंक दी। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि ने श्री सिद्दारमैया पर पलटवार किया और कहा कि उनकी जिहादी मानसिकता निर्दोष लोगों की हत्या करने वाले जिहादियों से कहीं ज्यादा खतरनाक है। कांग्रेस नेता का बयान गलत और असंवैधानिक है और ऐसे ही जिहादी मानसिकता के परिणामस्वरूप कई देशों का विभाजन हुआ है। उन्होंने कहा, मैं श्री सिद्दारमैया को सावरकर और टीपू पर सार्वजनिक बहस की चुनौती देता हूं।

त्रिपुरा के वरिष्ठ भाजपा नेता का इस्तीफा

अगरतला। त्रिपुरा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आगामी स्वायत्त जिला परिषद (एडीसी) के ग्राम समिति चुनाव और राज्य विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा झटका उस समय लगा जब पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने गुटबाजी और नेताओं के बीच सत्ता की लड़ाई का आरोप लगाते हुए गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। कुछ महीने पहले कैलाशहर के मंडल अध्यक्ष के रूप में चुने गए रानावीर भट्टाचार्य ने संगठन में निहित स्वार्थ के बात करते हुये पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और मुख्यमंत्री डॉ माणिक साहा को अपना कर्तव्य जारी रखने में असमर्थता व्यक्त करते हुए डाक से अपना इस्तीफा भेज दिया। श्री भट्टाचार्य ने अपने पत्र में कहा कि श्रम मंत्री भगवान दास के करीबी कुछ राजनीतिक नेताओं की मनमानी के कारण उनके लिए संगठन का प्रबंधन करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया, मंडल अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के तुरंत बाद, मैंने उन सभी भ्रष्ट लोगों को हटाकर संगठन को नया रूप देने की कोशिश की, अन्यथा वे लोग भाजपा के लिए हानिकारक साबित हो जाते लेकिन इस कदम से पार्टी नेताओं के उस वर्ग के नेताओं के साथ कई असहमतियां पैदा हो गई जो मंत्री के करीबी हैं, ।

नागालैंड में कोरोना के 10 नए मामले दर्ज

कोहिमा। नागालैंड में पिछले 24 घंटों के दौरान 73 लोगों का कोरोना परीक्षण किया गया जिनमें से 10 मामले कोरोना संक्रमित पाए गए। स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को यह जानकारी दी। विभाग के अनुसार नए संक्रमित मामलों के साथ ही राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 35,883 हो गई है। राज्य में अभी इस महामारी के 30 सक्रिय मामले हैं। जिनका अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, राज्य में राहत की बात यह है कि कल से अभी तक इस महामारी से किसी मरीज की जान नहीं गयी है। मृतकों का आंकड़ा 776 पर बरकरार है। कोरोना महामारी के 10 नए मामलों में से दीमापुर में पांच, कोहिमा में चार, मोन में एक मामले की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि राज्य में कोरोना मुक्त होने वाले लोगों की कुल संख्या 35077 हो गई है।

विकास के मोर्चे पर पूर्वोत्तर को सर्वोच्च प्राथमिकता : जितेंद्र सिंह

ईटानगर। केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन एवं प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वोत्तर राज्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं ताकि वे देश के बाकी हिस्सों के बराबर विकास की राह पर आगे बढ़ें। डॉ सिंह ने अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू के साथ आज ईटानगर में नागरिकों और सरकार को प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से करीब लाने पर दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद कहा, पूर्वोत्तर को अब सर्वोच्च प्राथमिकता मिल रही है क्योंकि प्रधान मंत्री पूर्वोत्तर में तेजी से विकास लाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 2014 से पहले, पूर्वोत्तर सभी गलत कारणों से चर्चा में था। लेकिन जिस दिन से 2014 में नरेंद्र मोदी ने प्रधान मंत्री के रूप में पदभार संभाला है, चीजें बदलने लगी हैं... पिछले आठ वर्षों की अवधि में पूर्वोत्तर में बड़े परिवर्तन हुए हैं, जिससे शांति और विकास ने अतीत के सभी कड़वे अनुभवों को पीछे छोड़ दिया है। इस सीमांत राज्य के बारे में बात करते हुए डॉ सिंह ने कहा, चीन सीमा पर स्थित पूर्वोत्तर के सबसे परिधीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में सबसे पहले सूर्योदय होता है और दिन भारत के किसी भी अन्य राज्य से पहले होता है, लेकिन नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद विकास की सुबह देख रहा है।

मूसेवाला हत्या मामले में पुलिस ने तैयार किया चालान

मानसा। पंजाब के मशहूर पंजाबी गायक शुभदीप सिंह मूसेवाला हत्याकांड में करीब ढाई माह बाद मानसा पुलिस द्वारा चालान तैयार कर लिए जाने की संभावना है। पुलिस के अनुसार हत्याकांड से जुड़ी साजिश, तथ्यों और सबूतों को इकट्ठा किया गया है जिसे पुलिस जल्द ही अदालत में दाखिल करेगी। चार्जशीट में गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई तथा जग्गू भगवानपुरिया सहित 15 से ज्यादा आरोपियों के नाम शामिल हैं । ज्ञातव्य है कि गत 29 मई की शाम को गायक से राजनेता बने मूसेवाला की उस समय निर्मम हत्या कर दी गई थी जब वह मूसेवाला गांव के समीप वाले गांव में अपनी बीमार मौसी का हालचाल जानने जा रहे थे। जब उनकी थार जीप जवाहके गांव से गुजर रही थी तो कुछ अज्ञात हमलावरों ने दोनों तरफ से उन्हें घेरकर अत्याधुनिक हथियारों से ताबड़तोड़ फायरिंग कर उनकी हत्या कर दी थी।

नदियों के अवैध खनन से रेलवे पुलों को खतरा

पठानकोट। रेलवे ने पंजाब सरकार को एक चिट्ठी लिखकर चक्की पुल सहित नदियों पर बने पुलों को खतरा होने की चिंता जताई है। रेलवे ने प्रदेश सरकार से अवैध खनन पर समय रहते रोक लगाने को आगाह किया है, अन्यथा कोई बड़ा हादसा हो सकता है। सीमावर्ती पठानकोट में चक्की नदी पर बना पुल अवैध खनन के कारण कमजोर होता जा रहा है। सेना की आवाजाही होने के कारण यात्री ट्रेनें तथा मालगाड़ियों का आना-जाना सबसे ज्यादा रहता है। पंजाब में अवैध खनन रेल पिलरों तक होने के कारण पिलरों को नुकसान हो रहा है। अवैध खनन का काम नहीं रोका गया तो नदी पर बने सड़क पुल भी धंस सकते हैं।

कर्नाटक के स्कूल-कॉलेज में राष्ट्रगान अनिवार्य

3 स्कूलों में जन-गण-मन नहीं हो रहा था, शिकायत मिलने के बाद शिक्षा मंत्री ने आदेश जारी किया

बेंगलुरु। बेंगलुरु के सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट क्षेत्र में सेंट जोसेफ बॉयज हाई स्कूल, बिशप कॉटन बॉयज हाई स्कूल और बाल्डविन गर्ल्स हाई स्कूल के खिलाफ राष्ट्रगान नहीं गाने की शिकायत मिली थी।

कर्नाटक के स्कूल शिक्षा मंत्री बीसी नागेश ने राज्य के सभी स्कूलों में मॉर्निंग प्रेयर के बाद राष्ट्रगान गाना अनिवार्य कर दिया है।

यह आदेश तब जारी किया गया जब बेंगलुरु के तीन स्कूलों में राष्ट्रगान नहीं होने की शिकायत मिली थी। 17 अगस्त का आदेश सभी गवर्नमेंट, सेमी-गवर्नमेंट, निजी स्कूलों और

प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों पर लागू होगा।

जांच करने पहुंची थीं टीमें

सरकारी आदेश लागू होने के बावजूद बेंगलुरु के 3 स्कूलों में राष्ट्रगान नहीं गाया जा रहा था। इसके बाद बेंगलुरु के सार्वजनिक निर्देश विभाग, नॉर्थ और साउथ डिवीजन के उप निदेशकों ने संबंधित स्कूलों का दौरा किया और पुष्टि की कि वहां सुबह की प्रार्थना में राष्ट्रगान नहीं हो रहा था।

बेंगलुरु नॉर्थ के डीडीपीआई लोहिताश्व रेड्डी ने कहा- पिछले हफ्ते उन स्कूलों को नोटिस जारी किए गए थे, जहां छात्र राष्ट्रगान नहीं गा रहे थे। अब उन्होंने आश्वासन दिया है कि अब वहां नियमित रूप से राष्ट्रगान गाया जाएगा।

इससे पहले नागेश ने बेंगलुरु के सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट क्षेत्र में सेंट जोसेफ बॉयज हाई स्कूल, बिशप कॉटन बॉयज हाई स्कूल और बाल्डविन गर्ल्स हाई स्कूल के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई का आदेश दिया था।

कर्नाटक शिक्षा अधिनियम की धारा 133 (2) के अनुसार नियम है कि सामूहिक प्रार्थना के लिए जगह की कमी होने पर क्लासेस में राष्ट्रगान गाया जाना चाहिए।

जम्मू कश्मीर सीमांत गांव के पास पाकिस्तानी ड्रोन देखा गया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में एक पाकिस्तानी ड्रोन के देखे जाने के बाद सेना, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), पुलिस और विशेष अभियान समूह (एसओजी) की संयुक्त टीम ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सघन तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस सूत्रों ने आज यहां बताया कि हीरानगर गांव के सुल्तानपुर इलाके में कल देर रात पाकिस्तानी ड्रोन की संदिग्ध गतिविधि के बाद आज यह कार्रवाई शुरू की गयी है। पुलिस ने कहा, ड्रोन से संदिग्ध वस्तुओं के गिराये जाने के संदेह पर सुरक्षा बलों ने तड़के अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे गांवों में तलाशी अभियान शुरू किया। इससे पहले पुलिस टीम ने अर्निया सेक्टर में तोफ गांव के पास ड्रोन से गिराए गए हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। ये हथियार और गोलाबारूद लश्कर-ए-तैयबा के गिरफ्तार आतंकवादी के खुलासे पर बरामद किए गए। यह आतंकवादी उस समय मारा गया जब उसने एक कांस्टेबल से हथियार छीनते गोलियां चलाईं और जब मौके से भागने के प्रयास में मारा गया था। उन्होंने बताया कि बरामद किए गए हथियार और गोलाबारूद में एक एके राइफल, मैगजीन, 40 राउंड एके राईफल की गोलियां, एक स्टार पिस्तौल और उसकी गोलियां और चीनी निर्मित ग्रेनेड है।

असम के छात्र अंडमान सेल्युलर जेल के अध्ययन के लिए जाएंगे : सरमा

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को कहा कि राज्य के एक हजार विद्यार्थियों को सेल्युलर जेल के अध्ययन के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप समूह भेजा जाएगा।

श्री सरमा ने आजादी का अमृत महोत्सव को चिह्नित करने के लिए राज्य विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में यह घोषणा की। उन्होंने कहा, असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के कई स्वतंत्रता सेनानियों को ब्रिटिश राज के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की सेल्युलर जेल में डाल दिया गया था। हम इस साल एक हजार विद्यार्थियों को शैक्षिक दौरे पर यहां भेजेंगे, जिससे उन्हें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों से प्रेरित होने में सहायता मिल सके।

श्री सरमा ने उन्होंने कहा, हर घर तिरंगा अभियान एक सफलता थी क्योंकि यह एक जन आंदोलन बन गया था। हमें राज्य भर में अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली।'

विजयन ने केरलवासियों को दी जन्माष्टमी की बधाई

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने गुरुवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई दी। श्री विजयन ने फेसबुक पर पोस्ट करते हुए कहा, श्रद्धालु श्री कृष्ण की अवधारणा को अधर्म पर धर्म की जीत के प्रतीक के रूप में देखते हैं। भगवान श्रीकृष्ण क्षमा और दया के भी प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा श्री कृष्ण जन्माष्टमी पूरे समाज में प्रेम और खुशियों का संदेश फैलाए और सभी तरह की बुराईयों से लड़ने की प्रेरणा दे।

दिल्ली-कोलकाता में प्रदूषण का खतरनाक स्तर

नई दिल्ली। पिछले कई सालों से इस बात की हमेशा चर्चा हमेशा होती रही कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में अब एक ताजी रिपोर्ट में जो खुलासे सामने आए हैं वे काफी चौंकाने वाली हैं। हेल्थ इफेक्ट इंस्टीट्यूट की ओर से जारी नई रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली और कोलकाता दुनिया के दो सबसे प्रदूषित शहरों में से एक हैं। दुनियाभर के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में चीन के पांच तो भारत के तीन शहर शामिल हैं। दरअसल, अमेरिकी हेल्थ इफेक्ट इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में पता चलता है कि पीएम 2.5 प्रदूषण के कारण 2019 में दिल्ली और कोलकाता में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 106 और 99 लोगों की मौत हो गई। इस रिपोर्ट ने भारत की राजधानी को पीएम 2.5 के कारण प्रति 1 लाख आबादी में 106 मौतों के साथ 6वें स्थान पर रखा गया है। वहीं कोलकाता प्रति 100,000 लोगों में 99 मौतों के साथ 8वें स्थान पर आया है।

दुनिया भर के 7000 से अधिक शहरों का वायु प्रदूषण

वहीं चीन की राजधानी पीएम 2.5 के कारण होने वाली ऐसी 124 मौत की वजह से पहले स्थान पर है। यह रिपोर्ट दुनिया भर के 7,000 से अधिक शहरों के लिए वायु प्रदूषण और वैश्विक स्वास्थ्य प्रभावों का एक व्यापक और विस्तृत विश्लेषण सामने रखती है। इसमें दो सबसे हानिकारक प्रदूषकों फाइन पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5) व नाइट्रोजन डाइआक्साइड (एनओ2) पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

दक्षिण भारत में भाजपा को मजबूत करने के लिए काम करूंगा: येदियुरप्पा

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति में नियुक्ति के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेताओं को बुधवार धन्यवाद दिया और कहा कि पार्टी को न सिर्फ राज्य में सत्ता में वापस लाने के लिए, बल्कि पूरे दक्षिण भारत में इसे मजबूत करने के लिए काम करूंगा।

श्री येदियुरप्पा ने 2023 के विधानसभा चुनावों में कर्नाटक में भाजपा को सत्ता

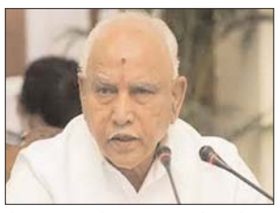

में वापस लाने और अन्य नेताओं के साथ राज्यव्यापी दौरे पर करने की इच्छा व्यक्त की।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, मैंने पार्टी द्वारा मुझे सौंपी गई सभी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन किया है। मैं अब भी ऐसा ही करूंगा। मैंने पहले भी कई बार कहा है कि मेरा उद्देश्य 2023 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को राज्य में सत्ता में वापस लाना है। सभी नेताओं के के साथ मैं राज्य का दौरा करूंगा और अगर जरूरत पड़ी तो मैं दक्षिण भारत का भी दौरा करूंगा। मैं आखिरी सांस तक पार्टी के लिए काम करूंगा।

श्री येदियुरप्पा के दक्षिण भारत के दौरे के लिए खुद को उपलब्ध कराने के बयान का बहुत महत्व है, क्योंकि उन्हें कर्नाटक विधानसभा में भाजपा को केवल दो विधायकों से एक विशाल पार्टी बनाने तथा सत्ता पर काबिज कराने का गौरव प्राप्त है।

श्री येदियुरप्पा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को धन्यवाद दिया।

कर्मचारी अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के हित में कार्य करें : रमेश चन्द मीना

जयपुर। राजस्थान के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री रमेश चन्द मीना ने कहा है कि पंचायती राजकर्मी गांव में अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के हित में विभाग की कल्याणकारी योजनाओं, नीतियों कार्यक्रमों, फैसलों के क्रियान्वयन के लिए निष्ठा, समयबद्धता, ईमानदारी एवं उत्तरदायित्व के साथ काम करें। मीना आज यहां शासन सचिवालय के कांफ्रेंस कक्ष में पंचायती राज विभाग समन्वय समिति की कार्यकारिणी को शपथ दिलाने के बाद सम्बोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि गांव की सरकार में वीओ, बीडीओ के साथ ही विभाग के मंत्रालयिक कर्मचारियों की भूमिका एवं जिम्मेदारी सबसे बड़ी है जो जनकल्याण के कार्यक्रमों, विकास को नोटशीट से गरीब के घर तक पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि वे अकेले कुछ नहीं हैं, सभी अधिकारी-कर्मचारी एक परिवार की तरह हैं।

उद्योगों के लिए बढ़िया माहौल बनाने को सरकार वचनबद्ध : अरोड़ा

चंडीगढ़। पंजाब के आवास निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री अमन अरोड़ा ने डेराबस्सी के उद्योगपतियों की मुश्किलें सुनते हुये कहा है कि प्रदेश सरकार राज्य में औद्योगिक विकास की खातिर बेहतर माहौल बनाने के लिए उद्योगपतियों की जायज माँगों पर गौर करेगी। आवास निर्माण और शहरी विकास विभाग और इंडस्ट्रीज विभाग के अधिकारियों के साथ उद्योगपतियों की समस्याओं संबंधी विचार-विमर्श करने के लिए बुलायी बैठक की अध्यक्षता करते हुये श्री अरोड़ा ने कहा कि सरकार राज्य के आर्थिक विकास में उद्योगों की भूमिका और ज़रूरतों को अच्छी तरह समझती है। उद्योगपतियों की जायज़ मांगों पर विचार किया जायेगा और उद्योगों के विकास के लिए सुखद और उद्योग-समर्थक माहौल सृजन करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नये उद्योगों की स्थापना से राज्य में आने वाले निवेश और इसके साथ पैदा होने वाले रोज़गार के मौकों से भली-भाँति अवगत है। इसलिए नियमों को आसान बनाने के लिए हर संभव कोशिश की जायेगी जिससे राज्य भर में औद्योगिक विकास को और बढ़ावा मिल सके। उन्होंने आवास निर्माण और शहरी विकास विभाग और उद्योग और वाणिज्य विभाग की तरफ से मिल कर राज्य में लागू किये जा रहे प्रोजेक्टों की स्थिति का जायज़ा भी लिया।

हथनीकुंड डैम की प्राथमिक रिपोर्ट को मंजूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने गुरुवार को हथनीकुंड डैम की प्राथमिक रिपोर्ट को मंजूरी दे दी।

उन्होंने सर्वप्रथम डैम से संबंधित समीक्षा बैठक ली, इसके बाद हरियाणा सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की ओर से तैयार की गई प्राथमिक रिपोर्ट को केंद्रीय जल आयोग के समक्ष भेजने की मंजूरी दी। जल आयोग के अतिरिक्त यह रिपोर्ट पांच राज्यों में भी भेजी जाएगी। हथनीकुंड डैम हरियाणा सरकार का एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट के निर्माण में यह रिपोर्ट बेहद अहम है।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि जल धरती का एक अमूल्य तत्व है। हर वर्ष बारिश के दिनों में पानी बर्बाद होता है और यमुना नदी के क्षेत्र में बाढ़ आती है। इसी कारण सरकार ने हथनीकुंड में डैम बनाने का निर्णय लिया है। इस डैम का जलग्रहण क्षेत्र लगभग 11170 वर्ग किलोमीटर होगा।

डैम हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के क्षेत्र में बनाया जाना है। इसके बनने से हरियाणा को न केवल बिजली मिलेगी बल्कि पानी की आपूर्ति भी होगी। हथिनीकुंड डैम की वार्षिक बिजली उत्पादन क्षमता 763 एमयू होगी।

श्री खट्टर ने कहा कि केंद्रीय जल आयोग की आवश्यकता के अनुसार, डीपीआर तैयार करने के लिए सबसे पहले सीडब्ल्यूसी की %सैद्धांतिक% सहमति प्राप्त करने के लिए प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार करना आवश्यक है। इसी कड़ी में प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार की गई है। इस रिपोर्ट को अब केंद्रीय जल आयोग, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली को भेजा जाना है।

उनके अनुसार हथनीकुंड डैम के बनने से आसपास के क्षेत्र में ग्राउंड वाटर रिचार्जिंग होगी और इससे किसानों को लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त यमुना नदी के क्षेत्र में हर वर्ष बारिश के दिनों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे किसानों की फसलें खराब हो जाती है। डैम के बनने से बाढ़ की समस्या से निजात मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस डैम के बनने का फायदा रेणुका, किसाऊ और लखवार तीनों डैम को मिलेगा। इन तीनों डैम का बैलेंसिंग रिजरवायर फंक्शन हथनीकुंड डैम को ही बनाया जाएगा। डैम बिजली और पानी की आपूर्ति तो करेगा ही लेकिन इसे पर्यटन का केंद्र भी बनाया जाएगा। कोई भी डैम पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होता है। इसे पर्यटकों की दृष्टि से भी विकसित किया जाएगा।

महागठबंधन सरकार की स्थिरता पर संदेह : प्रशांत किशोर

एजेंसी

समस्तीपुर। जन सुराज अभियान के संस्थापक एवं राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बिहार में महागठबंधन सरकार की स्थिरता पर संदेह जाहिर करते हुए आज कहा कि ऐसा नहीं लगता है कि सात दलों का यह महागठबंधन अगले विधानसभा और लोकसभा चुनाव तक चलेगा।

श्री किशोर जन सुराज अभियान के तहत गुरुवार को यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपने शासनकाल में

10 लाख सरकारी नौकरी देने की बात कभी ध्यान में नहीं आई। लेकिन आज महागठबंधन की सरकार बनते ही मुख्यमंत्री को इसका ध्यान कैसे आ गया। नीतीश सरकार यदि एक वर्ष के अन्दर 10 लाख नौकरी देने का जो वादा किया है उसे पूरा करती है तो उनका संगठन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समर्थन मे काम करेगा।

राजनीतिक रणनीतिकार ने बिहार में बनी महागठबंधन की सरकार पर स्थिरता पर संदेह जाहिर करते हुए कहा कि ऐसा नहीं लगता है कि यह महागठबंधन अगले विधानसभा और लोकसभा चुनाव तक चलेगा। उन्होंने कहा, संभव है कि लोकसभा चुनाव तक ये लोग साथ रहे लेकिन 2025 मे होनेवाली बिहार विधानसभा चुनाव से पहले महागठबंधन बिखर न जाए।

श्री प्रशांत ने कहा कि साल 2012 के बाद से बिहार में सरकार बनाने का ये छठवां प्रयोग है जिससे सरकार बदली है। इस तरह सरकार बनाने से बिहार के विकास पर बुरा असर पड़ा है और विकास की गति धीमी हुई है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आलोचना करते हुए कहा कि वह कुर्सी से चिपकु मुख्यमंत्री है।

उन्होंने कहा कि साल 2014 के नीतीश कुमार और आज 2022 के नीतीश कुमार में जमीन-आसमान का फर्क है और यह उनकी पार्टी जनता दल यूनाईटेड के चुनावी प्रदर्शन में साफ तौर पर देखा जा सकता है।

चंबल नदी खतरे के निशान पर, गांव में कराई गई मुनादी

भिंड। मध्यप्रदेश के भिंड जिले की सीमा में बहने वाली चंबल नदी खतरे के निशान तक पहुंच चुकी है। कोटा बैराज से अब तक एक लाख 70 हजार क्यूसेक के ज्यादा पानी छोड़ा जा चुका है। नदी के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी के चलते नदी किनारे बसे गांवों में मुनादी करवायी गयी है।

जल संसाधन विभाग के अधिकारी भिंड सीमा में बहने वाली चंबल नदी की मॉनिटरिंग कर रहे है। उत्तर प्रदेश के इटावा के उदी घाट पर चंबल का जलस्तर 119 मीटर से अधिक हो चुका है। यह जलस्तर खतरे के निशान को छूने लगा है। इधर राजस्थान के कोट बैराज से लगातार नदी का जल छोड़ा जा रहा है। पानी का बहाव तेज हो चुका है। भिण्ड के स्थानीय प्रशासन ने नदी से दूर रहने की सलाह दी है। नदी के तटीय क्षेत्र में रहने वाले किसानों और गांव वालों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचने की सलाह दी गयी है।

सिलावट ने बांधों में जल भराव की समीक्षा की

भोपाल। मध्यप्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने आज यहां मंत्रालय स्थित सिचुएशन रूम में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ प्रदेश के बांधों में जल भराव की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। अपर मुख्य सचिव एस एन मिश्रा, प्रमुख अभियंता मदन सिंह डाबर और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार श्री सिलावट ने प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से बांधों में जल भराव, जलाशयों के गेट खोलने और जल निकासी की स्थिति की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने बाढ़-आपदा प्रबंधन की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी बांधों में जल भराव की स्थिति की प्रतिदिन समीक्षा की जाए। बांध से पानी छोड़ते समय ध्यान रखें कि किसी तरह की जन-हानि, मवेशियों और फसलों का नुकसान न हो। अपर मुख्य सचिव श्री मिश्रा ने बाढ़-आपदा प्रबंधन, विभिन्न बांधों के जल-स्तर, बांध की सुरक्षा एवं वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी डेम और बड़े जलाशयों पर लगातार निगाह रखी जा रही है। अधिकारियों को फील्ड में ही रहने के निर्देश दिए गए है। मौसम विभाग से आगामी दिनों में होने वाली वर्षा के संबंध में भी प्रतिदिन जानकारी ली जा रही है।

शिवराज ने तेजस जनकल्याण समिति के साथ किया पौधरोपण

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज यहां स्मार्ट सिटी सिटी पार्क में बरगद, मौलश्री और हरसिंगार के पौधे लगाए। आधिकारिक जानकारी के अनुसार तेजस जन-कल्याण समिति के प्रवीण गुप्ता, वरूण गुप्ता, रूपेश गुप्ता, वंदना गुप्ता, गुंजेश्वरी गुप्ता, प्रांजल, कुमारी सुविज्ञा तथा मनीष रमनानी पौधरोपण में सम्मिलित हुए। तेजस जन-कल्याण समिति गत 06 वर्षों से समाज-सेवा और सामाजिक सद्भाव के लिए कार्य कर रही है। संस्था प्रतिवर्ष छोला दशहरा मैदान पर गोवर्धन पूजा का भव्य आयोजन करती है। संस्था द्वारा जरूरतमंद बच्चों को आवश्यक शैक्षणिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। संस्था पौध-रोपण और स्वच्छता जागरूकता के कार्यक्रम निरंतर संचालित करती है।

हम कहने में नहीं करने में विश्वास रखते हैं : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा है कि आदिवासियों एवं मूलवासियों के हक और अधिकार के लिए सरकार सदैव उनके साथ है।

श्री सोरेन ने आज यहां मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में पायलट प्रोजेक्ट नेतरहाट फील्ड फायरिंग रेंज विरोधी केंद्रीय जनसंघर्ष समिति, लातेहार-गुमला के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कहा कि हम कहने में नहीं करने में विश्वास रखते हैं। आज गांव-गांव तक यह संदेश जा रहा है कि उनके हित के लिए सरकार उनके साथ खड़ी है। हमारा लगातार प्रयास है कि

राज्य की जनजाति, मूलनिवासी के उत्थान के लिए कार्य करें।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने नेतरहाट फील्ड फायरिंग रेंज का अवधि विस्तार नहीं करने के मुख्यमंत्री के निर्णय पर आभार व्यक्त किया। साथ ही पगड़ी पहनाकर एवं शॉल भेंट कर उन्हें सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 28-30 साल से चल रहे इस आंदोलन में आज मूल निवासियों के हित में सरकार ने फैसला लिया है। फायरिंग रेंज में आने वाले 1471 वर्ग किलोमीटर भूमि पर अब वहाँ के गरीबों का अधिकार हो, इससे संबंधित प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सीएनटी, एसपीटी एक्ट के कारण हो रही परेशानियों के लिए भी सरकार उचित कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि हम आदिवासियों और मूलनिवासियों की संपत्ति और उनके अधिकारों को संरक्षित करने का काम कर रहे हैं।

शार्ट न्यूज

पुलिस ने फर्जी मारपीट का मामला बनाकर टेंट कारोबारी को पीटा, दो एसआई, कांस्टेबल पर जांच के आदेश

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में अवैध निर्माण की शिकायत करने से गुस्साए पुलिसकर्मियों ने एक टेंट कारोबारी को थाने ले जाकर उसकी जमकर पिटाई कर दी। पीड़ित ने नेब सराय थाने के एसएचओ और एसआई पर गंभीर आरोप लगाते हुए इस संबंध में पुलिस आयुक्त, जिला पुलिस उपायुक्त और विजिलेंस को शिकायत दी है। वरिष्ठ अधिकारी के निर्देश पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पीड़ित प्रदीप ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि उसने जून में सैनिक फार्म में हो रहे अवैध निर्माण के खिलाफ जिला पुलिस उपायुक्त और एसएचओ नेब सराय को शिकायत दी थी। प्रदीप का आरोप है कि इस शिकायत के बाद ही पुलिस ने उसके खिलाफ झूठा मामला बनाकर कार्रवाई की है। वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई अपनी शिकायत में संगम विहार निवासी टेंट कारोबारी 35 वर्षीय प्रदीप ने कहा है कि वह आठ अगस्त को बांध रोड पर दो साथियों के साथ टहल रहे थे। इसी दौरान नेब सराय थाने में तैनात दो पुलिसकर्मी आए, जो वर्दी में नहीं थे। वे उन्हें जबरन थाने ले गए और वहां उनकी पिटाई की। साथ ही उन पर सतीश नाम के शख्स से झगड़ा करने का आरोप लगाकर आईपीसी की धारा 107/51 के तहत मामला बनाया और लॉकअप में बंद कर दिया। लॉकअप में रखने के दौरान पुलिसकर्मियों ने उन्हें पीटा और भूखा रखा। पुलिसकर्मियों ने नौ अगस्त की शाम 4 बजे उन्हें कोर्ट में पेश किया, जहां से जमानत पर छोड़ दिया गया।

दिल्ली : घरेलू उड़ानों में कृपाण ले जा सकते हैं सिख, दिल्ली हाईकोर्ट का रोक से इनकार

नई दिल्ली। बृहस्पतिवार को दिल्ली उच्च न्यायालय ने घरेलू उड़ानों के दौरान सिखों को छह इंच तक के ब्लेड वाली कृपाण लेकर चलने की अनुमति संबंधी फैसले पर स्थगन का अंतरिम आदेश जारी करने से को इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश सतीशचंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, कोई स्थगन नहीं। पीठ ने नागर विमानन महानिदेशालय से इस याचिका पर उसका रूख जानना चाहा। याचिका में इस संबंध में चार मार्च, 2022 को जारी की गयी अधिसूचना को चुनौती दी गयी है। पीठ ने इस याचिका पर प्रतिवादियों से जवाब मांगा है। याचिका में %व्यवहारिक हल% की गुजाइंश ढूढने के वास्ते एक समिति गठित करने का अनुरोध किया गया है ताकि उड़ान के दौरान ले जाई जाने वाली कृपाण उपयुक्त डिजाइन वाली हो तथा उसमें चार सेंटीमीटर से अधिक का ब्लेड न लगा हो। वकील हर्ष विभोरे की इस याचिका में कहा गया है कि वर्तमान मान्य आयामों के तहत उड़ानों में कृपाण ले जाने की अनुमति देना विमानन सुरक्षा के लिए खतरनाक है और %यदि कृपाण को केवल धर्म के लिहाज से सुरक्षित माना जाता है तो किसी को भी अचरज होता है कि फिर सिलाई/बुनाई वाली सूई, नारियल, पेंचकस और छोटे पेन चाकू आदि कैसे खतरनाक मान लिये गये हैं और उन पर रोक लगा दी गयी है।

घर का ताला तोड़कर दो लाख रुपये सहित आभूषण चोरी

नोएडा। बदमाशों ने ने सेक्टर-117 में एक घर का ताला तोड़कर दो लाख रुपये, गहने और कीमती सामान चोरी कर लिया। इस संबंध में पीड़ित ने सेक्टर-113 थाने में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस को दी शिकायत में रविंद्र कुमार खंडेलवाल ने बताया कि वह परिवार के साथ सेक्टर-117 में रहते हैं। वह बुधवार को अपनी बेटी को लेने के लिए ग्रेटर नोएडा गए थे। उन्होंने घर का ताला लगा दिया था। जब वह करीब आधे घंटे बाद घर लौटे तो घर का ताला टूटा था और अलमारी में रखे करीब दो लाख रुपये, लाखों रुपये के गहने और कीमती सामान चोरी हो चुका था। उन्होंने वारदात की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और वारदात की जानकारी ली। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों का पता लगाने के लिए नजदीक के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है। कुछ फुटेज में संदिग्ध नजर आ रहे हैं।

जहरीला पदार्थ खाने से महिला की मौत

नोएडा। सेक्टर-15 में महिला ने संदिग्ध हालात में जहरीला पदार्थ निगल लिया। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। थाना पुलिस को मंगलवार को सूचना मिली थी कि एक महिला की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई है। महिला को सूरज नाम के एक व्यक्ति ने जिला अस्पताल में भर्ती करवाया था। यहां पर कुछ देर बाद उपचाराधीन होने के बाद महिला ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि अस्पताल में मृतका का नाम मुस्कान लिखा है। हालांकि, जिस सूरज नाम के व्यक्ति ने उसे भर्ती कराया, उसका मोबाइल नंबर बंद आ रहा है। इस वजह से महिला के नाम और पते की सटीक जानकारी नहीं है। पुलिस अपने स्तर पर मामले की जांच कर रही है।

कर्मचारियों ने ही स्टोर में चोरी कराई

नोएडा। सेक्टर-39 पुलिस ने सदरपुर कॉलोनी स्थित ग्रॉसरी स्टोर से लाखों रुपये और सामान चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान स्टोर के मैनेजर और डिलीवरी ब्वॉय के रूप में हुई है। पुलिस ने उनसे लाखों रुपये भी बरामद किए हैं। सदरपुर कॉलोनी में कंपनी का ग्रॉसरी स्टोर है। संबंधित कंपनी ऑनलाइन खाद्य उत्पाद सहित अन्य सामान की घर में डिलीवरी करती है। स्टोर के संचालक हार्दिक गोयल ने थाने में शिकायत दी थी कि कुछ लोगों ने उनके स्टोर से आठ लाख रुपये और सामान चोरी कर लिया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू की। इसी दौरान बुधवार को दो आरोपियों को सेक्टर-99 से गिरफ्तार किया गया जिनकी पहचान दिल्ली के न्यू कोंडली निवासी महराज और हाथरस के गांव केवलगढ़ी निवासी सचिन के रूप में हुई। आरोपी महराज ग्रॉसरी स्टोर में मैनेजर है जबकि सचिन डिलीवरी ब्वॉय है। पुलिस ने आरोपियों से स्टोर से चोरी किए गए 6,05,609 रुपये, एक लैपटॉप, वारदात में इस्तेमाल कार सहित अन्य उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह दोनों अपना ग्रॉसरी स्टोर खोलना चाह रहे थे, इसलिए स्टोर में चोरी की। इसके अलावा आरोपी काफी दिनों से ग्रॉसरी स्टोर से थोड़ी-थोड़ी रकम चोरी कर रहे थे। स्टोर के कुछ पैसे आरोपियों के बैंक खातों में भी जमा है। पुलिस दोनों के खाते सीज कर रही है। आरोपियों ने कंपनी के उत्पादकों की बिक्री का रखा पैसा चोरी किया था। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया।

खाते की केवाईसी कराने का झांसा देकर ऐंठे 1.72 लाख, मामला दर्ज

नोएडा। साइबर अपराधी ने बैंक खाते की केवाईसी कराने का झांसा देकर एक व्यक्ति के खाते से 1.72 लाख रुपये निकाल लिए। उसने मोबाइल पर ऐप डाउनलोड कराकर जालसाजी की। इस संबंध में सेक्टर-126 थाने में केस दर्ज कराया गया है। सेक्टर-126 थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव निवासी अशर्फी महतो ने पुलिस को शिकायत दी है कि उनके मोबाइल पर कुछ दिन पहले एक युवक ने कॉल की। उसने खुद को उसी बैंक का मैनेजर बताया, जिसमें उनका खाता है। उसने कहा कि उनके बैंक खाते की केवाईसी अपडेट होनी है। यदि केवाईसी अपडेट नहीं करवाई तो खाता बंद हो जाएगा। वह उसकी बात बातों में आ गए। फिर उसने उन्हें मोबाइल में एक ऐप डाउनलोड करने के लिए कहा। उसने कहा कि इस ऐप के माध्यम से ही केवाईसी होगी। इस पर उन्होंने अपने मोबाइल में ऐप डाउनलोड कर लिया। इसके बाद उनका मोबाइल हैक हो गया और ठग ने उनके खाते से यूपीआई के जरिए 1.72 लाख रुपये निकाल लिए। जब कुछ देर बाद उनके मोबाइल पर ट्रांजेक्शन का मैसेज आया तो उन्हें ठगी का पता चला। इसके बाद पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

115 फुट के तिरंगे का डीसीपी ने किया ध्वजारोहण

मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे पुलिस उपायुक्त संजय कुमार सेन, ग्रीनलैंड मॉडल स्कूल के बच्चों ने प्रेश किए रंगारंग कार्यक्रम

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

पूर्वी दिल्ली। नॉर्थ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के शास्त्री पार्क इलाके में 75वें आजादी का अमृत महोत्सव के मौके पर अधिकार मंच की ओर से एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नॉर्थ-ईस्ट जिले के पुलिस उपायुक्त संजय कुमार सेन मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गांधी नगर विधायक अनिल वाजपेयी ने की। कार्यक्रम के दौरान उत्तर-पूर्वी जिला दिल्ली पुलिस एवं अधिकार मंच के सौजन्य से स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 115 फुट के राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण एवं बहादुर पुलिसकर्मियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। वहीं, कार्यक्रम के दौरान ग्रीनलैंड मॉडल स्कूली के बच्चों ने कार्यक्रम के दौरान डांस, नुक्कड़ नाटक व फैशन शो दिखाकर लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि संजय कुमार ने कहा कि 76 वें स्वतंत्रता दिवस को मनाने के लिए आज हम जब अपने ऑफिस में एकत्रित हुए थे तो हमें नहीं पता था कि यह कड़ी जुड़ते-जुड़ते इस तरह के एक माहौल में बदल जाएगा। इस मौके पर लोगों की ओर से भी पुलिस को काफी सम्मान दिया गया। सेन ने आगे कहा कि अधिकार मंच हर घर तिरंगा के इस मुहिम को लेकर आगे बढ़ा और सभी को अपने साथ चला है।

उसके लिए मैं अधिकार मंच का धन्यवाद करता हूं। कार्यक्रम में उन्होंने लोगों से कोरोना से अपना बचाव करने का आग्रह भी किया। साथ ही उन्होंने अपने उन अधिकारियों को भी धन्यवाद कहा, जिनकी वजह से नॉर्थ-ईस्ट जिले में अपराध में काफी गिरावट आई है। कार्यक्रम में विधायक अनिल वाजपेयी ने कहा कि अंग्रेजों ने हमारे ऊपर बहुत जुल्म किया है। हमें कभी भी उन वीरों को नहीं भुलना चाहिए, जिनकी वजह से हमारा देश आजाद हुआ है। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा चलाई गई हर घर तिरंगे मुहिम के बारे में भी बात की और अधिकार मंच की भी तारीफ की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान गाकर किया गया।

इन पुलिसकर्मियों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम में अधिकार मंच के अध्यक्ष विनोद जैन एवम महासचिव सतेंद्र त्रिपाठी ने बताया मंच की ओर से पुलिस उपायुक्त संजय कुमार सेन को शेर का चिन्ह और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त संध्या स्वामी को अशोक स्तंभ देकर सम्मानित किया गया।

इसके अलावा विधायक अनिल वाजपेयी ने पटका पहनाकर व पुलिस उपायुक्त सेन ने ट्रॉफी देकर एसीपी संजय द्राल, अभिषेक गुप्ता, उदयबीर सिंह, संजय कुमार, संजय सिंह, इंस्पेक्टर जितेंद्र तिवारी, विजय कुमार, जशोद सिंह मेहता, हरीश कुमार, मालती बाना, ललन केसरी, विनोद अहलावत, सुकरम पाल, सतविंद्र राणा, गिरीश जैन, बलराम सिंह बेनिवाल, राधे श्याम, रणधीर सिंह, सुखराम पाल, विनीत एसआई बिट्टू सिंह, अखिल चौधरी, प्रवेश कुमार, नितिन कुमार, गौरव यादव, एएसआई राजदीप त्यागी, राजीव त्यागी, हेड कांस्टेबल पवित कसाना, रजनीश जयबीर, नवनीश, विपिन त्यागी, सचिन राणा, सोनू कसाना अमरीश, महिला हेड कांस्टेबल रूपा, सुखदर्शन, नीरज और कांस्टेबल जोगिन्दर धामा, नितिन, मनीष फौजदार, राजेश श्रवण, दीपक कुमार, रहीश कुमार, अमित, दीपक तोमर, हवा सिंह और अन्य पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया।

21 अगस्त को संयुक्त रोजगार आंदोलन समिति आंदोलन स्थल पर करेगी रोजगार संसद : गोपाल राय

रोजगार संसद में शामिल होंगे कई पार्टियों के सांसद व संगठनों के नेता

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। आज रोजगार आंदोलन के तीसरे दिन आंदोलनकारियों को संबोधित करते हुए गोपाल राय ने बताया 21 अगस्त को संयुक्त रोजगार आंदोलन समिति आंदोलन स्थल पर रोजगार संसद का आयोजन करेगी जिसमें कई पार्टियों के सांसद एवं संगठनों के नेता शामिल होंगे।

आंदोलन स्थल पर राष्ट्रीय रोज़गार नीति को लागू कराने को लेकर नंदनगरी में क्रमिक अनशन जारी है। आज रोजगार आंदोलनकारी कार्यक्रम स्थल पर पकोड़े तलकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे है।

दिल्ली के कैबिनेट मंत्री एवं देश की बात फाउंडेशन के संस्थापक गोपाल राय ने बताया कि राष्ट्रीय रोजगार नीति को लागू कराने को लेकर चल रहे रोजगार आंदोलन का आज तीसरा दिन है। 16 अगस्त को शुरू की गई तिरंगा पदयात्रा को पुलिस द्वारा दिल्ली के गोकलपुरी में रोकने के बाद पिछले दो दिनों से देशभर से आए प्रतिनिधि केंद्र सरकार के खिलाफ क्रमिक अनशन पर बैठे हुए है।

ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय रोज़गार नीति को लागू कराने के प्रति हमारी मांग को अनदेखा कर देना , हमे कतई भी मंजूर नहीं है। इसलिए आज सभी राज्यों से आए हमारे प्रतिनिधि पकोड़े तलकर केंद्र सरकार के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन कर रहे है।

उन्होंने आगे बताया कि बेरोजगारी आज देश की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है और उसके समाधान के लिए आज जिस तरह के बेहतर प्रयास करने की ज़रूरत है वह सरकार की तरफ से नहीं दिख रहा है।

आज भारत की बेरोजगारी दर बढ़कर उच्च स्तर 7.6 प्रतिशत पर पहुंच गई है। देश में बढ़ रही बेरोज़गारी को मद्देनज़र रखते हुए आज रोजगार आंदोलन के सभी प्रतिनिधि पकोड़ा तलकर यह सन्देश देना चाहते है की अगर राष्ट्रीय रोजगार नीति को जल्द से जल्द लागू न किया गया तो देश में युवाओं की स्थिति इसी तरह की हो जाएगी।

श्री गोपाल राय ने बताया कि केंद्र सरकार की रोजगार और उद्योग केंद्रित कार्यक्रमों ने आज अपनी देश में अपनी पकड़ खो दी है और केवल पकौड़े बनाने के नीचे ही दब के रह गई है । रोजगार आज के युवाओं का बुनियादी हक है और राष्ट्रीय रोजगार नीति देश के सभी युवाओं और देश की बेहतरी के लिए बेहद ज़रूरी है। अगर इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो युवाओं के सामने बेरोज़गारी का संकट हमेशा रहेगा और तकनीकी शिक्षा प्राप्त छात्र भी पकोड़े तलने को मजबूर हो जाएंगे।

नींद नहीं आने से परेशान बुजुर्ग ने फ्लैट की बालकनी से लगाई छलांग, मौत

गाजियाबाद। क्रॉसिंग रिपब्लिक की पंचशील वेलिंगटन सोसाइटी की 16वी मंजिल से कूदकर 65 वर्षीय रिटायर्ड सीनियर सेक्शन सुपरवाइजर ने आत्महत्या कर ली। वह करीब एक महीने से नींद न आने के चलते परेशान थे। गिरने की आवाज सुनकर सोसाइटी का सिक्योरिटी गार्ड दौड़कर मौके पर पहुंचा और इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को देने के साथ मृतक के परिजनों को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

नींद नहीं आने से थे परेशान

क्रॉसिंग रिपब्लिक की 19 मंजिला पंचशील वेलिंगटन सोसायटी की 16वी मंजिल के फ्लैट में एमटीएनएल से सीनियर सेक्शन सुपरवाइजर के पद से रिटायर्ड 65 वर्षीय विनोद शंकर अपने परिवार के साथ रहते थे। उनके बेटे विक्रांत ने बताया कि करीब एक महीने से पिता को नींद नहीं आ रही थी। वह थोड़े बहुत बीमार भी चल रही थे। जिसके चलते वह अक्सर रात में फ्लैट से निकलकर बालकनी में घूमते रहते थे।

देर रात फ्लैट की बालकनी से छलांग लगा दी

विजयनगर कोतवाल योगेंद्र मलिक ने बताया कि बुधवार की रात करीब 3:00 बजे विनोद शंकर ने फ्लैट की बालकनी से छलांग लगा दी। गिरने की आवाज सुनकर सोसाइटी का सिक्योरिटी गार्ड मौके पर पहुंचा और इसकी सूचना सोसायटी में रहने वाले अन्य लोगों के साथ विनोद शंकर के परिजनों को दी।

'केजरीवाल मॉडल' देखने बिहार से दिल्ली पहुंची टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार से शिक्षा विभाग की टीम दिल्ली पहुंच गई है। टीम यहां अरविंद केजरीवाल के मॉडल को देखने के लिए पहुंची है। नीतीश कुमार सरकार में शिक्षा मंत्री का पदभार संभालने वाले चंद्रशेखर दिल्ली सहित अन्य राज्यों के शिक्षा मॉडल का अध्ययन करेंगे।

टीम के दिल्ली पहुंचने पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ऐसे ही एक-दूसरे से सीखेंगे तो देश आगे बढ़ेगा। हमें भारत को दुनिया का नंबर वन देश बनाना है।

केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, %चंद्रशेखर जी और उनकी टीम का दिल्ली के सरकारी स्कूलों में स्वागत है। हमें उन्हें दिल्ली के सरकारी स्कूल दिखाने में खुशी होगी।

ऐसे ही एक-दूसरे से सीखेंगे तो देश आगे बढ़ेगा। हमें मिलकर देश के सभी बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा देनी है, भारत को दुनिया का नंबर-1 देश बनाना है।

शिक्षा मंत्री का पदभार संभालने के चंद्रशेखर ने कहा था कि सरकारी स्कूलों में बड़ी संख्या में रिक्तियां और उचित मूल्यांकन प्रणाली की कमी मुख्य कारण हैं, जिससे राज्य के छात्र पीड़ित हैं।

मैं व्यक्तिगत तौर पर महसूस कर रहा हूं कि राज्य में मौजूदा स्कूली शिक्षा प्रणाली को बदला जाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि स्कूलों की शिक्षा का स्तर बहुत अच्छा है।

केजरीवाल का शिक्षा मॉडल सराहनीय कदम है।

कंपनी की छत से गिरकर कर्मचारी की मौत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में कंपनी की छत से गिरकर कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस का दावा है कि रात को सोते समय नींद में युवक छत से नीचे गिरा था। हालांकि, पुलिस मामले की जांच की जा रही है। सेक्टर ईकोटेक तीन कोतवाली पुलिस के मुताबिक मूलरूप से झारखंड के दुमका जिले के विजयवाद गांव का रहने वाला योगिंदर तुस्याना गांव में किराए के मकान में रहता था। वह ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित पेप्सी कंपनी में नौकरी करता था। कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि कर्मचारी योगिंदर कंपनी की छत पर जाकर सो गया। योगिंदर सोमवार रात नींद में छत से नीचे गिर गया। आनन-फानन में उसे नजदीक के अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गई है। परिजनों द्वारा मामले में शिकायत करने पर जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्वाति मालीवाल ने मजनू का टीला में पाकिस्तान से आयी हिंदू शरणार्थी महिलाओं की स्थिति पर अध्ययन शुरू किया

उनके पुनर्वास के लिए सरकार को सिफारिश देंगी

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग ने उन महिलाओं और बाल हिंदू शरणार्थियों की दुर्दशा पर एक अध्ययन शुरू किया है, जो पाकिस्तान से भाग आये थे और पिछले कई सालों से दिल्ली के मजनू का टीला में रह रहे हैं। हिंदू शरणार्थी दयनीय स्थिति में रह रहे हैं और उनके पास आवास, पानी का कनेक्शन, बिजली, शौचालय और आजीविका के उचित साधनों जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।

कई शरणार्थी पाकिस्तान में जबरन धर्मांतरण, अपहरण, धार्मिक हमले, यौन उत्पीड़न से लेकर अन्य उत्पीड़नों से बच कर आये हैं। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने बहुत कुछ झेला है और प्रत्येक शरणार्थी परिवार के पास साझा करने के लिए एक डरावनी कहानी है ।

वर्तमान में वे यमुना नदी के तट पर एकांत में रह रहे हैं और कई परेशानियों से त्रस्त हैं, खासकर मानसून के दौरान। वे कच्चे घरों और टेंट में रहने को मजबूर हैं। उनके पास उचित शौचालय की व्यवस्था नहीं है और महिलाओं और बच्चे अक्सर खुले में शौच करने के लिए मजबूर हैं। बिजली की कमी ने क्षेत्र को और असुरक्षित बना दिया है। कई अनुरोधों के बावजूद उन्हें नागरिकता भी नहीं दी गई है।

उनकी स्थिति को देखते हुए दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने पिछले कई वर्षों से दिल्ली में सबसे दयनीय स्थिति में रह रहे हिंदू शरणार्थियों की समस्याओं का पता लगाने के लिए एक अध्ययन शुरू किया है। आयोग विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा हिंदू शरणार्थियों की परेशानियों के समाधान के लिए उठाए गए कदमों का पता लगाने के लिए उनको नोटिस भी जारी करेगा । इसके अलावा, आयोग मजनू का टीला में रहने वाले हिंदू शरणार्थियों के पुनर्वास के लिए विभिन्न सरकारी विभागों को सिफारिशें भी देगा।

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्षा स्वाति मालीवाल ने कहा, मैं इन हिंदू शरणार्थियों से मजनू का टीला में मिली हूं। वे सबसे दयनीय परिस्थितियों में जी रहे हैं। उनके पास कच्चे घर हैं जिनमें मानसून के दौरान रहना और भी मुश्किल हो जाता है। अक्सर उनके घरों में सांप बिच्छू घुस जाते हैं। शौचालय नहीं होने के कारण उन्हें खुले में शौच के लिए मजबूर होना पड़ता है। बिजली और पानी की कमी की वजह से यह क्षेत्र रहने के काबिल नहीं है। उनके पास आजीविका के पर्याप्त अवसर भी नहीं हैं। इसके अलावा, उन्हें आज तक नागरिकता प्रदान नहीं की गई है। यह एक दु:खद स्थिति है और हम इस मामले की गहराई से जांच करेंगे। हम दिल्ली सरकार के साथ-साथ भारत सरकार को उनकी स्थिति में सुधार के लिए सिफारिशें देंगे। वे पिछले कई सालों से भारतीय धरती पर रह रहे हैं और उन्हें तत्काल पुनर्वास की जरूरत है।

रक्षामंत्री ने किया चाणक्य वार्ता के रक्षा विशेषांक का लोकार्पण

नटखट चीन युद्ध की हिम्मत नहीं कर सकता : राजनाथ सिंह

संवाददाता/गौरवशाली भारत

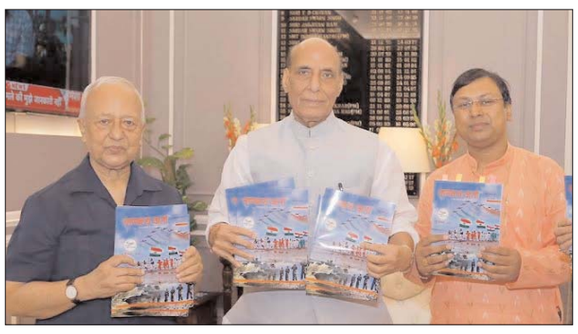

नई दिल्ली। योगेश कुमार गोयल। भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्रालय स्थित अपने कार्यालय में अंतर्राष्ट्रीय पाक्षिक पत्रिका 'चाणक्य वार्ता' के रक्षा विशेषांक का लोकार्पण किया। पत्रिका द्वारा यह विशेषांक भारत की आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में प्रकाशित किया गया है। इस विशेषांक के लोकार्पण के बाद पत्रिका का अध्ययन करने के पश्चात् रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पत्रिका के इस विशेषांक में वास्तव में महत्वपूर्ण दस्तावेजों से भरे तमाम ऐसे लेख हैं, जो संजोकर रखे जाएंगे। रक्षा मंत्री ने रक्षा विशेषांक की सराहना करते हुए इसे आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर जारी महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया।

मंत्री महोदय ने पत्रिका में रक्षा मामलों से संबंधित उत्कृष्ट जानकारी दिए जाने पर पत्रिका के सम्पादक मंडल को बधाई देते हुए चीन की चुनौतियों संबंधी एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि भारत हर तरह से शक्तिशाली है और चीन नटखट है, जो भारत से युद्ध की हिम्मत नहीं कर सकता। पत्रिका के लोकार्पण के अवसर पर पूर्व रक्षा सचिव वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डा. योगेन्द्र नारायण, पत्रिका के सम्पादक डा. अमित जैन तथा कार्यकारी सम्पादक उपस्थित रहे।

चाणक्य वार्ता के रक्षा विशेषांक में सम्पादक डा. अमित जैन, छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल तथा भारत सरकार के पूर्व रक्षा सचिव शेखर दत्त, भारत सरकार के पूर्व रक्षा सचिव जी. मोहन कुमार, पूर्व रक्षा सचिव एवं वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डा. योगेन्द्र नारायण, एकीकृत राष्ट्रीय सुरक्षा मंच (एफआईएनएस) के महासचिव डा. शेषाद्रि चारी, भारतीय वायुसेना में कार्यरत संदीप उपाध्याय, वरिष्ठ पत्रकार तथा सामरिक मामलों के जाने-माने विश्लेषक योगेश कुमार गोयल, वरिष्ठ पत्रकार व रक्षा क्षेत्र के जानकार धीरेन्द्र मिश्र, डीआरडीओ में कार्यरत डा. रंजीत कुमार, वरिष्ठ पत्रकार डा. भरत कुमार, चाणक्य वार्ता के कार्यकारी सम्पादक आरपी तोमर, उत्तर प्रदेश शासन में संयुक्त सचिव डा. दीपक कोहली इत्यादि विशेषज्ञों के रक्षा संबंधी लेखों को संजोया गया है।

पत्रिका में रक्षा क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम, भारत की सुरक्षा तैयारियों, चुनौतियों और क्षमताओं के विकास की जरूरत, रक्षा बजट और रक्षा सुधार, संयुक्त राष्ट्र शांति सेना मिशन में भारत की भागीदारी, बदलती वैश्विक परिस्थितियों में रक्षा अनुसंधान की भूमिका एवं संभावनाएं, स्वदेशी मिसाइलें, टैंक तथा अन्य रक्षा उपकरण, दुनियाभर की पसंद बने भारत के फाइटर जेट तेजस इत्यादि महत्वपूर्ण विषयों पर बेहतरीन जानकारी प्रस्तुत की गई है।

महिला इंटीरियर डिजाइनर पर धोखाधड़ी का केस

ग्रेटर नोएडा। कासना साइट-5 की फैक्टरी के मालिक ने अपने यहां काम करने वाली महिला इंटीरियर डिजाइनर पर तीस लाख से अधिक की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। इस मामले में अदालत के आदेश पर पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

दिल्ली निवासी सतीश कुमार की कासना साइट-5 में फर्नीचर की फैक्टरी है। उन्होंने फैक्टरी में पलक गुप्ता को बतौर इंटीरियर डिजाइनर नौकरी पर रखा था। आरोप है कि पलक गुप्ता ने प्लॉट खरीदने के नाम पर सतीश कुमार के पिता मदन लाल से वर्ष 2019 में दो बार में दो लाख रुपये उधार लिए थे। सतीश और उनके पिता ने अपनी रुपये वापस मांगे तो वह झूठा आश्वासन देती रही। आरोप है कि 25 दिसंबर 2020 को वह ऑफिस के कम्प्यूटर से महत्वपूर्ण डाटा और गोपनीय जानकारी चोरी कर नौकरी छोड़ कर चली गई। वह कम्प्यूटर को फॉरमेट कर सीसीटीवी का डीवीआर भी निकालकर ले गई। इसके अलावा महिला इंटीरियर डिजाइनर पर तीस लाख रुपये से अधिक का गबन करने का आरोप है। पीड़ित का आरोप है कि पैसे मांगने पर वह झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देती है। पीड़ित ने इस संबंध में पुलिस और प्रशासन से भी शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

अब न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कासना कोतवाली प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। पुलिस द्वारा मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

नेताओं और अफसरों से होनी चाहिए कर्तव्य निभाने की शुरुआत

इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह सपना देश को तरक्की की राह पर ले जाने वाले है। सवाल यही है इसकी शुरुआत कहां से हो। दरअसल इसकी शुरुआत ऊपर से होनी चाहिए। अधिकार के साथ कर्तव्य के लिए भी कानून बनना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से स्वतंत्रता दिवस पर दिए गए राष्ट्र को उद्बोधन में नागरिक कर्तव्य का जिक्र किया। इसे पांचवीं प्राणशक्ति बताया गया। पीएम मोदी ने कहा कि शासक, प्रशासक, पुलिस हो या पीपुल, सबको अपने कर्तव्य निभाने चाहिए। प्रधानमंत्री की यह बात बिल्कुल सही लगती है कि बगैर नागरिक कर्तव्य के कोई भी देश पूर्ण रूप से तरक्की नहीं कर सकता। यहां सवाल आम आदमी के कर्तव्य का बाद में उठता है। कर्तव्य निभाने का पहला और मूल सवाल तो आम नागरिकों के टैक्स के बूते सरकारी पदों पर बैठे हुए भारी-भरकम वेतन और सुविधाएं प्राप्त कर रहे अधिकारियों का हैं। इसी तरह का सवाल संसद-विधानसभाओं में कीमती वक्त और लोगों की गाढ़ी कमाई को शोर-शराबे और धरने-प्रदर्शन में बर्बाद करने और अशोभनीय हरकत करने वाले जनप्रतिनिधयों का भी है। क्या सरकारी कार्मिक वेतन और सुविधाओं के बदले में ईमानदारी से अपनी ड्यूटी को अंजाम दे रहे हैं। इसी तरह क्या जनप्रतिनिधी वेतन-सुविधाएं लेने के ऐवज में अपना फर्ज अदा कर रहे हैं। यह सर्वविदित है कि जनप्रतिधियों ने सर्वोच्च संवैधानिक संस्थाओं को पैतरेबाजी का अखाड़ा बना दिया है। भारत और लोकतंत्र को शर्मसार करने की क्या कुछ घटनाएं इनमें देखने को नहीं मिली। सदन के सत्र के दौरान कामकाज में बाधा डालने के अलावा मारपीट, कपड़े फाडने, एक-दूसरे पर माइक और कुर्सियों से हमला करने के मामले ज्यादा पुराने नहीं हैं।

ऐसे में सबसे पहली जरूरत आम लोगों की बजाए, आम लोगों की बदौलत ऐश-आराम करने वाले नेताओं और कार्मिकों से कर्तव्य निभाने की बात सबसे पहले करनी चाहिए। इनके साथ कानूनी सख्ती बरती जानी चाहिए। जब तक ऐसे गैरजिम्मेदार और नाकारा लोगों को जेल की सजा नहीं मिलती, तब तक आम लोगों से कर्तव्य निभाने की बात करना बेमानी है। कर्तव्य निभाना तो बहुत दूर रहा अलबत्ता जब कभी नेताओं के यहां छापे पड़ते हैं तो इसे विपक्षी दलों के खिलाफ बदले की कार्रवाई करार दिया जाता है। जिस दल की सरकार ऐसी कार्रवाई करती है, उसे ही विपक्ष के ऐसे आरोपों का सामना करना पड़ता है। देश को लूट कर खाने वाले ऐसे नेताओं-अफसरों के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा चलाने के बजाए विरोधी दल एकजुट होकर उसके बचाव में उतर आते हैं। ऐसी कार्रवाईयों के प्रति किसी भी दल मे शर्म-लिहाज शायद ही बची हो। जिस दल के नेता के खिलाफ कार्रवाई की गई, उसे गलत ठहराने के लिए धरने-प्रदर्शन तक की बेशर्मी बरतने से भी उन्हें गुरेज नहीं रहता। किसी भी दल या नेता को कोर्ट पर भरोसा नहीं है। यदि सबूत नहीं हुए तो कोर्ट बाइज्जत बरी कर सकता है, लेकिन ये दलीलें सिर्फ आम लोगों पर लागू होती हैं, नेताओं पर नहीं।

यह बात दीगर है कि कानून बनाए भी नेताओं ने ही हैं, किन्तु जब लागू करने की बात आती है तो उनका रंग-रूप ही बदल जाता है। आम लोगों पर ऐसे कानून लागू हों तो किसी को कोई तकलीफ नहीं, पर जब कानून के समानता से लागू करने की बात आती है तो सबसे पहले नेता ही अपने को उससे ऊपर बताते हैं। नेताओं को कर्तव्य की सीख देना आसान नहीं है। देश में ऐसा एक भी राजनीतिक दल नहीं है, जिसके नेताओं पर चोरी, डकैती, भ्रष्टाचार, बलात्कार, बलवा जैसे मुकदमें नहीं चल रहे हों, इन आपराधिक मामलों पर इनका एक ही जवाब होता है कि सत्तारुढ़ दल (सरकार) ने बदले की भावना से उन्हें फंसाया हैं। ऐसे नेताओं को कर्तव्य का एहसास तक कराना लौहे के चने चबवाने से कम नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह सपना देश को तरक्की की राह पर ले जाने वाले है। सवाल यही है इसकी शुरुआत कहां से हो। दरअसल इसकी शुरुआत ऊपर से होनी चाहिए। अधिकार के साथ कर्तव्य के लिए भी कानून बनना चाहिए। कर्तव्यों का पालन नहीं करने वाले जनप्रतिनिधि-अधिकारियों को सीधे जेल भेजे जाने की सजा होनी चाहिए।

रोहिंग्या समुदाय का खतरनाक वैश्विक फैलाव

रोहिंग्या मूलत: म्यांमार पूर्व का बर्मा के रखाइन प्रांत के मूल निवासी अल्प संख्यक समुदाय से संबंध रखते हैं ।रखाइन राज्य बांग्लादेश और भारत के पूर्वोत्तर राज्य की सीमाओं से लगा हुआ हैद्य म्यानमार सौ से ज्यादा बहु सांस्कृतिक समाज से बना हुआ है । बौद्ध समुदाय यहां बहुसंख्यक है, और अल्पसंख्यक रोहिंग्या समाज को यह लोग वहां का नागरिक नहीं मानते हैं ।म्यानमार सरकार रोहिंग्या समुदाय को राज्य का नहीं मानती आई है। वहां पर इन्हें नागरिकता भी प्रदान नहीं की गई है, इतिहासकारों के अनुसार आठवीं शताब्दी में क्षेत्र में आने वाले अरबी मुसलमानों को रोहिंग्या का नाम दिया गया जो बाद में वहां के प्रभाव के कारण रोहिंग्या बन गया। इनका मूल क्षेत्र अफगानिस्तान ही है, कालांतर में वर्मा नागरिकता कानून 1982 के द्वारा रोहिंग्या मुस्लिम समुदाय को वहां की नागरिकता से वंचित कर दिया गया था। वहां इनको एक पहचान पत्र दिया गया था, जो सभी कामों में इस्तेमाल किया जाता है। रोहिंग्या और म्यांमार के बहुसंख्यक बौद्ध निवासियों के बीच बार बार हिंसक झड़प होती रहती है, इसमें रोहिंग्या मुसलमानों की बड़ी संख्या में मृत्यु भी हुई। 2017 मैं रोहिंग्या और बुद्धिस्ट लोगों के बीच बड़ी हिंसक झड़प के कारण यह एक बड़ी समस्या बन गए अपने जीवन यापन के लिए यह लो म्यांमार से पलायन करने लगे और अपनी जीवन की बेहतरी के लिए बांग्लादेश,मलेशिया ,थाईलैंड इंडोनेशिया और भारत में पलायन किया। इनके पलायन के बाद सभी देशों में अलग-अलग समस्याएं जन्म लेने लगी,बांग्लादेश में लगभग 9 लाख यह समुदाय वर्तमान में रह रहा है ।भारत में ऑपरेशन इंसानियत के नाम पर इन लोगों के लिए राशन चीनी दवाएं कपड़े आदि की सहायता बांग्लादेश सरकार को की थी। बाद में बांग्लादेश सरकार ने रोहिना समस्या के कारण अपने दरवाजे इनके लिए बंद कर दिये, और पिछले दरवाजे से यह रोहिंग्या लगभग 40,000 की संख्या में भारत पलायन करके अवैध रूप से भारत के आसाम प्रांत में रहने लगे हैं। अब ये लगभग देश के अनेक राज्यों में फैलकर निवासरत हैं ।इसके अतिरिक्त 14 हजार यह नागरिक संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त की सहायता से भारत में वैध रूप से रह रहे हैं,पर भारत सरकार ने इन्हें मान्यता न देकर इन्हें निकालने के प्रति अब अपना अभियान चलाना शुरू कर दिया है। भारत सरकार इनको अपनी आंतरिक सुरक्षा का खतरा मानकर सर्वोच्च न्यायालय में अपनी याचिका दायर भी की है। सरकार का कहना है यह रोहिंग्या पाकिस्तान की आई,एस,आई और कुछ आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा से मिलकर भारत सरकार की गुप्त सूचनाएं इनको प्रदान कर भारत की आंतरिक शांति के लिए खतरा बन गए हैं ।इसके अलावा भारत सरकार इसके लिए भी चिंतित है की रोहिंग्या और भारत में रह रहे बहुत के विरुद्ध हिंसा की घटनाएं एक बड़ी चिंगारी का रूप ले सकती हैं ।रोहिंग्या पूर्वोत्तर राज्यों में आतंकवादी घटनाओं के सहायक बन आतंकवाद को फैलाने में धीरे धीरे सक्षम होते जा रहे हैं । तथा रोहिंग्या आतंकवादियों के विरुद्ध हवाला के माध्यम से पैसा लेकर आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने के प्रमाण भी मिले हैं। ईसी तरह रोहिंग्या थाईलैंड, मलेशिया, सऊदी अरब,बांग्लादेश मैं स्थाई रूप से बस कर वहां विभिन्न समस्याओं को जन्म दे रहे हैं। भारत के परंपरागत दुश्मन पाकिस्तान में लगभग 40, हजार से 2 लाख रोहिंग्या मुसलमान निवासरत है। जिन्हें आतंकवादी गतिविधियों में इस्तेमाल किया जाता रहा है,इनको म्यानमार से भारत तथा बांग्लादेश में जाने से रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयास भी किए गए,एवं कई समझौते भी किए गए। म्यानमार सरकार को विभिन्न देशों में गए रोहिंग्या शरणार्थियों को वापस बुलाने की समझाइश दी गई ।रोहिंग्या समुदाय ने एक रोहिंग्या मुक्ति सेना भी गठित कर ली है, पर भारत इस सेना को आतंकवादी संगठन मानकर मान्यता नहीं प्रदान करता है। म्यानमार की सरकार तथा वहां के आर्थिक समाजिक संकट के कारण रोहिंग्या समुदाय भेदभाव का शिकार भी हुआ है।

2,106 लोगों की हत्या, 5 लाख पलायन, 80 प्रतिशत बच्चे सोते हैं भूखे पेट

अभिनय आकाश

तालिबान राज का एक साल पूरा हो रहा है। बंदूक के दम पर सत्ता हथियाने वाले तालिबान ने बदले हुए स्वरूप में सरकार चलाने का वादा किया था। बेहिसाब बदहाली, कंगाली है, तंगहाली है और खून के छीटें भी हैं। आंसुओं का सैलाब, अविश्वास, भुखमरी और नाउम्मीदी के साथ ही एक अजीब सी आशंका है ।अफगानिस्तान में तालिबान राज के स्थापना के एक साल का हासिल बस यही सब है। बंदूक की नोक पर हुक्म चलाने के आदी तालिबानी अमन का आवरण ओढ़ कर आवाम को हांक रहे हैं। कंधार से काबुल तक, हर शहर, गांव कस्बे में लोग किश्तों में जीने के लिए मजबूर हैं। अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना के जाने के बाद 15 अगस्त के दिन तालिबान ने काबुल की गद्दी पर कब्जा किया था। तालिबान राज का एक साल पूरा हो रहा है। बंदूक के दम पर सत्ता हथियाने वाले तालिबान ने बदले हुए स्वरूप में सरकार चलाने का वादा किया था। लेकिन तालिबान अपने दावे पर कितना खड़ा उतरा? इसके साथ ही वर्तमान स्थिति में पूछे जाने वाले प्रश्नों में से सबसे बड़ा सवाल कि प्रतिरोध और आत्मसमर्पण के अमरुल्ला सालेह और अशरफ गनी जैसे दो चेहरे इस वक्त कहां हैं? अब अफगानिस्तान का भविष्य क्या है?

गोलियों की आवाजों के साथ तालिबानी लड़ाकों का जश्न

तालिबान लड़ाकों ने हवा में अपनी बंदूकें दागीं और काबुल के अपने अधिग्रहण की पहली वर्षगांठ मनाने के लिए अफगानिस्तान की सड़कों पर मार्च करते हुए काले और सफेद झंडे लहराए। लेकिन उल्लास के शोर के पीछे मानवीय संकट की छिपी गहरी तस्वीर भी है। देश अराजकता में और भी नीचे चला गया है। लाखों और लोग अब गरीबी और यहां तक ??कि भूख से जूझ रहे हैं, कुछ नौकरियों और ढहती अर्थव्यवस्था में बढ़ती मुद्रास्फीति के कारण और लड़कियों और महिलाओं को इस बार अधिक लैंगिक समानता के वादों के विपरीत, शिक्षा और काम तक सीमित पहुंच का सामना करना पड़ता है। हालांकि नागरिकों और पिछली सरकार के लोगों की हत्याओं में थोड़ी गिरावट आई है, लेकिन यह उस अंधकारमय भविष्य को छिपा नहीं है।

संयुक्त अरब अमीरात में ग़नी

अपदस्थ राष्ट्रपति अशरफ गनी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में निर्वासित जीवन बिता रहे हैं। सीएनएन के शो में वो बीते दिनों ये कहते हुए दिखाई दिए कि अफगान शांति के लिए पूर्व अमेरिकी दूत जालमे खलीलजाद दोषी हैं। खलीलजाद ने ही दोहा में तालिबान के साथ शांति समझौते किए थे, जिससे अफगानिस्तान से अमेरिका की सेना की पूर्ण वापसी का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने खलीलजाद को भ्रष्ट और अक्षम करार दिया। काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद गनी अफगानिस्तान छोड़कर गए। उनके सैनिकों ने देश भर में आश्चर्यजनक रूप से एकतरफा लड़ाई की लेकिन पाकिस्तानी तत्वों द्वारा कथित रूप से समर्थित तालिबान के भीषण हमले के बाद आत्मसमर्पण कर दिया। पूर्व राष्ट्रपति ने रविवार को यह कहते हुए बचाव किया कि वह भागने का एक विभाजित-दूसरा निर्णय था, यह कहते हुए कि वह विद्रोहियों के सामने आत्मसमर्पण के अपमान से बचना चाहता था। उन्होंने कहा कि मेरे जाने का कारण यह था कि मैं तालिबान और उनके समर्थकों को फिर सेएक अफगान राष्ट्रपति को अपमानित करने और सरकार की वैधता पर हस्ताक्षर करने की खुशी नहीं देना चाहता था। बता दें कि तालिबान और अन्य आतंकी समूहों के खिलाफ दो दशकों के असफल युद्ध के बाद अमेरिका और नाटो बल अफगानिस्तान को संकट में छोड़कर रूकसत हो गए। जिसके अशरफ गनी ने भी देश छोड़ दिया था।

पंजशीर में सालेह?

अपदस्थ उपराष्ट्रपति अमरुल्ला सालेह ने तालिबान के सत्ता अधिग्रहण से पहले ही पंजशीर घाटी के नॉर्दन अलायंस के अहमद मसूद के साथ एक राष्ट्रीय प्रतिरोध मोर्चा (एनआरएफ) के संचालन को चलाने के लिए काबुल छोड़ दिया। अमरुल्लाह सालेह ने तो खुद को अफगानिस्तान का कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित कर दिया था। लेकिन इन सबका कोई खास मतलब नहीं था। पंजशीर घाटी में और उसके आसपास की लड़ाई के बाद, तालिबान ने एनआरएफ को हराने का दावा किया। फिर भी सालेह सक्रिय रहे, लेकिन ट्विटर पर ही। काबुल के अधिग्रहण की पहली वर्षगांठ पर 15 अगस्त को सालेह ने ट्वीट किया कि दर्जनों तालिबान लड़ाकों को पकड़ लिया गया और कुछ एनआरएफ के हमले में मारे गए। सालेह ने कहा कि जल्द ही इस शानदार हमले के फुटेज जारी किए जाएंगे। सालेह ने यह भी कहा कि अफगानिस्तान को पाकिस्तान और उसके प्रतिनिधि निगल नहीं सकते। भारत को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए सालेह ने कहा, 15 अगस्त उन अफगानों के लिए एक कड़वा संयोग है, जो पाकिस्तान समर्थित तालिबान द्वारा अपने देश पर खौफनाक कब्जे का शोक मनाते हैं। इसे ठीक किया जाना चाहिए और यह होगा। यह काला दाग हमारे कैलेंडर से हटा दिया जाएगा। अफ़ग़ान अपनी आज़ादी फिर से हासिल कर लेंगे। जो भी हो, काबुल के अधिग्रहण के एक साल बाद, लाखों अफगानों का भविष्य अंधकारमय है। तालिबान ने खुद को इससे अलग नहीं दिखाया है, जब वे पहली बार 1996 और 2001 के बीच अफगानिस्तान पर शासन कर रहे थे। पश्चिमी ताकतों ने उन्हें सत्ता से हटा दिया और एक स्थानीय सरकार स्थापित की थी।

आम लोगों की बेबसी

एक साल में 2106 लोगों की हत्या।
173 पत्रकारों के अधिकारों का हनन हुआ।
तालिबान सरकार ने 122 पत्रकारों को गिरफ्तार किया।

अर्थव्यवस्था बदहाल

बच्चों को एक टाइम का खाना ही मिल पा रहा है।
लड़कियों को लड़कों की तुलना में कम भोजन मिल पा रहा है।
पाकिस्तान आने वाले 3 हजार अफगानियों को शर्णार्थी का दर्जा भी नहीं मिल पाया है।

कट्टरपंथियों का दबदबा

अफगानिस्तान में एक साल में बहुत कुछ बदल गया है। आर्थिक मंदी के हालात में लाखों और अफगान नागरिक गरीबी की ओर जाने को मजबूर हुए हैं। इस बीच तालिबान नीत सरकार में कट्टरपंथियों का दबदबा बढ़ता दिख रहा है। सरकार ने लड़कियों और महिलाओं के लिए शिक्षा तथा रोजगार के अवसर मुहैया कराये जाने पर पाबंदियां लगा दी हैं जबकि शुरुआत में देश ने इसके विपरीत वादे किये थे। एक साल बाद भी लड़कियों को स्कूल नहीं जाने दिया जा रहा है और महिलाओं को सार्वजनिक स्थानों पर खुद को सिर से पांव तक ढककर जाना होता है। बिना पुरुष अभिभावक के सार्वजनिक क्षेत्रों में प्रवेश पर रोक लगाने वाले कपड़ों और कानूनों पर विनियम लागू किए गए हैं। अफगानिस्तान में 15 अगस्त, 2021 से अब तक लगभग 800 नागरिकों की मौत हुई है, जो पहले देखी गई संख्या से कम है। इनमें से लगभग आधी मौतें इस्लामिक स्टेट-खुरासान समूह के आतंकी हमलों से हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार तालिबान द्वारा गैर-न्यायिक हत्याओं, हिरासत और यातना सहित मानवाधिकारों के उल्लंघन में पर्याप्त उछाल आया है। अगस्त 2021 और जून 2022 के बीच, अफगानिस्तान ने पूर्व सरकार और सुरक्षा बल के अधिकारियों की 160 अतिरिक्त न्यायिक हत्याएं देखीं। एक छोटे से समूह ने पूर्व अमेरिकी दूतावास के आगे मार्च किया, इस्लाम जीवित रहें और अमेरिका की मौत का नारा लगाया।

बेड़ियों में जकड़ी बेटियां

तालिबान में 45 प्रतिशत लड़कियां बिल्कुल भी स्कूल नहीं जा रही हैं।
कुछ यूट्यूब के सहारे अपनी पढ़ाई पूरी कर रही हैं।
26 प्रतिशत लड़कियों में अवसाद के लक्षण मिले हैं।
83 प्रतिशत महिलाएं दोपहर में भी डर से घर से नहीं निकलती हैं।

दूध की कीमतों में लगातार क्यों हो रही है वृद्धि?

अभिनय आकाश

अमूल ब्रॉन्ड नाम से दूध बेचने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी गुजरात कॉपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन ने दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढोतरी का ऐलान किया है।

आंकड़ों में महंगाई भले ही कम दिखने लगी हो लेकिन खाने-पीने की चीजों की महंगाई ने आम लोगों को रुला रखा है। बुधवार यानी 17 अगस्त को आप में से कई लोगों ने महंगाई की इस तपिश को महसूस किया होगा। दरअसल, अमूल ब्रॉन्ड नाम से दूध बेचने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी गुजरात कॉपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन ने दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढोतरी का ऐलान किया है। 16 अगस्त को प्रेस रिलीज जारी कर कंपनी ने दूध की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। पिछले 6 महीने में कंपनियों ने दूध की कीमतों में दूसरी बार बढ़ोतरी के पीछे क्या तर्क दिया है। साथ ही जानेंगे कि वो 3 कारण जिनकी वजह से जल्द महंगा हो रहा है दूध।

कंपनी की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि उन्होंने देशभर में ताजा दूध के खुदरा मूल्य में 2 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि करने का फैसला किया है। इस बढोतरी के बाद यूपी में 1 लीटर टोंड अमूल दूध का दाम 49 रुपये से बढ़कर 51 रुपये प्रति लीटर हो गया। इसी तरह से कंपनी का अमूल गोल्ड दूध 59 रुपये से बढ़कर 61 रुपये प्रति लीटर हो गया है ।इसके अलावा दिल्ली और आसपास के इलाकों में दूध बेचने वाली कंपनी मदर डेयरी ने भी अपने दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी है। अमूल ने कहा कि एमआरपी में इसकी कीमत में वृद्धि 4त्न है, जो मुद्रास्फीति की मौजूदा दर से कम है। कारणों की व्याख्या करते हुए, इसने कहा यह मूल्य वृद्धि दूध के संचालन और उत्पादन की समग्र लागत में वृद्धि के कारण की जा रही है। पिछले वर्ष की तुलना में अकेले पशु आहार लागत में लगभग 20त्न की वृद्धि हुई है। इनपुट लागत में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, हमारे सदस्य संघों ने भी पिछले वर्ष की तुलना में 8-9त्न की सीमा में किसानों की कीमत में वृद्धि की है।

उत्पादन में गिरावट

इंदापुर डेयरी एंड डेयरी प्रोडक्ट्स लिमिटेड के चेयरमैन दशरथ माने ने कहा कि देश भर की डेयरियां दूध संग्रह में 8-10त्न की कमी दर्ज कर रही हैं। पुणे स्थित इस डायरी ने हाल ही में किसानों को भुगतान की जाने वाली कीमत बढ़ा दी है। माने ने कहा कि हमारी डेयरी अब प्रति दिन 20 लाख लीटर दूध का संग्रह कर रही है, जबकि पिछले साल अगस्त में यह 23 लाख लीटर प्रतिदिन थी। यह कमी मुख्य कारण है कि हमने कीमतें क्यों बढ़ाई हैं।

पशु चारा लागत में वृद्धि

दुग्ध उत्पादन में कमी पशु चारे की बढ़ती लागत के कारण आई है। माने ने कहा कि देश के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण हरे चारे की पैदावार कम हुई है। उन्होंने कहा कि प्रोटीन और खनिज मिश्रणों की कीमतों में भी वृद्धि देखी गई है, जिससे मवेशियों के चारे की लागत बढ़ गई है। फ्रांसीसी डेयरी दिग्गज लैक्टालिस प्रभात के सीईओ राजीव मित्रा ने कहा दूध की उत्पादन लागत बढ़ गई है। अकेले मवेशियों के चारे की कीमत 25 फीसदी से ज्यादा बढ़ गई है। %कमोडिटी एक्सचेंज एनसीडीईएक्स पर 5 जनवरी को जनवरी वायदा के लिए कपास खल का भाव 3300 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज किया गया जबकि पिछले साल 5 जनवरी को भाव 2100 रुपए के करीब था।

मवेशियों में रोग

कुछ प्रमुख दूध उत्पादक राज्यों में मवेशियों में बीमारी के मामलों में वृद्धि देखी गई है। ढेलेदार त्वचा रोग, जिसके कारण दूध उत्पादन में गिरावट आती है, गुजरात, पंजाब और हरियाणा में सूचित किया गया है।

परिवहन, रसद, जनशक्ति और ऊर्जा लागत में भी वृद्धि हुई है। मित्रा ने कहा, इनपुट लागत में वृद्धि के कारण दूध खरीद दरों में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 15-25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

दिन की शुरुआत में पीएं हल्दी और नींबू पानी

मिताली जैन

हल्दी और नींबू पानी के सेवन का एक लाभ यह भी है। दरअसल, जब आप सुबह के समय इस पानी का सेवन करते हैं तो यह आपके शरीर में पित्त का उत्पादन करने की क्षमता को बढ़ाता है। जिसके कारण यह डाइजेस्टिव सिस्टम की बेहतर फंक्शनिंग में मदद करेगा। हेल्थ कॉन्शियस लोग अक्सर अपने दिन की शुरुआत एक कप गुनगुने नींबू पानी के साथ करते हैं। यकीनन नींबू पानी आपको डिटॉक्स करने और वजन कम करने में मददगार है। लेकिन अगर आप अपनी सेहत को अतिरिक्त लाभ पहुंचाना चाहते हैं तो ऐसे में नींबू के साथ-साथ हल्दी को भी पानी में शामिल करें। इसके सेवन से आपको विटामिन सी, फ्लेवोनोइड्स, एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी यौगिक मिलते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको हल्दी व नींबू पानी का सेवन करने से मिलने वाले कुछ फायदों के बारे में बता रहे हैं-

हल्दी का पानी (नींबू के साथ या बिना) पीने से वसा के संचय को रोकने मे मदद मिलती है। अगर आप सुबह-सुबह चाय या कॉफी पीने के आदी हैं तो ऐसे में आपको हल्दी और नींबू के गुनगुने पानी पर स्विच करना चाहिए। नियमित रूप से इस पानी का सेवन करने से धीरे-धीरे वजन कम होने लगता है। हल्दी और नींबू पानी के सेवन का एक लाभ यह भी है। दरअसल, जब आप सुबह के समय इस पानी का सेवन करते हैं तो यह आपके शरीर में पित्त का उत्पादन करने की क्षमता को बढ़ाता है। जिसके कारण यह डाइजेस्टिव सिस्टम की बेहतर फंक्शनिंग में मदद करेगा। हल्दी और नींबू पानी एक बेहतरीन डिटॉक्स ड्रिंक के रूप में काम करता है। इस डिटॉक्स ड्रिंक का सेवन करने से लीवर को विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करती है। वहीं, नींबू के रस में साइट्रिक एसिड आपके शरीर को स्वास्थ्य के लिए उचित पीएच स्तर बनाए रखने में मदद करता है। नींबू अपने आप में एक नेचुरल डायूरेटिक के रूप में काम करता है जो आपके शरीर को आपके मूत्र में विषाक्त पदार्थों को दूर करने में मदद करेगा।

आखिर कारागृह में क्यों जन्में कान्हा.?

कपिल शर्मा /गौरवशाली भारत

कंस नगरी मथुरा बृजभूमि के कारावास में देवकी के गर्भ से आठवें पुत्र स्वरुप जन्मे कृष्ण जिनके पिता वासुदेव और पालनकर्ता माता यशोदा और नंदबाबा के घर में अपना बचपन बिताने वाले कन्हैयालाल गोविंद का आज जन्मदिवस उपलक्ष्य दुनियाभर में जश्न और बधाई का खुशनुमा माहौल देखा जा सकता है। भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव हर साल भाद्रपद मास में कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म इसी तिथि को रोहिणी नक्षत्र, वृष राशि में हुआ था। इस साल कृष्ण जन्माष्टमी 19 अगस्त को मनाई जा रही है। इस बार यह भगवान श्रीकृष्ण का 5249वां जन्मोत्सव बताया गया है। यानि ब्रज के लाडले कृष्ण कन्हाई इस बार 5248 वर्ष के हो गए हैं। भगवान कृष्ण के 5249वें वर्ष में प्रवेश करने पर जन्मोत्सव की तैयारियां व्यापक स्तर पर की गई है। ब्रज भूमि सज संवर रही है। हर चौक-चौराहों और मन्दिर के आँगन को सजाया गया है। कन्हैया के जन्म के दर्शन को श्रीकृष्ण जन्मस्थान बृजभूमि पर आने वाले भक्तों के लिए व्यापक व्यवस्थाएं भी की गई हैं।

कारागृह में क्यों जन्में कृष्ण

यह एक गोपनीय रहस्य है। कंस की कुकर्मों से थर्राती प्रथ्वी ने क्षीरसागर में शयन करने वाले भगवान विष्णु से गुहार लगाई। जब भगवान विष्णु ने उन्हें आश्वासन दिया उनका जन्म उन्हीं के महल और मथुरा नगरी में होगा। जब उनकी बहन के गर्भ से आठवें पुत्र स्वरूप उनका कृष्ण बाल अवतार होगा होगा। उल्लेखनीय है कि, द्वापर युग में मथुरा पुरी में भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष अष्टमी तिथि को मध्य रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म लिया था। सागर पंचांग, श्री ब्रजभूमि पंचांग, श्रीराधा गोविंद पंचांग सहित अन्य पंचांगों के आधार पर भगवान श्रीकृष्ण के जन्म को 5248 वर्ष पूर्ण बताया गया है। जानकारों का कहना है कि, 5249वें वर्ष में इस बार 19 अगस्त को भगवान कृष्ण प्रवेश करेंगे। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी विक्रम संवत 2079 पंचांगों में कलियुग की आयु 5123 वर्ष की लिखी है। उसमें 125 वर्ष पूर्व भगवान का जन्म हुआ था, इसलिए श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर इस बार 5248 वर्ष भगवान गोविंद को हो जाएंगे।

इस वर्ष कन्हैया को 5248 वर्ष का होने पर ब्रज में उत्साह का वातावरण है। हर तरफ तैयारियों का दौर चल रहा है। कन्हैया की नगरी को सजाया संवारा जा रहा है। खासकर श्रीकृष्ण जन्मभूमि को तो और भी भव्यता प्रदान की जा रही है। कन्हैया के जन्मोत्सव के साक्षी बनने के लिए देश-विदेश से मथुरा आ रहे भक्तों को प्रसादी की व्यवस्था में ब्रजवासी जुटे हैं। नगर निगम से भंडारा

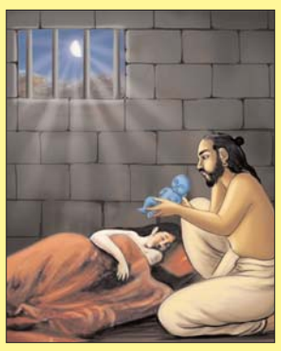

लगाने की अनुमति मांगी जा रही हैं। लोगों में अद्भुत उत्साह बना हुआ है।

कैसे करें कृष्ण जन्माष्टमी की पूजा

जन्माष्ठमी के दिन प्रात: जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद पूर्व या उत्तर की ओर मुख करके व्रत का संकल्प लें। माता देवकी और भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति या चित्र पालने में स्थापित करें। पूजन में देवकी,वासुदेव,बलदेव,नन्द, यशोदा आदि देवताओं के नाम जपें। रात्रि में 12 बजे के बाद श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाएं। पंचामृत से अभिषेक कराकर भगवान को नए वस्त्र अर्पित करें एवं लड्डू गोपाल को झूला झुलाएं। पंचामृत में तुलसी डालकर माखन-मिश्री व धनिये की पंजीरी का भोग लगाएं तत्पश्चात आरती करके प्रसाद को भक्तजनों में वितरित करें।

कृष्ण जन्म अष्टमी तिथि का महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान विष्णु जी ने धर्म की स्थापना के लिए श्रीकृष्ण के रूप में जन्म लिया था। इस दिन व्रत धारण कर श्रीकृष्ण का स्मरण करना अत्यंत फलदाई होता है। शास्त्रों में जन्माष्ठमी के व्रत को व्रतराज कहा गया है। भविष्य पुराण में इस व्रत के सन्दर्भ में उल्लेख है कि जिस घर में यह देवकी-व्रत किया जाता है वहां अकाल मृत्यु, गर्भपात, वैधव्य,दुर्भाग्य तथा कलह नहीं होती। जो एक बार भी इस व्रत को करता है वह संसार के सभी सुखों को भोगकर विष्णुलोक में निवास करता है साथ ही जो महिला गर्भ से वंचित है अथवा गर्भधारण में संतान सुख वंचित है या पुत्र की कामना रखती है वह इस जन्माष्टमी का उपवास विधिपूर्वक करने से मनोवांछि फल प्राप्ति होती है। संतान सुख के लिए भगवान बाल गोपाल संतान स्त्रोत का पाठ करने का महत्व बताया गया है।

कौन से युग में अवतार लिया भगवान कृष्ण

सनातन हिन्दू धर्म में श्रीकृष्ण विष्णु के 8वें अवतार माने गए हैं। यह सौलह कलाओं से परिपूर्ण माने जाते हैं। कन्हैया, श्याम, गोपाल, केशव, द्वारकेश या द्वारकाधीश, वासुदेव आदि नामों से भी उनको जाना जाता है। कृष्ण निष्काम कर्मयोगी, आदर्श दार्शनिक, स्थितप्रज्ञ एवं दैवी संपदाओं से सुसज्जित महान पुरुष थे। उनका जन्म द्वापरयुग में हुआ था। उनको इस युग के सर्वश्रेष्ठ पुरुष, युगपुरुष या युगावतार का स्थान दिया गया है। कृष्ण के समकालीन महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित श्रीमद्भागवत और महाभारत में कृष्ण का चरित्र विस्तृत रूप से लिखा गया है। भगवद्गीता कृष्ण और अर्जुन का संवाद है जो ग्रंथ आज भी पूरे विश्व में लोकप्रिय है। इस उपदेश के लिए कृष्ण को जगतगुरु का सम्मान भी दिया जाता है।

श्रीमद्भागवत पुराण में है संपूर्ण कृष्ण रहस्य

सच्चिदानंद रूपाय विश्वोत्पत्यादिहेतवे ! तापत्रय विनाशाय श्री कृष्णाय वयं नम- !! श्रीमदभागवत पुराण के प्रथम अध्याय का प्रथम श्लोक सच्चिदानंद स्वरूप भगवान् श्री कृष्ण को हम नमस्कार करते हैं , जो इस जगत की उत्पत्ति , स्थिति और विनाश के हेतु तथा आध्यात्मिक , आधिदैविक और आधिभौतिक - तीनों प्रकार के तापों का नाश करनें वाले हैं। श्रीकृष्ण की महिमा अपरम्पार है इन्हें समझना जैसे सागर में मोती खोजने के समान है।

दूसरों की खुशहाली से परेशान

वह दूसरों की खुशहाली से परेशान है, दुनिया की चमक धमक से हैरान हैद्य

खुद ने कभी ईमान का पसीना बहाया नहीं, बिना श्रम के कोई नहीं बना धन वान है

धन की लिप्सा चाहत किसे नहीं होती बनना पहले हमें,अच्छा इंसान है

जग की रीत जिसने खोया उसी ने पाया है,यही धरती पर ही दीन और ईमान है

दूसरों की शान शौकत देख यह न सोचो, उसका भाग्य सदैव कितना बलवान है

जो जग में चमकता सितारा दिखता है, सफलता के पीछे लुटा दी दिलों-जान है

आकाश में बह रहीं बहुत गर्म हवाएं हैं दुआ है अमन से रहे, हमारा सारा जहान है

शार्ट न्यूज

कानपुर में गंगा बैराज पर पानी से बाहर आया 5.5 फुट का मगरमच्छ, लोगों में मची खलबली

कानपुर। कानपुर में गंगा बैराज पर गुरुवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब बैराज से एक बड़ा मगरमच्छ बाहर निकल गया। मगरमच्छ को देख लोगों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में वन विभाग की टीम को सूचित किया गया जिसके बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और डंडे और रस्सी से बांधकर मगरमच्छ को चिड़ियाघर लेकर आई। स्थानीय वन अधिकारी दिलीप कुमार के मुताबिक सुबह करीब साढ़े आठ बचे स्थानीय लोगों ने जानकारी दी कि जल संस्थान परिसर में एक मगरमच्छ दिखाई दे रहा है। इसके बाद तुरंत एक टीम को मगरमच्छ पकड़ने मौके पर भेजा गया। वन विभाग के मुताबिक मगरमच्छ करीब साढ़े पांच फीट लंबा था और उसका वजन करीब चालीस किलो था। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक नदी का जलस्तर बढ़ने की वजह से ये मगरमच्छ कर्बला के पीछे से आ गया और फिर जल संसाधन परिसर में घुस गया। वन अधिकारियों के मुताबिक पिछले साल भी गागेश्वर मंदिर के पास नाले से निकलकर ऐसे ही एक मगरमच्छ खेत में घुस गया था जिसे बाद में चिड़ियाघर भेज दिया गया था।

गंगा में तेज बढ़ाव से वाराणसी में डूबा महाश्मशान, गलियों में शुरू हुआ दाह संस्कार

वाराणसी। गंगा के जलस्तर में तेज बढ़ाव जारी है। पिछले 36 घंटे में करीब साढ़े तीन मीटर जलस्तर बढ़ने से खलबली है। महाश्मशान मणिकर्णिका घाट और हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह के चैंबर डूब गए हैं। इससे गलियों और छत पर दाह संस्कार शुरू कराया गया है। प्रसिद्ध दशाश्वमेध घाट पर शीतला मंदिर परिसर में भी गंगा का पानी हिलोरे लेने के करीब है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गुरुवार की सुबह गंगा का जलस्तर 67.68 मीटर तक पहुंच गया था। जो चेतावनी बिंदु 70.26 मीटर से करीब ढाई मीटर दूर है। फिलहाल 2 सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ाव भी जारी है। इससे पहले बुधवार रात 8 बजे जलस्तर 67.30 मीटर दर्ज किया गया था। तब बढ़ाव तीन सेमी प्रति घंटे हो रहा था। आयोग के अनुसार बुधवार सुबह 8 बजे जलस्तर 66.9 मीटर दर्ज किया गया था। जो मंगलवार की सुबह 8 बजे की तुलना में 02.84 मीटर बढ़ चुका था। बुधवार दोपहर 12 बजे तक प्रतिघंटे चार सेमी जलस्तर बढ़ा। इसके बाद रफ्तार कम होकर 3 सेमी प्रति घंटे हो गई। जिला प्रशासन ने बाढ़ की आशंका को देखते हुए अलर्ट जारी किया है। एनडीआरएफ और जल पुलिस को लगातार घाटों की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं।

शस्त्र लाइसेंस नहीं मिला तो खा लिया जहर

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश में मैनपुरी के दन्नाहार क्षेत्र में पुत्र की हत्या के बाद शस्त्र लाइसेंस न मिलने पर गुरूवार को एक महिला ने कलेक्ट्रेट में जहरीला पदार्थ खा लिया। महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि क्षेत्र के गांव नगला कुशल निवासी अखिलेश देवी के पुत्र अजय (17) की पिछले साल जुलाई में हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद तत्कालीन डीएम की ओर से महिला को शस्त्र लाइसेंस दिए जाने का आश्वासन दिया गया था। अखिलेश नाम की महिला आज डीएम से मिलने पहुंची थी, लेकिन वहां नया लाइसेंस न बनाए जाने की बात सुनने के बाद वह बाहर आ गई और कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। उन्होने बताया कि महिला की हालत बिगड़ने के बाद कर्मियों में हड़कंप मच गया। अखिलेश ने बताया कि उसे लाइसेंस के लिए चक्कर लगाते हुए एक साल हो गया है, लेकिन लाइसेंस नहीं बना, इस वजह से उसने यह कदम उठाया। जिला अस्पताल में उपचार करा रही अखिलेश देवी ने बताया यदि उनका लाइसेंस नहीं बना तो वह अपनी जान दे देगी।

यूपी में पिछले माह बिके देश में सबसे ज्यादा ट्रैक्टर

लखनऊ। पिछले एक महीने के दौरान पूरे देश में किसानों द्वारा की गयी ट्रैक्टर की बिक्री के मामले में उत्तर प्रदेश ने सभी राज्यों को पीछे छोड़ दिया। खेती किसानी से जुड़े देश के अग्रणी डिजिटल मार्केट प्लेटफॉर्म ट्रैक्टर जंक्शन की ओर से गुरुवार को जारी मासिक रिपोर्ट के अनुसार जुलाई माह में उत्तर प्रदेश में कुल 11,284 ट्रैक्टर किसानों ने खरीदे। रिपोर्ट में रोचक बात यह भी सामने आयी है कि खेती किसानी के मामले में देश का अग्रणी राज्य पंजाब, जुलाई माह में ट्रैक्टर की बिक्री के मामले में शीर्ष दस राज्यों में भी शामिल नहीं हो पाया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले में राजस्थान 9,152 ट्रैक्टर की बिक्री के साथ दूसरे स्थान पर जबकि 7,108 ट्रैक्टर की बिक्री के साथ महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर है। इसके अलावा इस सूची में कर्नाटक, गुजरात, बिहार, हरियाणा, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। उत्तर प्रदेश में जुलाई माह के दौरान सर्वाधिक 515 ट्रैक्टर की बिक्री के साथ आगरा जिला अव्वल रहा। वहीं दूसरे स्थान पर रहे झांसी जिले के 351 किसानों ने और प्रयागराज जिले के 327 किसानों ने ट्रैक्टर खरीदे। वहीं किसानों की बदहाली के लिये अब तक कुख्यात रहे बुंदेलखंड इलाके के जालौन, ललितपुर और हमीरपुर जिले टॉप 10 जिलों में शामिल हैं।

बसपा सांसद अफजाल अंसारी के घर ईडी का छापा

गाजीपुर। प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) की टीम ने गुरूवार सुबह उत्तर प्रदेश में बाहुबली नेता मुख्तार अंसारी के भाई और गाजीपुर से लोकसभा सांसद अफजाल अंसारी के यहां स्थित पैतृक आवास के अलावा दिल्ली और लखनऊ स्थित ठिकानों पर छापा मारा। विभिन्न आपराधिक मामलों में मुख्तार अंसारी इन दिनों जेल में बंद है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय की टीम गाजीपुर जनपद में सांसद अफजाल अंसारी के पैतृक घर यूसुफपुर फाटक पर केंद्रीय सुरक्षा बल की टीम के साथ पहुंच गयी। इसके अतिरिक्त गाजीपुर नगर स्थित अंसारी बंधुओं के करीबी प्रॉपर्टी व्यवसाई गणेश दत्त मिश्रा, सर्राफा व्यवसाई विक्रम अग्रहरि और ट्रैवेल्स व्यवसाई समसुद्दीन खान के घर पर भी छापेमारी की गई। सूत्रों के अनुसार ईडी ने गाज़ीपुर के अलावा अफजाल अंसारी के दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर भी छापेमारी की। अंसारी के दिल्ली स्थित सरकारी आवास में भी जांच एजेंसी ईडी की टीम ने छापेमारी कर दस्तावेज खंगाले। इस दौरान अंसारी के घर के बाहर अर्धसैनिक बलों की टीम को तैनात किया गया। इस बीच उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित डालीबाग की मस्जिद वाली गली में मुख्तार के करीबियों पर ईडी की छापेमारी की गयी। सीआरपीएफ के जवानों को भी छापेमारी वाले घरों के बाहर तैनात किया गया है। समझा जाता है कि ईडी ने अफजाल व मुख्यतार के लखनऊ स्थित ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान किसी को अंदर बाहर जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है।

धारदार हथियार से बाप-बेटे की हत्या

संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश के संतकबीरनगर जिले के थाना कोतवाली खलीलाबाद के इमलीडीहा गांव में खेत पर सिंचाई करने गये बाप- बेटे की धारदार हथियार से हत्या किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) सोनम कुमार ने यहां गुरूवार को बताया कि थाना कोतवाली खलीलाबाद के ग्राम इमलीडीहा निवासी गणेश चौहान (60) पुत्र जंगली और उसके बेटे धर्मवीर (16) के गले पर किसी धारदार हथियार के प्रहार से बुधवार देर रात हत्या कर दी गयी। खेत पर गुरूवार सुबह शवों को देखने के बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। एसपी ने बताया कि उन्होंने अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंच कर छानबीन की साथ ही फोरेंसिंक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर गहन जांच पड़ताल की है। बाप-बेटे की हत्या की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। इस मामले में अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गयी है। घटना से जुड़े हर पहलू की तहकीकात की जा रही है। जल्द ही घटना का पर्दाफाश कर दिया जाएगा गणेश की पत्नी गौसती देवी ने बताया कि उनका गांव के पूरब सीवान में खेत है। खेत में ही छोटी सी झोपड़ी है। बुधवार की रात में गणेश और धर्मवीर खेत में सिंचाई करने गए थे। सिंचाई करके देर हो जाने के कारण बाप-बेटे खेत में ही एक ही चारपाई पर सो गए। रात में किसी ने धारदार हथियार से बाप-बेटे के गले और सीने पर प्रहार कर हत्या कर दी गई। गुरुवार सुबह एक ही चारपाई पर खून से लथपथ बाप बेटे की लाश मिलने के बाद पुलिस को इस बारे में जानकारी दी गयी।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव का बड़ा आरोप

इलेक्शन कमीशन की बेईमानी से हारे चुनाव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को इलेक्शन कमीशन पर बड़ा आरोप लगाया। अखिलेश ने यहां तक कहा कि इलेक्शन कमीशन की बेईमानी के कारण यूपी में चुनाव हारे हैं। कहा कि देश में अब कोई भी निष्पक्ष संस्थान बाकी नहीं रह गया है। सरकार दबाव डालकर इन संस्थानों से मनमाफिक काम करा रही है।

अखिलेश यादव ने गुरुवार को पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा कि उत्तर प्रदेश के पिछले विधानसभा चुनाव और रामपुर तथा आजमगढ़ लोकसभा सीट के उपचुनाव में सपा की पराजय के लिए चुनाव आयोग की बेईमानी को जिम्मेदार करार दिया और कहा कि अगर आयोग ने ईमानदारी से

काम किया होता तो नतीजे कुछ और ही होते। सपा अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी ने राज्य का पिछला विधानसभा चुनाव लोकतंत्र बचाने की अपील के साथ लड़ा था, मगर नतीजा सबके सामने है। उन्होंने कहा कि देश में अब कोई भी निष्पक्ष संस्थान बाकी नहीं रह गया है। सरकार दबाव डालकर इन संस्थानों से मनमाफिक काम कराती है।

सपा कार्यकर्ताओं को वोट डालने नहीं दिया गया

यादव ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने बहुत बेईमानी की। बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिये गये। रामपुर लोकसभा उपचुनाव में सपा कार्यकर्ताओं को वोट नहीं डालने दिया गया, जबकि आजमगढ़ में सपा कार्यकर्ताओं को रेड कार्ड जारी किये गये। क्या चुनाव आयोग सो रहा था उसने हमारी शिकायतों पर ध्यान ही नहीं दिया।

इसके साथ ही अखिलेश ने बिहार में हुए राजनीतिक बदलाव को सकारात्मक संकेत बताते हुए उम्मीद जतायी है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ एक मजबूत विकल्प तैयार होगा। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में भी बिहार की तरह भाजपा को झटका लगेगा। यहां भी भाजपा के सहयोगी दल उससे खुश नहीं हैं और भविष्य में वे इस सत्तारूढ पार्टी से नाता तोड़ लेंगे।

बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से नाता तोड़कर राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस तथा कई अन्य दलों के साथ मिलकर महागठबंधन की सरकार बनाना एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ एक मजबूत विकल्प तैयार होगा।

लखनऊ : नाबालिग का रेप करने वाला मौलाना गिरफ्तार

एजेंसी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में झाड़फूंक कर बीमारी भगाने का झांसा देकर नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोपित मौलाना को मोहनलालगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित ने चार माह पहले घटना को अंजाम दिया था लेकिन परिजनों ने तब कोई शिकायत नहीं दर्ज कराई थी। बीते मंगलवार को पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित मौलाना के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की है।

पुलिस के मुताबिक मोहनलालगंज के कनकहा मूलपता उन्नाव के अजगैन दरियाबाद निवासी मौलाना फखरे आलम को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपित मौलाना कनकहा में किराए के मकान में रहकर धार्मिक स्थल पर नमाज पढ़ाने का काम करता है। इंस्पेक्टर मोहनलालगंज कुलदीप दुबे ने बताया कि परिजनों के मुताबिक बीते चार माह पहले आरोपित ने 15 वर्षीय बेटी के साथ झाड़- फूंक के बहाने दुष्कर्म किया था। पीड़िता की मां ने लोकलाज के भय से शिकायत नही की थी। पीड़िता का पिता मुम्बई में रहकर काम करता है।

कुछ दिन पहले वह घर वापस लौटा तो बेटी ने अपनी आप बीती बताई। बीते मंगलवार को मिली तहरीर पर कार्रवाई कर आरोपित मौलाना को कनकहा मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया गया है।

लखनऊ में बढ़ रहा कोरोना, 147 नए केस, इस इलाके में सबसे ज्यादा मरीज

एजेंसी

लखनऊ। कोरोना का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को 147 लोगों में वायरस मिले हैं। लगातार संक्रमितों की संख्या बढ़ने से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की चिंता बढ़ गई है। सबसे ज्यादा संक्रमित आलमबाग में मिले हैं। यहां 32 लोग पॉजिटिव पाए गए हैं। कैसरबाग व इंदिरा नगर में 13-13 लोग संक्रमित मिले हैं। अलीगंज व सरोजनीनगर में 21 लोग संक्रमित मिले हैं। चिनहट में 20 लोग पॉजिटिव मिले हैं। एनके रोड व रेडक्रास में सात-सात लोग चपेट में है। सिलवर जुबली में 4 लोगों में वायरस पाए गए हैं।

70 मरीज ठीक हुए

कोरोना वायरस को 70 मरीजों ने हराने में कामयाब हुए। ये सभी मरीज होम आईसोलेशन में थे। डॉक्टरों ने बताया कि तीन से पांच दिन में होम आईसोलेशन में मरीज ठीक हो रहे हैं।

सर्दी-जुकाम को न करें नजरअंदाज

सीएमओ डॉ. मनोज अग्रवाल ने बताया कि सर्दी-जुकाम व बुखार जैसे लक्षण नजर आने पर तुरंत जांच कराएं। सरकारी अस्पतालों में कोरोना की मुफ्त जांच हो रही है। डॉक्टरों का कहना है कि मास्क लगाने की आदत लोग छोड़ रहे हैं।

घर में घुसकर मारपीट और पत्थरबाजी, न्याय न मिलने पर 35 लोगों ने दी पलायन की चेतावनी

हरदोई। हरदोई के हरपालपुर थाने के चतरखा गांव में दो पक्षों में मारपीट और पत्थरबाजी की वारदात हो गई। इससे चार लोग घायल हुए हैं। इसमें एक पक्ष एसपी ऑफिस पहुंचा और न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित का कहना है स्थानीय नेताओं की शह पर आए दिन दबंग उन लोगो को परेशान करते है। ऐसे में ब्राह्मण परिवार के 35 लोग पलायन करने को मजबूर होने की चेतावनी दी है।

हरपालपुर थाना क्षेत्र के चतरखा गांव निवासी शिवकुमार ने थाने पर दी तहरीर में कहा है कि वह गुरुवार की सुबह अपनी पत्नी मीनू व छोटे भाई

राम मोहन की पत्नी कल्पना के साथ अपने घर पर मौजूद था। उसी समय पुरानी रंजिश के चलते गांव निवासी राजन, बड़क्के व राजपाल, वीरू, धीरू, रानू, नवीन दीपू, मक्कू, सोनू, कालिया, धर्मेंद्र, विकास व 40 अज्ञात लोगों ने गाली गलौज करते हुए घर मे घुसकर लाठी डंडो से मारपीट कर घायल कर दिया। जान से मार डालने की धमकी दी। परिजनों द्वारा घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। पीड़ित ने थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

उधर दूसरे पक्ष से चतरखा गांव निवासी राजन की ओर से दी गयी तहरीर में पुरानी रंजिश के चलते शिवकुमार, प्रमोद, राममोहन, राम प्रकाश, सचिन, ब्रजमोहन, राकेश, देवेश, संजू पर मारपीट का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने दोनो की तहरीर पर 28 नामजद और 58 अज्ञात लोगो के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

गुरुवार को एसपी ऑफिस पहुंचे पीड़ित प्रमोद शुक्ला ने एसपी से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है। प्रमोद शुक्ला ने कहा स्थानीय एक कद्दावर नेता की शह पर गांव के ही आलोक सिंह, विपिन सिंह, धर्मेंद्र सिंह आदि लोग उनके घर पर आकर पत्थरबाजी करते हैं। इसकी वजह से वह बेहद आहत हैं। अगर जल्दी कार्यवाही नहीं हुई तो ब्राह्मण परिवार के लगभग 35 लोग यहां से पलायन कर जाएंगे। एसपी दुर्गेश सिंह ने पीड़ित को आश्वासन दिया है कि मामले की जांच कर कर जल्द ही कार्यवाही की जाएगी। पलायन जैसी कोई बात नहीं है। कुछ लोग एक पक्ष को उकसाकर गलत बयानी करा रहे हैं।

ज्ञानवापी : मुस्लिम पक्ष ने लगातार तीसरी बार मांगा समय, अदालत ने लगाया जुर्माना

वाराणसी। वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर से सटी ज्ञानवापी मस्जिद और श्रंगार गौरी मामले की सुनवाई जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में गुरुवार को हुई। इस दौरान एक बार फिर मुस्लिम पक्ष प्रतिवादी अंजुमन इंतजामिया की ओर से अगली डेट मांगी गई। अदालत ने लगातार तीसरी बार डेट मांगने पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया और अगली सुनवाई के लिए 22 अगस्त की तारीख मुकर्रर कर दी। अदालत ने चेतावनी भी दी कि नियत तिथि पर सुनवाई शुरू होगी। अब कोई डेट नहीं बढ़ाई जा सकती है।

गौरतलब है कि पिछले साल सिविल जज (सीनियर डिविजन) की अदालत में श्रृंगार गौरी के दर्शन-पूजन व ज्ञानवापी को हिन्दुओं को सौंपने

सम्बंधी मांग को लेकर वादी राखी सिंह सहित पांच महिलाओं ने याचिका दायर की थी। प्रतिवादी मुस्लिम पक्ष अंजुमन इंतजामिया मसाजिद ने प्रार्थनापत्र देकर वाद की मेरिट पर सवाल उठाया था।

अदालत ने प्रतिवादी की अर्जी को दरकिनार करते हुए ज्ञानवापी परिसर का सर्वे कराकर रिपोर्ट तलब की थी। इसके बाद अंजुमन इंतजामिया मसाजिद ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। मुस्लिम पक्ष की विशेष अनुमति याचिका पर उच्चतम न्यायालय के आदेश पर जिला जज की अदालत में सुनवाई चल रही है।

26 मई से शुरू सुनवाई में चार तिथि पर अंजुमन इंतजामिया मसाजिद की ओर से सिविल प्रक्रिया संहिता आदेश 07 नियम 11 (मेरिट) के तहत केस को खारिज करके लिए बहस की गई। इसके बाद वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर जैन व अन्य ने बहस की।

इसी बीच प्रतिवादी अंजुमन इंतजामिया की ओर से नियुक्त अधिवक्ता अभयनाथ यादव का निधन हो गया।

अभयनाथ यादव की जगह दूसरे अधिवक्ता को नियुक्त करने के लिए मुस्लिम पक्ष ने दो बार तिथि बढ़ाने का अनुरोध किया था। इस पर अदालत ने समय दिया था।

फर्रुखाबाद : सड़क दुर्घटना में पीलीभीत के पुलिस उपाधीक्षक सहित तीन घायल

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश में फर्रुखाबाद जिले के राजेपुर थाना क्षेत्र में एक कार और बस की भिड़ंत में पीलीभीत के पुलिस उपाधीक्षक सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि पीलीभीत के पुलिस उपाधीक्षक सुनील दत्त, कार से बुधवार को देर रात में फर्रुखाबाद जिले में बरेली इटावा हाईवे पर आ रहे थे। उसी समय राजेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम चाचूपुर मोड़ के समीप पहुंचने पर एक रोडवेज बस से कार की भिड़ंत हो गयी। कार की पिछली सीट पर बैठे दत्त तथा कार चालक संजीव कुमार के साथ ही गनर चंद्रशेखर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को यहां स्थित डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल में उपचार के लिए भिजवाया।

आजमगढ़ में नवोदय के छात्रों ने खुद को हॉस्टल में कैद किया

भोजन-पानी को लेकर नाराजगी, डीएम को बुलाने पर अड़े

सगड़ी(आज़मगढ़)। आजमगढ़ में जवाहर नवोदय विद्यालय के करीब ढाई सौ छात्रों ने खुद को स्कूल हॉस्टल में ही कैद कर लिया है। छात्र खराब भोजन, बिजली, पानी और साफ-सफाई की व्यवस्था को लेकर नाराज हैं। इसकी सूचना विद्यालय प्रशासन व पुलिस को लगी तो उनके हाथ पांव फूलने लगे। मौके पर पहुंच कर एसडीएम व सीओ ने छात्रों से कमरे का दरवाजे खुलवाने में लगे रहे। लेकिन दोपहर 12 बजे तक दरवाजा नहीं खोला।

अधिकारियों ने समझाने की कोशिश की लेकिन छात्र केवल डीएम को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़ गए है। छात्रो का कहना है कि लगभग एक माह से हम लोगों को खराब खाना मिल रहा है। इससे हमारे स्वास्थ्य पर बुरा असर हो रहा है। पानी सही न मिलने के कारण हम सबको बीमारियों से जूझना पड़ रहा है। अधिकतर छात्र छात्राएं बीमार रहते हैं। कई बार शिकायतों के बाद भी विद्यालय प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है।

ऊपर से बिजली न मिलने के कारण भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली न रहने से पढाई पूरी से प्रभावित हो रही है। जनरेटर की व्यवस्था होते हुए भी विद्यालय प्रशासन नहीं चलाता है। छात्रों ने प्रशासन से प्राचार्य को बदलने, विद्यालय में खाने, बिजली, पेयजल की व्यवस्था ठीक कराने की मांग की। अन्यथा हम बड़े आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

विकास परियोजनाओं में देरी स्वीकार नहीं, प्रोजेक्ट लटकाने पर अधिकारी होंगे जिम्मेदारः योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनहित की विकास परियोजनाओं में अनावश्यक देरी पर कड़ी नाराजगी जताई है। गुरुवार को विभिन्न विकास परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को साफ शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि जनहित के कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही अक्षम्य है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि किसी प्रकार की गड़बड़ी, भ्रष्टाचार अथवा अनावश्यक लेटलतीफी की सूचना मिलने पर संबंधित अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। इसके साथ ही योगी ने मुख्य सचिव को सभी 18 मंडलों में संचालित महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। वहीं, अपर मुख्य सचिव वित्त को बीते 05 माह में विभागों को जारी परियोजनावार बजट, अब तक हुए व्यय का विवरण तथा अवशेष राशि के संबंध में विस्तृत आख्या तैयार करने का निर्देश भी दिया है। इसके बाद अगले सप्ताह एक बार फिर मुख्यमंत्री परियोजनावार हुए कार्यों की समीक्षा करेंगे। शासन स्तर के अधिकारियों के साथ जिलावार समीक्षा करते हुए योगी ने कहा कि विकास परियोजनाओं में देरी से न केवल जनता के धन का अपव्यय होता है, बल्कि जनहित भी प्रभावित होता है। ऐसे में परियोजनाओं की गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि परियोजना के लिए तय नियमों के अनुरूप धनराशि आवंटित की जाती रहे। योगी ने अधिकारियों से अनावश्यक विलंब करने की प्रवृत्ति को त्यागने की ताकीद की।

संतकबीरनगर में पिता -पुत्र की हत्या

संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश में संतकबीरनगर जिले के कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र में खेत में सिंचाई करने गए पिता पुत्र की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। गुरुवार सुबह दोनो के शव एक ही चारपाई पर मिले। पुलिस अधीक्षक सोनम कुमार ने बताया कि ग्राम इमलीडीहा निवासी गणेश चौहान (60) का गांव के पूरब सीवान में खेत है। खेत में ही छोटी सी झोपड़ी है। बुधवार रात में गनेश अपने 16 वर्षीय बेटे धर्मवीर के साथ खेत में सिंचाई करने गए थे। सिंचाई करके देर रात हो जाने के कारण बाप-बेटे खेत में ही एक ही चारपाई पर सो गए। रात में धारदार हथियार से बाप-बेटे के गले और सीने पर प्रहार कर हत्या कर दी गई। गुरुवार सुबह एक ही चारपाई पर खून से लथपथ शव देख कर लोगों की भीड़ जुट गई।

अंबेडकरनगर : डीसीएम और बोलेरो में भीषण टक्कर में एक की मौत, 9 लोग घायल

अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर में बसखारी थाना क्षेत्र के लहटोरवा चौकी के निकट एनएच 233 पर गुरुवार सुबह डीसीएम व बोलेरो की आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। भीषण दुर्घटना में बोलोरो सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस से इलाज के लिए अतरौलिया अस्पताल भेज दिया गया है। जहां से सभी घायलों को सदर अस्पताल आजमगढ़ रेफर कर दिया गया।

चंदौली जनपद के बलुआ थाना क्षेत्र के बड़ा गांव निवासी एक ही परिवार के अशरफ अंसारी पुत्र वाजिद अंसारी,जीशान पुत्र इसरार, छोटू ऊर्फ

असगर(36) पुत्र इसरार, बेबी खान पुत्री अरशद,अफ्सरी बेगम पत्नी इसरार,अनस पुत्र अरशद,अमन पुत्र अरशद,शिफा पुत्री अरशद, शादिया पत्नी असगर व चालक अशरफ उर्फ पप्पू पुत्र वाहिद अहमद बोलोरो वाहन संख्या यूपी 67 जे 3441 से मखदूम अशरफ दरगाह बसखारी में जियारत करने आ रहे थे। गुरुवार सुबह एन एच 233 पर कौड़ाही बस्ती के निकट पहुंचते ही आमने-सामने फल लदे डीसीएम वाहन संख्या यूके 04सीबी 6686 ने टक्कर मार दिया। टक्कर इतना जबरदस्त था कि मौके पर धमाके की आवाज हुई तथा डीसीएम बोलोरो के ऊपर चढ़ गया। बगल के खाई में जा गिरे। मौके पर बचाव की चित्कारे उठने लगी। धमाके की आवाज सुनकर मौके पर भारी भीड़ इकट्ठा हो गयी। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना देकर तत्काल राहत व बचाव कार्य में जुट गए। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक अश्वनी मिश्र ने भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर क्रेन व जेसीबी की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को एक दूसरे से अलग करवाया तथा बोलेरो सवार सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से अतरौलिया अस्पताल भेजवाया।

याकूब कुरैशी को कोर्ट से बड़ी राहत, फैक्ट्री के मीट की रि-सैंपलिंग का आदेश

लखनऊ। बसपा नेता और पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। इस पूरे मामले में एसीजेएम कोर्ट-5 ने अल फहीम मीटेक्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से दाखिल प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए खाद्य विभाग द्वारा अधिग्रहित प्रोसेस मीट के दोबारा से सैंपलिंग कराने का सशर्त आदेश दिया है।

अधिवक्ता अनिल बख्शी ने बताया की अल फहीम मीटेक्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अदालत में प्रार्थना पत्र दिया गया था कि दिनांक 21 मई 2022 को थाना खरखौदा ने जो प्रोसेस मीट एवं हड्डियां कब्जे में ली थी, उन्हें सुपुर्दगी में दिया जाए। तर्क दिया गया

की उन्हें जान बूझकर गलत मामले में फंसाया गया है। कंपनी के पास फूड सेफ्टी एवं स्टैंडर्ड अथॉरिटी के अंतर्गत मीट प्रोसेस करने और उसको भंडारण करने का पूर्ण अधिकार था। इसके बावजूद भी खाद्य सुरक्षा अधिनियम में दिए गए प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए मनमानी कार्यवाही करते हुए फ्रीज में रखा हुआ मीट एवं प्रोसेस मीट अधिग्रहित कर लिया गया था। उन्होंने बताया कि मीट का कोई सैंपल फेल होने की रिपोर्ट पर नहीं आई, बल्कि गलत लेबलिंग पाई गई। जबकि अभियोजन अधिकारी का तर्क था कि मीट का भंडारण अवैध रूप से किया जा रहा था, क्योंकि लाइसेंस समाप्त हो चुका था। वहीं बचाव पक्ष ने बताया कि फैक्ट्री का लाइसेंस 2023 तक मान्य है।

पूरे मामले को सुनने के बाद अदालत ने आदेश पारित किए की कंपनी अपने खर्चे पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी मेरठ के दिशा निर्देशों के अधीन मीट की सैंपलिंग इस प्रकार से कराएं की समस्त सोसाइटी मीट की गुणवत्ता के संबंध में पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके। साथ ही सैंपलिंग करने के पश्चात आवेदक मान्यता प्राप्त राज्य स्तरीय या केंद्र स्तरीय संस्थान से सैंपल की जांच कराएगा।

यह समस्त कार्यवाही आदेश के एक माह के अंदर पूरी कराई जाएगी। सैंपलिंग कराए जाने के दौरान संबंधित थाने के विवेचक और जनता के दो सम्मानित व्यक्ति और खाद्य सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहेंगे।

इस कार्यवाही की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। सैंपल से प्राप्त जांच आख्या में जो सैंपल मानक के अनुरूप नहीं पाया जाएगा।

जौनपुर से नेपाल तक रोडवेज बस सेवा शुरू

जौनपुर। पूर्वी उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले से पड़ोसी देश नेपाल के लिये राज्य सड़क परिवहन निगम जल्द ही दो बसों का संचालन करेगा। आधिकारिक सूत्रों ने गुरूवार को बताया कि अब जौनपुर डिपो की दो बसें नेपाल तक जाएंगी। आजादी के अमृत महोत्सव पर दो बसों की सौगात मिली है। इन बसों का संचालन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर दयाल सिंह के नाम से होगा। दोनों बसें जौनपुर से शाहगंज, अयोध्या, गोंडा, बहराइच होते हुए नेपाल सीमा पर स्थित रूपईडीहा, नेपालगंज तक जाएगी। इस रूट पर बसों का संचालन नहीं हो रहा था। उन्होने बताया कि अभी तक जौनपुर डिपो से प्रतिदिन 81 बसें संचालित होती है। दो नई बसें मिलने से अब कुल बसों की संख्या 83 हो गई है। जौनपुर से गोंडा, बहराइच तक सीधी बस सेवा न होने से यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। अब इस रूट पर दो नई बसें आने से लोगों की यात्रा सुगम हो जाएगी। एआरएम रोडवेज विश्राम के अनुसार जौनपुर रोडवेज को शासन से दो नई बसें मिली है जिसका संचालन शुरू कर दिया गया है।

शार्ट न्यूज

अडाणी टोटल ने गैस की कीमतों में वृद्धि ली वापस

नयी दिल्ली। अदाणी टोटल गैस ने पीएनजी और सीएनजी की कीमतों में की गयी बढोतरी को वापस लेने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा शहरी गैस वितरण कंपनियों के लिए, घरेलू गैस के आवंटन को बढ़ाने और सीएनजी व होम पीएनजी के लिए लागू, यूनिफाइड बेस प्राइस (यूबीपी) को संशोधित करने के हालिया फैसले के माध्यम से मिल रहे निरंतर समर्थन का स्वागत करती है। उसने कहा कि ऐसे में जब बाजार से जुड़े इम्पोर्टेड आरएलएनजी में अस्थिर और काफी अधिक अंतरराष्ट्रीय कीमतें देखी जा रही हैं, एटीजीएल उपभोक्ता हितों का ध्यान रखते हुए, आरएलएनजी या यूबीपी की कीमत में वृद्धि के पास-थ्रू को, कैलिब्रेट कर रहा था। भारत सरकार के हालिया हस्तक्षेप ने सीजीडी इंडस्ट्री को, सीएनजी और होम पीएनजी की कीमतों को अंतिम उपभोक्ताओं तक कम करने में मदद की है। अदाणी टोटल गैस ने उपभोक्ता हितों की देखभाल करने की अपनी घोषित नीति के अनुरूप, कीमतों में हुई वृद्धि को तुरंत वापस लिया है और घरेलू पीएनजी के लिए कीमत 3.20 रुपये प्रति एससीएम और सीएनजी की कीमत 4.7 रुपये प्रति किलोग्राम तक कम कर दी है जो एटीजीएल द्वारा कवर किए गए 19 भौगोलिक क्षेत्रों में प्रभावी हो गई है।

रुपया 19 पैसे कमजोर

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में जारी तेजी के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 19 पैसे कमजोर होकर 79.64 रुपये प्रति डॉलर रह गया। पिछले कारोबारी दिवस रुपया 29 पैसे चढ़कर 79.45 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया 15 पैसे टूटकर 79.60 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और यही इसका उच्चतम स्तर भी रहा। कारोबार के दौरान लिवाली के दबाव में यह 79.71 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 79.45 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 19 पैसे गिरकर 79.64 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया।

सरल कारोबारी माहौल का नायाब उदाहरण 5 जी स्पेक्ट्रम आवंटन : मित्तल

नयी दिल्ली। भारती एयरटेल के संस्थापक एवं अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल ने आज आज कहा कि 5 जी स्पेक्ट्रम आवंटन देश में सरल कारोबारी माहौल का नायाब उदाहरण है और इस तरह के बदलाव ही राष्ट्र को विकसित देश बनने के सपनों को शक्ति देता है। श्री मित्तल ने यहां जारी एक बयान में कहा कि कल एयरटेल ने स्पेक्ट्रम के लिए 8312.4 करोड़ रुपये का भुगतान किया और उसे कुछ ही घंटों के भीतर स्पेक्ट्रम के लिए आवंटन पत्र मिल गया। वादे के मुताबिक स्पेक्ट्रम के साथ ई बैंड भी आवंटित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए कोई परेशानी नहीं, बारबार का कोई चक्कर नहीं और दूरसंचार विभाग में बारबार भागदौड़ करने की कोई जरूरत नहीं पड़ी। यह पूरी से सुगम कारोबारी माहौल देने के सरकार के प्रयास के अनुरूप था। उन्होंने कहा कि दूरसंचार विभाग के साथ वह 30 वर्षों से अधिक समय से काम कर रहे हैं लेकिन पहलह बार व्यापार जैसे होना चाहिए उस तरह से हुआ है। यह काम शीर्ष पर बदलाव से ही संभव होता है। यह परिवर्तन जो इस राष्ट्र को बदल सकता है , एक विकसित राष्ट्र बनने के सपनों को शक्ति देता है।

जेके टायर ने कमर्शियल वाहन पोर्टफोलियो का किया विस्तार

कोलकाता। टायर बनाने वाली कंपनी जे के टायर एण्ड इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने आज दो नए उत्पादों जेट स्टील जेडीएच एक्सएम और जेटवे जेयूसी एक्सएम के लॉन्च के साथ अपने रेडियल टायर पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि विकास के अवसरों का लाभ उठाने और ट्रांसपोर्टरों द्वारा बढ़ाई गई इनपुट लागत को ध्यान में रखते हुए ये उत्पाद पेश किए हैं जो उपभोक्ताओं को लम्बे समय तक लाभान्वित करेंगे। बाज़ार में ऑल-व्हील फिटमेन्ट टायरों की बढ़ती मांग को पूरा करने और उपभोक्ताओं की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए कंपनी ने अपने नेक्स्ट-जैन सेमी-लग टायर जेटवे जेयूसी एक्सएम का लॉन्च किया है। ईवन-वियर विशेषताओं से युक्त जेटवे जेयूसी एक्सएम को खासतौर पर इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि यह टायर को प्रीमियम लाईफ देकर वाहन की ईंधन दक्षता बढ़ाता है और इस तरह ट्रक मालिकों के लिए लागत को कम करने में मदद करता है। जेयूसी एक्सएम टायर के अलावा कंपनी ने जेटस्टील जेडीएच-एक्सएम का लॉन्च भी किया है जो देश में लॉन्ग-हॉल ऐप्लीकेशन की ज़रूरत को पूरा करता है। जेडीएच-एक्सएम अपने अनूठे ट्रेड कम्पाउन्ड और हाई ट्रेड डेप्थ के साथ टायर को लम्बी लाईफ देता है। सेगमेन्ट में पहली बार 'जैट-ओसीटी' टेक्नोलॉजी से युक्त यह टायर ज़्यादा केसिंग क्षमता के साथ बेहतर रेट्रेडेबिलिटी देता है।

आईआईटी बॉम्बे और जे एस डब्ल्यू ग्रुप की साझेदारी

नयी दिल्ली। इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी संस्थान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी) बॉम्बे और स्टील, ऊर्जा, आधारभूत संरचना, सीमेंट, पेंट्स, ई-कॉमर्स, स्पोर्ट्स और उद्यमी पूँजी के क्षेत्रों में कार्यरत प्रमुख व्यापारिक समूह जे एस डब्ल्यू ग्रुप ने स्टील उत्पादन के लिए भारत में अपनी तरह का पहला अत्याधुनिक जे एस डब्ल्यू टेक्नोलॉजी हब स्थापित करने के लिए एक विशेष समझौता किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुये कहा कि एक इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, आई.आई.टी. बॉम्बे ने इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार और उद्योग के अन्य भागीदारों के सहयोग से द सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस इन स्टील टेक्नोलॉजी (सी ओ ई एस टी) की स्थापना की है। जे एस डब्ल्यू टेक्नोलॉजी हब सी ओ ई एस टी के भीतर स्थापित किया जायेगा, जिसका मुख्य उद्देश्य कार्बन के उत्सर्जन को लक्षित स्तरों के अंदर बनाए रखते हुए गुणवत्ता वाले स्टील के उत्पादन का तेज़ी से विस्तार करना है। आईआईटी बॉम्बे के साथ साझेदारी जे एस डब्ल्यू समूह को भारत के औद्योगिक समूह के लिए स्टील टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सक्षम क्षमताओं को विकसित करने के लिए स्टील के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के प्रयासों को शुरू करना और तेज करना संभव बनायेगा। इस समझौते के अनुसार जे एस डब्ल्यू स्टील के उत्पादन और उसके उपयोग के लिए अनुसंधान एवं विकास की एक व्यापक श्रृंखला को शुरू करने के लिए अत्याधुनिक आधारभूत संरचना वाले टेक्नोलॉजी हब की स्थापना और निर्माण के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। इस केंद्र का निर्माण जे एस डब्ल्यू निओस्टील रिबार्स का उपयोग 8 मिली मीटर से 36 मिलीमीटर के व्यास तक एफ़ई550डी ग्रेड के साथ किया जायेगा। आईआईटी बॉम्बे द्वारा टेक्नोलॉजी हब का निर्माण वित्त वर्ष 2028 तक पूरा किए जाने की उम्मीद है।

कोल्हापुर हवाई अड्डे की नई इमारत मार्च तक हो जाएगी तैयार

नयी दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि महाराष्ट्र में कोल्हापुर हवाई अड्डे के नये टर्मिनल भवन और अन्य सुविधाओं का काम अगले मार्च तक पूरा हो जायेगा।मंत्रालय ने यहां जारी एक बयान में कहा कि नये टर्मिनल भवन में विश्व स्तरीय सुविधाएं होंगी और जगह भी ज्यादा होगी। यहां एक नये एप्रन और विमानों को अलग से खड़ा करने की जगह का भी निर्माण किया जा रहा है। नया टर्मिनल भवन 4000 वर्ग मी. क्षेत्र में फैला होगा और भीड़-भाड़ के समय 300 यात्रियों की जांच की सुविधाएं होंगी। भवन में 10 जांच काउंटर होंगे। बयान के मुताबिक कोल्हापुर हवाई अड्डे का नया टर्मिनल भवन ऊर्जा की बचत करने के हिसाब से बनाया जा रहा है। इसे 4-स्टार रेटिंग प्राप्त होगी। बयान में कहा गया है कि टर्मिनल भवन के विस्तार का 60 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो चुका है। भवन अगले वर्ष मार्च के अंत तक तैयार हो जायेगा।विमानतल की ओर की सुविधाएं उन्नत करने का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि नये वायु यतायात नियंत्रण स्तमभ का काम चल रहा है ।

सैमसंग ने लुभावने आफर्स के साथ गैलेक्सी जैड सीरीज बाजार में उतारी

लखनऊ। देश में लोकप्रिय कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने गुरूवार को लेटेस्ट गैलेक्सी जैड सीरीज़ भारतीय बाजार में पेश की। चौथी जनरेशन के फोल्डेबल, गैलेक्सी जैड फोल्ड4 और गैलेक्सी जैड फ्लिप4 अब ऑनलाईन एवं सभी रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है।

सैमसंग इंडिया में सीनियर डायरेक्टर, मोबाइल बिज़नेस, गुफरान आलम ने कहा, गैलेक्सी की चौथी जनरेशन में गैलेक्सी जैड 4 में सैमसंग का बेहतरीन स्मार्टफोन इनोवेशन है। फ्लैगशिप कैमरा के साथ अपनी श्रेणी में सबसे तीव्र प्रोसेसर और ऑल-न्यू डिज़ाईन प्रदान करते हुए गैलेक्सी जैड फोल्ड 4 अभी तक का सबसे शक्तिशाली स्मार्टफोन है। गैलेक्सी जैड फ्लिप4 के फ्लेक्सकैम के द्वारा हैंड्सफ्री वीडियो शूट किए जा सकते हैं। हमारी लेटेस्ट गैलेक्सी जैड सीरीज़ यूज़र्स का स्मार्टफोन से इंटरैक्ट करने का अनुभव बदल देगी।

उन्होने कहा गैलेक्सी जैड फ्लिप4गैलेक्सी जैड फ्लिप4 में कंपैक्ट क्लैमशेल डिज़ाईन है। इसके इनोवेटिव फॉर्म फैक्टर द्वारा आप पूरी तरह से हैंड्सफ्री रह सकते हैं और फोन को खोले बिना ही बहुत कुछ कर सकते हैं, आप कॉल्स ले सकते हैं और टैक्स्ट का जवाब भी दे सकते हैं। हमारे फ्लेक्सकैम इनोवेशन द्वारा आप वॉईस कमांड द्वारा या फिर केवल अपनी हथेली को सामने रखकर हैंड्सफ्री वीडियो शूट कर सकते हैं और विभिन्न एंगल्स पर ग्रुप सेल्फी ले सकते हैं। आप अपग्रेडेड क्विक शॉट मोड के साथ मुख्य कैमरा द्वारा कवर स्क्रीन से हाई क्वालिटी सेल्फी ले सकते हैं। आप क्विक शॉट मोड में हाई-क्वालिटी

वीडियो रिकॉर्डिंग शुरू करें और फिर सुगमता से फ्लेक्स मोड में स्विच करके वीडियो रोके बिना रिकॉर्डिंग को हैंड्सफ्री जारी रखें। क्विक शॉट के साथ यूज़र्स पोर्ट्रेट मोड में सेल्फी शूट कर सकते हैं और वास्तविक फोटो अनुपात में प्रिव्यू देख सकते हैं।

गुफरान ने कहा कि गैलेक्सी जैड फ्लिप 4 में लेटेस्ट स्नैपड्रैगन 8+ जनरेशन 1 का प्रोसेसर है और इसमें 10 प्रतिशत ज्यादा बैटरी क्षमता है। इसमें 3700 एमएएच की बैटरी है, जिसके द्वारा आप एक बार बैटरी पूरी चार्ज करके ज्यादा लंबे समय तक कैप्चर कर सकते हैं, वॉच कर सकते हैं और कनेक्टेड रह सकते हैं। सुपर फास्ट चार्जिंग द्वारा आपके फोन की बैटरी 30 मिनट में 50 प्रतिशत चार्ज हो जाती है।

उन्होने बताया कि गैलेक्सी जैड फ्लिप 4 और गैलेक्सी जैड फोल्ड4 की प्रि-बुकिंग 16 अगस्त को सभी प्रमुख ऑनलाईन एवं ऑफलाईन रिटेल स्टोर्स पर शुरू हो चुकी है। गैलेक्सी जैड फ्लिप4 का मूल्य 8जीबी+128जीबी वैरिएंट के लिए 89,999 रु. और 8जीबी+256जीबी वैरिएंट के लिए 94,999 रु. है। बिस्पोक एडिशन में ग्लास कलर और फ्रेम ऑप्शंस हैं, जो सैमसंग लाईव और सैमसंग एक्सक्लुसिव स्टोर में 97,999 रु. में उपलब्ध होगा।

गैलेक्सी जैड फोल्ड 4 का मूल्य 12जीबी+256जीबी वैरिएंट के लिए 1,54,999 रु. और 12जीबी+512जीबी वैरिएंट के लिए 1,64,999 रु. है। ग्राहक 12जीबी+1टीबी वैरिएंट केवल सैमसंग लाईव और सैमसंग एक्सक्लुसिव स्टोर्स पर 1,84,999 रु. में खरीद सकते हैं। जो ग्राहक गैलेक्सी जैड फोल्ड 4 प्रिबुक करेंगे, उन्हें 34,999 रु. की गैलेक्सी वॉच 4 क्लासिक 46मिमी बीटी केवल 2,999 रु. में मिलेगी। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट या डेबिट कार्ड पर 8,000 रु. का कैशबैक या 8000 रु. का अपग्रेड बोनस मिलेगा। जो ग्राहक गैलेक्सी जैड फ्लिप 4 प्रि-बुक करेंगे, उन्हें 31,999 रु. की गैलेक्सी वॉच 4 क्लासिक 42मिमी बीटी केवल 2,999 रु. में मिलेगी। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट या डेबिट कार्ड पर 7,000 रु. का कैशबैक या 7000 रु. का अपग्रेड बोनस मिलेगा।

लगातार आठवें दिन चढ़ा शेयर बाजार

मुंबई। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर रियल्टी, पावर, कैपिटल गुड्स, बैंकिंग और यूटिलिटीज समेत बारह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत सेंसेक्स और निफ्टी आज लगातार आठवें दिन भी बढ़त पर रहे।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 37.87 अंक बढ़कर 60298 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 12.25 अंक उठकर 17965.50 अंक पर रहा। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.42 प्रतिशत की तेजी लेकर 25,286.51 अंक और स्मॉलकैप 0.34 प्रतिशत चढ़कर 28,438.57 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3540 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1905 में लिवाली जबकि 1489 में बिकवाली हुई वहीं 146 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 24 कंपनियां हरे जबकि 25 लाल निशान पर रहीं वहीं एक के भाव अपरिवर्तित रहे।

बीएसई के बारह समूह में तेजी जबकि शेष सात समूह गिरावट पर रहे। इस

दौरान इंडस्ट्रियल्स 0.90, दूरसंचार 0.57, यूटिलिटीज 1.09, बैंकिंग 0.68, कैपिटल गुड्स 0.91, पावर 0.96 और रियल्टी समूह के शेयर 1.76 प्रतिशत मजबूत रहे।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.01, जापान का निक्केई 0.96, हांगकांग का हैंगसेंग 0.80 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.46 प्रतिशत टूट गया जबकि जर्मनी का डैक्स 0.94 प्रतिशत चढ़ गया।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 180 अंक टूटकर 60,080.19 अंक पर खुला और बिकवाली होने से दोपहर तक 59,946.44 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। इसके बाद हुई लिवाली की बदौलत कारोबार के अंतिम चरण में यह 60,341.41 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले दिवस के 60,260.13 अंक के मुकाबले 0.06 प्रतिशत की मामूली बढ़त लेकर 60,298 अंक पर रहा।

निफ्टी भी 46 अंक फिसलकर 17,898.65 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 17,852.05 अंक के निचले जबकि 17,968.45 अंक के उच्चतम स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 17,944.25 अंक की तुलना में 0.07 प्रतिशत बढ़कर 17,956.50 अंक पर रहा।

सेंसेक्स की 15 कंपनियों में लिवाली जबकि शेष 15 में बिकवाली हुई। इस दौरान मुनाफा कमाने वाली कंपनियों में कोटक बैंक 3.45, एलटी 2.09, भारती एयरटेल 1.59, अल्ट्रासिमको 1.53, इंडसइंड बैंक 1.50, पावरग्रिड 1.25, एसबीआई 0.83, आईटीसी 0.70, एशियन पेंट 0.37, टेक महिंद्रा 0.34, आईसीआईसीआई बैंक 0.20, एचडीएफसी 0.19, एचडीएफसी बैंक 0.15, बजाज फिनसर्व 0.08 और टाटा स्टील 0.04 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, डॉ. रेड्डी 2.18, विप्रो 1.83, इंफोसिस 1.50, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.04, एक्सिस बैंक 0.87, नेस्लेइंडिया 0.66, एचसीएल टेक 0.65, टीसीएस 0.57, टाइटन 0.49, सन फार्मा 0.48, बजाज फाइनेंस 0.45, एनटीपीसी 0.43, हिंदुस्तान यूनीलीवर 0.22, मारुति 0.15 और रिलायंस ने 0.14 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

5 जी स्पेक्ट्रम आवंटन पत्र हुआ जारी

नयी दिल्ली। देश में शीघ्र ही 5 जी सेवायें शुरू होने वाली है क्योंकि सरकार ने टेलीकॉम कंपनियों को 5 जी स्पेक्ट्रम आवंटन पत्र जारी कर दिया है।

संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज यहां यह पत्र जारी किये जाने पर टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं से 5 जी सेवायें शुरू करने की तैयारी करने की अपील की। उन्होंने कहा स्पेक्ट्रम आवंटन पत्र जारी कर दिया गया है और अब टेलीकॉम सेवायें प्रदान करने वाली कंपनियों को 5 जी लाँच की तैयारी करनी चाहिए।

हाल में संपन्न 5 जी स्पेक्ट्रम नीलामी के बाद संचार मंत्री ने कहा था कि देश के कुछ बड़े शहरों में उपभोक्ता अक्टूबर तक 5 जी सेवाओं का उपयोग कर सकेंगें।

सरकार द्वारा नीलामी के लिए रखे गये 72,098 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम में से 51236 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की नीलामी हो पायी थी। इससे सरकार को कुल 150173 करोड़ रुपये मिले हैं। इसमें

अडाणी डेटा नेटवर्क्स ने 212 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल ने 43048 करोड़ रुपये, रिलायंस जियो ने 88078 करोड़ रुपये और वोडाफोन आइडिया ने 18799 करोड़ रुपये के स्पेक्ट्रम की खरीद की थी।

एयरटेल ने कल ही इस नीलामी के तहत खरीदे गये स्पेक्ट्रम के लिए 8312 करोड़ रुपये का अपफ्रंट भुगतान किया है।

स्पेक्ट्रम नीलामी में भाग लेने के कुछ दिनों के बाद ही एयरटेल ने 5 जी सेवायें देने के लिए कई उपरकण निर्माण कंपनियों से भी साझेदारी कर काम शुरू करने की घोषणा की थी।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में जारी उतार चढ़ाव के बावजूद देश में गुरुवार को भी पेट्रोल-डीजल की कीमतें यथावत रही। देश में करीब दो माह से अधिक समय से ईंधन की कीमतें स्थिरत हैं लेकिन पिछले कुछ दिनों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में कमी आ रही है। आज लंदन में ब्रेट क्रूड 0.16 प्रतिशत बढ़कर 93.81 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.11 प्रतिशत की तेजी लेकर 88.22 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) के अनुसार, दिल्ली में आज पेट्रोल के दाम 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमश: 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर हैं।

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं।

मारुति सुजुकी ने लांच की नयी अल्टो के10, कीमत 3.99 लाख से शुरू

नयी दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने ऑल-न्यू अल्टो के10 के लॉन्च की घोषणा की जिसकी दिल्ली में शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 3.99 लाख रुपये है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ हिसाशी ताकेउची ने आज यहां इसे लाँच करने के मौके पर कहा कि गर्व, भरोसे और विश्वसनीयता की प्रतीक ऑल-न्यू अल्टो के10 अब एक नए डिज़ाईन, ज्यादा बढ़ा इंटीरियर, बेहतर परफॉर्मेंस और अनेक कम्फर्ट जैसे सुरक्षा, सुविधा और कनेक्टिविटी फीचर्स के साथ उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि 22 सालों वर्षों में 43 लाख

परिवारों तक पहुंच चुकी आल्टो का यह नया अवतान भी लोगों के बीच खासा लोकप्रिय होगा।

उन्होंने बताया कि इसमें ज्यादा शक्तिशाली एवं प्रभावशाली नैक्स्ट जनरेशन के-सीरीज़ 1.0 लीटर ड्युअल जेट, ड्युअल वीवीटी इंजन है जो 24.90 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देता है। इसमें सुरक्षा के 15 फीचर दिये गये हैं तथा दो एयरबैग स्टैंडर्ड है। ऑल-न्यू अल्टो के10 - 5-स्पीड मैन्युअल और ऑटो गियर शिफ्ट ट्रांसमिशन के साथ आ रही है।

उन्होंने कहा कि पिछले कई सालों में अल्टो हर नए अपग्रेड के साथ और ज्यादा आकर्षक होती चली गई और यह एक ऐसे आईकोनिक ब्रांड का प्रमाण बन गई, जिसने युवा भारत की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप खुद का विकास किया है। 43 लाख से ज्यादा भारतीय ग्राहकों का दिल जीतते हुए अल्टो अपने 22 सालों के सफर में लगातार 16 सालों तक देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनी हुई है। ऑल-न्यू अल्टो के10 अपने नए डिज़ाईन, आधुनिक टेक एवं सुरक्षा विशेषताओं, इंटीरियर और नैक्स्ट जनरेशन के के-सीरीज़ 1.0 लीटर इंजन के साथ अपनी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। मोबिलिटी समाधानों को जनसमूहों तक पहुँचाना हमेशा से मारुति सुजुकी का मुख्य उद्देश्य है और ऑल-न्यू अल्टो के10 के लॉन्च के साथ हम मोबिलिटी की खुशी और ज्यादा घरों तक पहुँचाना तथा अपने ग्राहकों के साथ अपने लगातार विकसित होते संबंधों को मजबूत करना चाहते हैं।

इंडो-जापानी सीटीओ क्लब का सम्मेलन आज से

नयी दिल्ली। इंडो जापान सीटीओ क्लब का तीन दिवसीय आठवां सम्मेलन कल से गुरूग्राम में आयोजित किया जा रहा है जिसका हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज उद्घाटन करेंगे।

आईजेसीटीओ , क्रॉनिक टोटल ऑक्लूजन -सीटीओ (हृदय को रक्त की आपूर्ति करने वाली आर्टरीज में 100 प्रतिशत ब्लॉक वाले रोगी) के क्षेत्र में सभी विकासों को शामिल करने के लिए लगातार सफल रहा है। पहले इन मरीजों का इलाज सिर्फ हार्ट सर्जरी से होता था लेकिन अब एंजियोप्लास्टी से भी इन मरीजों का इलाज किया जा सकता है।

मेडिट्रिना अस्पताल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ एन प्रताप कुमार ने आज कहा कि आईजेसीटीओ सम्मेलन के पिछले 7 संस्करणों में नए हृदय रोग विशेषज्ञ को सीटीओ केसेस ऑपरेट के लिए आवश्यक जानकारी, स्किल और टेक्नोलॉजी को समझने के लिए शिक्षा प्रदान की जाती है। फेलो और युवा इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट के लिए एक फेलो कोर्स होगा। 19 अगस्त होने वाले इस फेलो कोर्स के लिए कम से कम 300 कार्डियोलॉजिस्ट के शामिल होने की उम्मीद है। आईजेसीटीओ भारतीय और जापानी इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट द्वारा सीटीओ पीसीआई में सामूहिक रूप से ज्ञान और अनुभव को बांटने का एक प्लेटफॉर्म है। इस आयोजन में सीटीओ-पीसीआई में मुश्किलों के साथ-साथ केस सिलेक्शन और प्लानिंग सीटीओ प्रोसीजर, सीटीओ पीसीआई के लिए उपकरण, सीटीओ-पीसीआई के लिए एंटेग्रेड और रेट्रोग्रेड एप्रोच सहित कई श्रेणियों की एक श्रृंखला शामिल है। प्रत्येक दिन अलग-अलग प्रोफेशनल द्वारा अपने शोध और व्यक्तिगत अनुभवों के बारे में 5 सत्र होंगे।

कीमती धातुओं में मिलाजुला रुख

मुंबई। वैश्विक बाजार में पीली धातु में तेजी और सफेद धातु में नरमी के असर से आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 132 रुपये प्रति दस ग्राम चमक गया वहीं चांदी में 54 रुपये प्रति किलोग्राम की मामूली गिरावट रही। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.13 प्रतिशत की बढ़त लेकर 1763.32 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इसी तरह अमेरिका सोना वायदा 0.15 प्रतिशत बढ़कर 1762.90 डॉलर प्रति औंस हो गया। वहीं, इस दौरान चांदी हाजिर 0.66 प्रतिशत लुढ़ककर 19.71 डॉलर प्रति औंस बोली गई। देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 132 रुपये की तेजी लेकर 51675 रुपये प्रति दस ग्राम और सोना मिनी 142 रुपये चमककर 51705 रुपये प्रति दस ग्राम पर रही। वहीं, चांदी 54 रुपये फिसलकर 56861 रुपये प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 102 रुपये कमजोर होकर 57488 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

जिंसों में टिकाव

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों में गिरावट के दबाव में आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा वहीं मांग आने से गुड़ के भाव चढ़ गए।तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा 104 रिंगिट गिरकर 4062 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इस दौरान अमेरिकी सोया तेल का सितंबर वायदा भी 0.72 सेंट टूटकर 64.88 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर टिके रहे।गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान गुड़ 100 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया जबकि चीनी के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे। अनाज : अनाज मंडी में भी स्थिरता रही रहा। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर टिके रहे। दाल-दलहन : चना 4550-4650, दाल चना 5550-5650, मसूर काली 8300-8400, मूंग दाल 8100-8200, उड़द दाल 9900-10000, अरहर दाल 8750-8850 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2300-2400 रुपये और चावल : 2550-2650 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3530-3660, चीनी एम. 3800-3900, मिल डिलीवरी 3410-3510 और गुड़ 3900-4000 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 16849 रुपये, मूंगफली तेल 19267 रुपये, सूरजमुखी तेल 19780 रुपये, सोया रिफाइंड 15604 रुपये, पाम ऑयल 13773 रुपये और वनस्पति तेल 14652 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

शक्कर में खरीदी, खाद्य तेलों में नरमी, दलहनो में मजबूती

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में खरीदी रही। खाद्य तेल नरमी लिए रहे। सोयाबीन रिफाइंड सस्ता बिका। तिलहन में लिवाली रही। दलहनो में मजबूती दर्ज की गई। दालों में भाव बने रहे। चावल में कामकाज सामान्य बताया गया।

किराना बाजार

शक्कर में उठाव रहा। आज शक्कर में कामकाज 3620 से 3660 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 08 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला, खोपरा बूरा, हल्दी में कामकाज सामान्य रहा। साबूदाना में मांग सुस्ती से नरमी रही।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में पूछपरख सुस्त बताई गई। आज सोयाबीन रिफाइंड में भाव कम हुए। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली बनी बताई गई।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन मजबूती लिए रहे। आज मसूर ऊंची होकर बिकी। दालों में मांग बताई गई। इससे भाव बने रहे। आज चावल में उठाव साधारण रहा।

किराना: शक्कर 3620 से 3660 रुपये प्रति क्विंटल।

खोपरा गोला 180 से 205 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2000 से 3500 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 100 से 162 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 5800 से 7400, पैकिंग में 7600 से 7800 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 5900 से 6150, रायडा 5700 से 5900 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1660 से 1680, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1225 से 1230, सोयाबीन साल्वेंट 1205 से 1210, पाम तेल 1330 से 1335 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

चना (कांटा) 5000 से 5050, मसूर 6650 से 6675, तुअर निमाड़ी 7000 से 7600, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 7800 से 8100, तुअर (कर्नाटक) 8000 से 8200, मूंग 6500 से 6600, मूंग हल्की 5500 से 6000, उड़द 7400 से 7800, उड़द मीडियम 6300 से 6800, उड़द नया 7000 से 7600, हल्का 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

चना दाल 6200 से 6700, तुअर दाल सवा नंबर 9800 से 9900, तुअर दाल फूल 10000 से 10200, तुअर दाल बोल्ड 10500 से 11200, आयातित तुअर दाल 9600 से 9700, मसूर दाल 7700 से 8000, मूंग दाल 8500 से 8800, मूंग मोगर 8800 से 9100, उड़द दाल 9100 से 9400, उड़द मोगर 9600 से 9900 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10500 से 11500, तिबार 8500 से 9500, दुबार 7500 से 8500, मिनी दुबार 6500 से 7500, मोगरा 4000

शार्ट न्यूज

न्यूज़ीलैंड पर जीत के साथ विंडीज़ ने खत्म किया हार का सिलसिला

बारबाडोस। वेस्ट इंडीज़ ने अल्ज़ारी जोसेफ़ (तीन विकेट) और अकील हुसैन (तीन विकेट) की कसी हुई गेंदबाजी के बाद शमारह ब्रूक्स (79 रन) के अर्द्धशतक की बदौलत न्यूज़ीलैंड को पहले एकदिवसीय मैच में पांच विकेट से मात देकर वनडे क्रिकेट में हार का सिलसिला समाप्त किया। न्यूज़ीलैंड बुधवार को 45.2 ओवर में ऑल-आउट होने के बाद विंडीज़ को 191 रन का लक्ष्य ही दे पायी, जिसे उन्होंने 39 ओवर में हासिल कर लिया।टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए विंडीज ने नियमित अंतराल पर कीवी बल्लेबाजों को पवेलियन लौटाया। मार्टिन गप्टिल (24), फिन ऐलेन (25) और कप्तान केन विलियमसन (34) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में असफल रहे। इसके अलावा माइकल ब्रेसवेल ने 31(33) और मिचेल सैंटनर ने 25(38) रन बनाये। कैरिबियाई गेंदबाज पूरी तरह कीवी बल्लेबाजी पर हावी रहे। अकील हुसैन ने 10 ओवर में तीन विकेट के बदले मात्र 28 रन दिये, जबकि अलज़ारी जोसेफ़ ने 8.2 ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट झटके। जेसन होल्डर ने दो, और केविन सिन्क्लेयर और यानिक कारिया ने एक-एक विकेट लिया। 10 एकदिवसीय मैचों में अपनी पहली जीत तलाशने उतरी वेस्ट इंडीज की पारी की अगुवाई ब्रूक्स ने की। उन्होंने 91 गेंदों पर नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए 79 रन बनाये। इसके अलावा शाई होप ने 26(24) और कप्तान निकोलस पूरन ने 28(47) रन बनाये।

निर्णायक मैच के साथ आयरलैंड ने जीती श्रृंखला

बेल्फास्ट। आयरलैंड ने मार्क अडेयर (तीन विकेट) और जोशुआ लिटल (दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी की बदौलत अफगानिस्तान को पांचवें और निर्णायक टी20 मैच में मात देकर श्रृंखला 3-2 से अपने नाम की। आयरलैंड ने बुधवार को वर्षाबाधित मैच में पहले अफगानिस्तान को 15 ओवर में 95 रन पर रोक दिया। ओवर कम होने के बाद आयरलैंड को सात ओवर में 56 रन की ज़रूरत थी, जिसे उन्होंने दो गेंदे रहते हासिल कर लिया। चार मैचों के बाद दोनों टीमें सीरीज़ में 2-2 की बराबरी पर थीं और पांचवें मैच से विजेता सुनिश्चित होना था। आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी और निरंतर अंतराल पर अफगान बल्लेबाजों के विकेट निकाले। अफगानिस्तान की ओर से उस्मान गनी ने सर्वाधिक 44(40) रन बनाये और टीम को 15 ओवर में 95 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। आयरलैंड की ओर से लिटल ने तीन ओवर में सिर्फ 14 रन देते हुए दो विकेट निकाले, जबकि अडेयर ने दो ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लिये। सात ओवर में 56 रन के न्यून लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड को किसी बड़ी पारी की आवश्यकता नहीं थी। पॉल स्टर्लिंग (16) और लोर्कन टकर (14) के प्रयासों की बदौलत आयरलैंड ने 6.4 ओवर में ही तीन विकेट के नुकसान पर 56 रन बनाकर मैच के साथ श्रृंखला भी जीत ली।

अंडर-20 चैंपियनशिप में भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन, जीते सात पदक

सोफिया (बुल्गारिया)। भारतीय फ्रीस्टाइल कुश्ती टीम ने विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए एक रजत और छह कांस्य सहित सात पदक हासिल किये। भारत 112 अंकों के साथ फ्रीस्टाइल टीम रैंकिंग में तीसरे स्थान पर रहा, जबकि ईरान (159) और अमेरिका (132) ने पहला और दूसरा स्थान प्राप्त किया। यह जूनियर चैंपियनशिप में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 2021 में भारत 101 पॉइंट के साथ पांचवें स्थान पर रहा था। भारत का एकलौता रजत पदक महेंद्र गायकवाड ने जीता। महेंद्र शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक पहुंचे, जहां ईरान के आमिरेज़ा फ़रदीन मासूमी ने उन्हें तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 13-2 से मात दी। जूनियर एशियाई चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट गायकवाड ने क्वार्टरफाइनल में तुर्की के आदिल मिसिरसी को 6-4 से मात दी थी, जबकि सेमीफाइनल में उन्होंने उज़्बेकिस्तान के नामोज़ अद्बुराशिदोव को 6-0 से हराया था। इसके अलावा मोहित कुमार (61 किग्रा) और सागर जगलान (74 किग्रा) ने भी बुधवार को कांस्य पदक जीते।

निशानेबाजी विश्व कप में भारत की सोना-चांदी

चांगवोंग। भारत के राहुल जाखड़ ने अपनी स्वर्णिम फॉर्म को बरकरार रखते हुए चांगवोंग 2022 निशानेबाजी विश्व कप में गुरुवार को स्वर्ण पदक जीता, जबकि अवनि लेखरा ने रजत और पूजा अग्रवाल ने कांस्य पदक हासिल किया। राहुल ने चांगवोंग 2022 के पहले दिन पी3 मिश्रित 25 मीटर पिस्टल एसएच1 श्रेणी में सोने का तमगा अपने नाम किया, जबकि पूजा ने इसी श्रेणी में कांस्य पदक हासिल किया। दूसरी ओर, दो बार की पैरालंपिक मेडलिस्ट अवनि ने आर2 महिला 10 मीटर एयर राइफल एसएच वन प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया। 20 वर्षीय अवनि ने क्वालीफाइंग राउंड में 626.1 के स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया था, जबकि फाइनल में उन्होंने 247.8 के स्कोर के साथ चांदी जीती। अवनि ने जीत की खुशी जाहिर करते हुए ट्वीट किया, चांगवोंग 2022 निशानेबाजी विश्व कप के एसएच1 10 मीटर एयर राइफल आयोजन में रजत पदक हासिल करके बेहद खुश हूं। क्वालीफाइंग राउंड में शीर्ष स्थान हासिल किया और मुश्किल स्थिति के बावजूद पदक जीता। अपने प्रदर्शन से खुश हूं।

बड़े फेरबदल में कोरिक ने नडाल को हराया

मेसन। क्रोएशिया के बोर्ना कोरिक ने बड़ा फेरबदल करते हुए स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल को सिनसिनाटी ओपन के शीर्ष-32 राउंड में गुरुवार को मात दी। विंबलडन सेमीफाइल से चोट के कारण नाम वापस लेने वाले नडाल करीब 40 दिन बाद कोर्ट पर वापसी कर रहे थे, जहां उन्हें क्रोएशियाई प्रतिद्वंदी के हाथों 7-6 (9-7) 4-6 6-3 से हार मिली। नडाल को विंबलडन क्वार्टरफाइनल के दौरान पेट में चोट आयी थी, जिससे उभरने में उन्हें छह हफ्ते का समय लगा। इस हार से उनकी यूएस ओपन की तैयारियों को झटका लगा है। नडाल ने हार के बाद कहा, न्यूयॉर्क की बात करूं तो वह एक ग्रैंड स्लैम आयोजन है। वह एक अलग तरह का टूर्नामेंट है। मैं पिछले 40 दिनों में इस मैच से पहले सिर्फ दो सेट ही खेल पाया हूं। मैं जानता हूं कि लय हासिल करने के लिये मुझे कोर्ट पर प्रतिद्वंदियों के साथ समय बिताने की आवश्यकता है। नडाल इससे पहले 2010, 2013, 2017 और 2019 में यूएस ओपन जीत चुके हैं। साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम आयोजन 29 अगस्त से शुरू होगा। इसी बीच, अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज़ ने ऑस्ट्रेलियाई प्रतिद्वंदी निक किर्गियोस को 6-3, 6-2 के सीधे सेटों में हराकर शीर्ष-16 में जगह बनायी।

चोट से वापसी करते हुए टीम का समर्थन महत्वपूर्ण : के एल राहुल

हरारे। ज़िम्बाब्वे दौरे पर भारतीय टीम के कप्तान केएल राहुल ने टीम में अपनी वापसी को लेकर बुधवार को कहा कि चोट से वापसी करते हुए टीम स्टाफ का समर्थन बेहद महत्वपूर्ण होता है। राहुल हर्निया और कोविड-19 के कारण करीब तीन महीने तक क्रिकेट से दूर थे। इस दौरान टीम में राहुल की जगह लेने के लिये कई युवा खिलाड़ियों ने अच्छे प्रदर्शन के साथ अपनी दावेदारी पेश की, लेकिन राहुल ने कहा कि टीम में वातावरण अच्छा होने के कारण खिलाड़ी अपनी जगह को लेकर असुरक्षित महसूस नहीं करते। राहुल ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह एक खिलाड़ी के लिये बेहद महत्वपूर्ण होता है। जब चयनकर्ता और कप्तान-कोच आपका समर्थन करते हैं तो इससे आपको काफी आत्म-विश्वास मिलता है। आपकी मानसिकता साफ रहती है। आप उन चीजों पर ध्यान दे सकते हैं जो महत्वपूर्ण हैं, चाहे वह आपका खेल हो या कौशल। राहुल ने अपना आखिरी मैच मई 2022 में खेला था जब वह आईपीएल 2022 के एलिमिनेटर में लखनऊ सुपरजायंट्स का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। राहुल को उम्मीद है कि वह एशिया कप और टी20 विश्व कप से पहले हरारे में हुई कुछ घटनाओं को दोहरा सकेंगे।

भारत ने जिम्बाब्वे को 10 विकेट से रौंदा

हरारे। भारत ने शिखर धवन (81 नाबाद) और शुभमन गिल (82 नाबाद) के दमदार अर्द्धशतकों की बदौलत जिम्बाब्वे को पहले एकदिवसीय मैच में गुरुवार को 10 विकेट से रौंद दिया।

जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने 190 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे भारतीय टीम ने आसानी के साथ 30.5 ओवर में ही हासिल कर लिया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे ने ब्रैड इवान्स (32) और रिचर्ड एंगरावा (34) की जुझारू पारियों की बदौलत पहली पारी में 189 रन बनाये थे।

जिम्बाब्वे जब बल्लेबाजी करने उतरी तो पिछली श्रृंखला की अपनी फॉर्म को बरकरार नहीं रख सकी और निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाये।

दीपक चहर ने जहां सलामी बल्लेबाज इनोसेंट काइया, तादीनाशे मारूमानी और वेस्ले मादेवेरे को पवेलियन लौटाया, वहीं मोहम्मद सिराज ने सीन विलियम्स को आउट किया। बांग्लादेश के खिलाफ तीन

मैचों में दो शतक जड़ने वाले सिकंदर रज़ा 12 रन बनाकर प्रसिद्ध कृष्णा का शिकार हुए।

मात्र 66 रन पर पांच विकेट गिरने के बाद कप्तान रेगिस चकाब्वा ने ज़िम्बाब्वे की लड़खड़ाती हुई पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन वह भी 51 गेंदों पर 35 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। चकाब्वा ने अपनी पारी में चार चौके लगाये।

रायन बर्ल (11) और ल्यूक जॉन्वे (13) का विकेट गिरने के बाद जिम्बाब्वे संकट की स्थिति में थी, लेकिन ब्रैड इवान्स और रिचर्ड एंगरावा टीम के लिये संकटमोचक बनकर उभरे। दोनों ने नौंवे विकेट के लिये 70 रन जोड़े। इवान्स ने जहां 29 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की बदौलत 33 रन बनाये, वहीं एंगरावा ने 42 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 34 रन की पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों के प्रयास ने टीम को 189 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

भारत की ओर से चहर (सात ओवर, 27 रन), कृष्णा (आठ ओवर, 50 रन) और अक्षर पटेल (7.3 ओवर, 24 रन) ने तीन-तीन विकेट लिये। मोहम्मद सिराज ने आठ ओवर में 36 रन के बदले एक विकेट लिया।

190 रन के न्यून लक्ष्य को हासिल करने उतरी भारत को जीत दिलाने के लिये शुभमन गिल और शिखर धवन ही काफी थे। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिये 192 रन की विशाल साझेदारी की और भारत को 10 विकेट से जीत दिलायी। गिल ने 72 गेंदों पर एक छक्के और 10 चौकों की बदौलत नाबाद 82 रन बनाये, जबकि धवन ने 113 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से नाबाद 81 रन की पारी खेली।

यह 10 विकेट की जीत में पहले विकेट के लिये भारत की दूसरी सबसे बड़ी एकदिवसीय साझेदारी है। इससे पहले सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली ने 1998 के कोका कोला कप फाइनल में जिम्बाब्वे के खिलाफ ही 197 रन की नाबाद साझेदारी कर भारत को 10 विकेट से विजय दिलायी थी। भारत अब जिम्बाब्वे के खिलाफ लगातार 13 मुकाबले जीत चुका है, जो एक प्रतिद्वंदी के खिलाफ भारत की सर्वाधिक लगातार जीत हैं।

यह बतौर कप्तान केएल राहुल की पहली जीत है। इससे पहले वह एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मुकाबलों में भारत की कप्तानी कर चुके थे, लेकिन जीत उनके हाथ नहीं लगी थी।

अब राहुल शनिवार, 20 अगस्त को अपनी टीम के साथ दूसरे एकदिवसीय मैच में जिम्बाब्वे का सामना करेंगे।

सात विकेट से जीत के साथ पाकिस्तान ने श्रृंखला सील की

रॉटरडम। पाकिस्तान ने हारिस रऊफ (तीन विकेट) की घातक गेंदबाज़ी के बाद मोहम्मद रिज़वान (69) और आगा सलमान (50) के अर्धशतकों की बदौलत नीदरलैंड को दूसरे एकदिवसीय मैच में सात विकेट से मात दी।

नीदरलैंड पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान को 187 रन का लक्ष्य ही दे पाई, जिसे उसने एसएसएस रहते हुए हासिल कर लिया। इस जीत के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है।

नीदरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी लेकिन यह फैसला उनके पक्ष में नहीं रहा। नसीम शाह ने जहां सलामी बल्लेबाज़ विक्रमजीत सिंह और वेस्ले बैरेसी को न्यून स्कोर पर आउट किया, वहीं हारीस ने मैक्स ओडाउड को एक रन पर पवेलियन लौटाया। आठ रन पर तीन विकेट गिरने के बाद टॉम कूपर ने बास डी लीड के साथ मिलकर पारी को संभाला और दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 109 रन की साझेदारी हुई। कूपर ने 74 गेंदों पर साथ चौकों और दो छक्कों की बदौलत 66 रन बनाए, जबकि डी लीड ने 120 गेंदों पर दो चौकों और तीन छक्कों की मदद सेकूपर के आउट होने के बाद डी लीड एक छोर पर खड़े रहे, वहीं दूसरे छोर से बल्लेबाज़ आउट होते रहे। अंततः डी लीड के विकेट के साथ नीदरलैंड की पारी 186 रन पर समाप्त हुई। पाकिस्तान ने 187 रन का पीछा करते हुए फखर जमान और इमाम उल हक के रूप में दोनों सलामों बल्लेबाजों को 11 रन पर गंवा दिया। इसके बाद कप्तान बाबर आज़म ने रिज़वान के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया और तीसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी हुई। बाबर ने आउट होने से पहले 65 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 57 रन बनाए। इसके बाद रिज़वान ने सलमान के साथ मिलकर पाकिस्तान को लक्ष्य तक पहुंचाया। रिज़वान ने 82 गेंदों पर छह चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 69 रन बनाए, जबकि सलमान ने 35 गेंदों पर पांच चौकों और दो छक्कों की बदौलत 50 रन की विस्फोटक पारी खेली।

सीनियर राष्ट्रीय जूडो चैंपियनशिप के पहले दिन मेजबान यूपी खाली हाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुरू हुयी सीनियर राष्ट्रीय जूडो चैंपियनशिप के पहले दिन बुधवार को मेजबान खिलाड़ियों ने मायूस किया।

केडी सिंह बाबू स्टेडियम परिसर में आज महिलाओं के 48 किग्रा,52 किग्रा और 57 किग्रा भार वर्ग के मुकाबले संपन्न हुये जबकि पुरूषों में 60 किग्रा और 66 किग्रा भार वर्ग में खिलाड़ियों ने अपने जौहर दिखाये।

60 किग्रा भार वर्ग में हरियाणा के आशीष संगवान ने सीआरपीएफ के अंकुर कुमार को हरा कर स्वर्ण पदक अपनी झोली में डाला। अंकुर को रजत से संतोष करना पड़ा वहीं सीआईएफ के सचिन रावत और दिल्ली के हर्ष सिंह ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। 66 किग्रा भार वर्ग में अरूणाचल प्रदेश के जसलीन सिंह ने स्वर्ण,मणिपुर के बिशाल सिंह ने रजत पदक अपने नाम किया।

महिलाओं में 52 किग्रा कैटेगरी में दिल्ली की पिंकी बलहारा ने हरियाणा की सिमरन को हरा कर स्वर्ण अपने नाम किया वहीं मणिपुर और अरूणाचल प्रदेश की खिलाडियों ने कांस्य पर अपना कब्जा जमाया। 57 किग्रा भार वर्ग में मध्य प्रदेश की यामिनी मौर्य ने सोना जीता। उन्होने सीआरपीएफ की बेमबेम देवी को रिंग में धूल चटायी। पंजाब की नवरूप कौर और अरूणाचल प्रदेश की पूनम संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं।

इससे पहले प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रतियोगिता का उदघाटन किया और खिलाडियों को अच्छे प्रदर्शन की शुभकामनायें दी। प्रतियोगिता का समापन 19 अगस्त को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी।

काउंटी चैंपियनशिप के लिये वारविकशर में शामिल हुए सिराज

एजेंसी

लंदन। वारविकशर काउंटी क्रिकेट क्लब ने काउंटी चैंपियनशिप सत्र के अंतिम तीन मैचों के लिये भारतीय तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल करने की घोषणा की है।

सिराज 12 सितंबर को वारविकशर और सोमरसेट के बीच होने वाले मैच से पहले एजबेस्टन पहुंचेंगे।

28 वर्षीय सिराज ने जुलाई में हुए एजबेस्टन टेस्ट में 66 रन के बदले चार विकेट चटके थे। इसके अलावा सिराज ने तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला में छह विकेट भी अपने नाम किये थे। सिराज ने वारविकशर में शामिल होने के बाद कहा, मैं वारविकशर में शामिल होने के लिये बेताब हूं।

मुझे भारत की ओर से इंग्लैंड में खेलना हमेशा पसंद आया है, और अब मैं काउंटी क्रिकेट अनुभव करने के लिये तैयार हूं। एजबेस्टन विश्व स्तरीय स्टेडियम है और इस साल टेस्ट मैच के लिये वहां जो माहौल बना वह बेहद खास था।

पोस्ट कोरोना के बाद ब्रेन फॉग और न्यूरोसाइकाइट्रिक का खतरा

नई दिल्ली। कोरोना वायरस से संक्रमण को लेकर एक नई रिसर्च सामने आई है। रिसर्च में दावा किया गया है कि पोस्ट कोरोना के बाद न्यूरोलॉजिकल और मनोरोग संबंधी स्थितियां कोविड-19 के कई चिंताजनक परिणामों में से एक हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के रिसर्चरों ने पिछले साल बताया था कि तीन में से एक मरीज को कोविड संक्रमण के छह महीने बाद मूड डिसऑर्डर, स्ट्रोक या डिमेंशिया का अनुभव हुआ। अब एक नए रिसर्च में शोधकार्ताओं ने 12.5 लाख कोविड मरीजों पर किए अध्ययन का एक विश्लेषण जारी किया है। इस अध्ययन में बच्चों को भी शामिल किया गया है। ऑक्सफोर्ड

विश्वविद्यालय और नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ की रिपोर्ट के अनुसार, कोरोना संक्रमण के दो साल बाद तक मस्तिष्क संबंधी और मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों जैसे मनोविकृति, ब्रेन फॉग और दौरे पड़ने के विकसित होने का जोखिम अधिक रहता है। यह अध्ययन अब तक का सबसे बड़ा रिसर्च होने का दावा करता है।

टेंशन और अवसाद तो दो महीने में ही ठीक हो जाते हैं

विऑन न्यूज डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक, लैंसेट साइकियाट्री में बुधवार को यह रिसर्च प्रकाशित हुआ। रिसर्च में कहा गया है कोरोना के ठीक होने के तुरंत बाद चिंता और अवसाद होते हैं जो कि दो महीने के बाद खत्म हो जाते हैं जैसा कि फ्लू जैसे संक्रमण के बाद होता है।

बच्चों को लेकर किए गए रिसर्च में बताया गया है कि कोरोना से संक्रमित होने के दौ साल तक उनमें चिंता या अवसाद की संभावना नहीं दिखी, लेकिन अन्य सांस संबंधी संक्रमणओं से उबरने वाले बच्चों की तुलना में उनमें दौरे और मानसिक विकारों से पीड़ित होने का जोखिम बहुत अधिक है।

अलग-अलग वैरिएंट का अलग-अलग असर

यह देखने पर कि कोरोना के अलग-अलग वैरिएंट ने स्वास्थ्य जोखिमों को कैसे प्रभावित किया, तो यदि अल्फा वैरिएंट की तुलना में डेल्टा वैरिएंट ने चिंता के मामलों के साथ-साथ ब्रेन फॉग के केस में भी बढ़ोतरी हुई। ओमिक्रॉन वैरिएंट को लेकर भी कुछ इसी तरह के रिसर्च सामने आए हैं। ब्रेन फॉग की स्थिति में व्यक्ति को सोचने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

पाकिस्तान में वर्षा जनित घटनाओं में 14 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटों के दौरान मानसूनी बारिश के कारण आई बाढ़ और वर्षा जनित अन्य घटनाओं में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और अन्य 14 घायल हो गए है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने बुधवार शाम बताया कि देश भर में वर्षा जनित विभिन्न घटनाओं में अपनी जान गंवाने वालों में पांच बच्चे और आठ महिलाएं भी शामिल हैं। एनडीएमए की रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान ख़ैबर पख़्तूनख़्वा में बारिश की घटनाओं में 10 और सिंध प्रांत में चार लोगों की मौत हुई है। रिपोर्ट में बताया कि इस वर्षा जनित घटनाओं में देश भर में 352 घर नष्ट हो गए हैं। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान में मानसूनी बारिश की घटनाओं में अब तक 649 लोगों की मौत हो चुकी है इनमें 139 महिलाएं और 238 बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा अन्य 1030 घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि अब देश में 72,871 घर, 129 पुल और 43 दुकानें नष्ट हो चुकी है।

जो बाइडेन ने फिर बढ़ाई चीन की टेंशन, ताइवान के साथ ट्रेड टॉक करेगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका चीन को एकबार फिर टेंशन देने जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ताइवान के साथ एक व्यापक व्यापार संधि पर बातचीत करेंगे। गुरुवार को बीजिंग द्वारा सैन्य अभ्यास आयोजित करने के बाद इसकी घोषणा की गई है। हाल ही में अमेरिकी हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। आपको बत दें कि ताइवान की सेना ने भी गुरुवार को मिसाइलों और तोपों के साथ प्रतिक्रिया के तौर पर अभ्यास किया।

भारत-प्रशांत क्षेत्र के लिए राष्ट्रपति जो बाइडेन के समन्वयक कर्ट कैंपबेल ने कहा कि पिछले सप्ताह व्यापार वार्ता ताइवान के साथ हमारे संबंधों को और गहरा करेगी। संयुक्त राज्य अमेरिका का अपने नौवें सबसे बड़े व्यापारिक भागीदार ताइवान के साथ कोई राजनयिक संबंध नहीं है, लेकिन वह व्यापक अनौपचारिक संबंध बनाए रखता है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि की घोषणा ने बीजिंग के साथ तनाव का कोई उल्लेख नहीं किया, लेकिन कहा कि औपचारिक वार्ता व्यापार और नियामक संबंधों को विकसित करेगी।

1949 में गृहयुद्ध के बाद ताइवान और चीन अलग हो गए। उनका अब कोई आधिकारिक संबंध नहीं है। लेकिन अरबों डॉलर के व्यापार और निवेश से बंधे हुए हैं। यह द्वीप कभी भी पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना का हिस्सा नहीं रहा है, लेकिन सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी का कहना है कि यदि आवश्यक हो तो इसे अपने देश में मिलाने के लिए बाध्य हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका को और अधिक निर्यात करने की अनुमति मिलने का लाभ ताइवान को भी मिलने वाला है। द्वीप के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदार के रूप में अपनी स्थिति का उपयोग करने के लिए ताइवान को चीन के प्रयासों को कुंद करने में मदद मिल सकती है। पेलोसी की 2 अगस्त की यात्रा के बाद चीन ने ताइवान के साइट्रस और अन्य खाद्य पदार्थों के आयात को अवरुद्ध कर दिया है।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सरकार ने अमेरिका की इस घोषणा पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

आपको बता दें कि व्यापार, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और बीजिंग के मुस्लिम अल्पसंख्यकों और हांगकांग के साथ होने वाले विवादों के बीच अमेरिका-चीनी संबंध दशकों में अपने सबसे निचले स्तर पर हैं। यूएसटीआर ने कहा कि वार्ता ताइवान स्थित वाशिंगटन के अनौपचारिक दूतावास में अमेरिकी संस्थान के तत्वावधान में आयोजित की जाएगी। वाशिंगटन का कहना है कि वह चीन और ताइवान की स्थिति पर कोई रुख नहीं अपनाता है, लेकिन चाहता है कि उनका विवाद शांति से सुलझाया जाए। अमेरिकी सरकार संघीय कानून द्वारा यह देखने के लिए बाध्य है कि द्वीप के पास अपनी रक्षा करने के साधन हैं।

यूक्रेन के बंदरगाहों में फंसे हैं 53 विदेशी पोत

कीव। रूस के राष्ट्रीय रक्षा नियंत्रण केंद्र के प्रमुख कर्नल जनरल मिखाइल मिजिन्टसेव ने कहा कि यूक्रेन में 14 देशों के 53 पोत अभी भी उसके छह बंदरगाहों में फंसे हैं। कर्नल जनरल मिजिंटसेव ने कहा कि 14 देशों के 53 विदेशी पोत यूक्रेन के छह बंदरगाहों खेरसन, निकोलेव, चेर्नोमोर्स्क, ओचकोव, ओडेसा और यूजनेस में फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के मध्यस्थता वाले खाद्यान्न सौदे के तहत गत एक अगस्त से अब तक कुल 21 जहाज यूक्रेन के बंदरगाहों से निकल गए हैं, जिनसे पांच लाख 63 हजार 318 टन खाद्यान्न का निर्यात किया गया है। निर्यात किये गये खाद्यान्नों में 4,51,481 टन मक्का, 50,301 टन आटा, 11,000 टन सोयाबीन, छह हजार टन सूरजमुखी तेल, 41,622 टन गेहूं और 2,914 टन सूरजमुखी के बीज शामिल हैं।

बंगलादेश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने हिन्दू संप्रदाय को दी जन्माष्टमी की शुभकानाएं

ढाका। बंगलादेश के राष्ट्रपति अब्दुल हामिद और प्रधानमंत्री शेख हसीना ने गुरुवार को हिन्दू संप्रदाय के सभी लोगों को जन्माष्टमी की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। बंगलादेश में हिंदू समुदाय के लोग आज भगवान कृष्ण के जन्मदिन के अवसर पर धार्मिक उत्साह के साथ जन्माष्टमी का उत्सव मना रहे हैं। देश में आज सार्वजनिक अवकाश है। जन्माष्टमी के अवसर पर राष्ट्रपति हामिद और प्रधानमंत्री हसीना ने हिन्दू समुदाय के सभी लोगों को जन्माष्टमी की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। श्री हामिद ने कहा, भगवान श्री कृष्ण का ज्ञान समाज से अन्याय, उत्पीड़न और हिंसा को समाप्त करना और लोगों में वास्तविक प्रेम और सद्भाव को बढ़ावा देना रहा है। मैं हिंदू समुदाय के लोगों से आह्वान करता हूं कि वे भगवान श्री कृष्ण के ज्ञान का पालन करते हुए समाज के असहाय और पीड़ित लोगों के साथ खड़े रहें। प्रधानमंत्री हसीना ने कहा, हमारी अवामी लीग सरकार देश में सामाजिक सद्भाव कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध है। मेरा विश्वास है कि श्री कृष्ण के आदर्श और उपदेश बंगालियों के हजार वर्ष पुराने सामाजिक सद्भाव, दोस्ती और भाईचारा को और मजबूत करेंगे। उन्होंने लोगों से कोरोना के नियमों का पालन करते हुए जन्माष्टमी उत्सव मनाने के दौरान सामाजिक दूरी बनाये रखने का आग्रह किया।

पाकिस्तान में कार के नहर में गिरने से सात लोग लापता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिणी बंदरगाह शहर कराची में एक कार के नहर में गिर जाने से सात लोग लापता हो गए। राहत एवं बचाव सेवा अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। भाग के अधिकारी मुहम्मद सलमान ने कहा कि शहर में भारी बारिश के बाद पानी के बढ़ते दबाव के कारण कार मालिर ड्रेनेज नहर में गिर गयी। कार सात लोग सवार थे जो अभी भी लापता हैं। उन्होंने बताया कि चालक सहित ये सभी एक परिवार के सदस्य थे इनमें चार बच्चे भी है। पीड़ितों तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है। उन्होंने बताया कहा राहत एवं बचाव अभियान के दौरान कार तो मिल गयी लेकिन उसमें सवार सभी पीड़ित लापता है और अभी तक उनका पता नहीं चल पाया है। गौरतलब है कि पिछले दो महीने से अधिक समय से पाकिस्तान के कुछ हिस्से भयंकर बाढ़ से जूझ रहे हैं। देश के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कल बताया कि पिछले दो महीनों में पूरे पाकिस्तान में भारी बारिश और बाढ़ के कारण कम से कम 649 लोग मारे गए और 1,030 अन्य घायल हो गए हैं।

दक्षिण कोरिया में कोरोना के 178,574 नये मामले

सियोल। दक्षिण कोरिया में पिछले 24 घंटे कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के 178,574 नए मामले सामने आए हैं। इसी के साथ ही देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 21,861,296 हो गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी है। कोरिया रोग नियंत्रण और रोकथाम एजेंसी के अनुसार,नये मामलों में 633 बाहर से आये लोगों के है। इसी के साथ बाहर से आये संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 53,537 हो गयी हैं। एजेंसी के अनुसार इस समय देश में 470 लोग इस बीमारी से गंभीर रूप से बीमार है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

सेहत के लिए बेहद लाभदायक है नींबू पानी

नींबू पानी को अगर देशी कोल्ड्रिंक कहा जाए, तो इसमें कुछ गलत नहीं होगा। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर यह पेय सेहत और सौंदर्य से जुड़े इतने फायदे देता है, जितने आप सोच भी नहीं सकते। जानिए नींबू पानी के कुछ ऐसे ही फायदे जो आपकी सेहत के लिए बेहद लाभदायक हैं -

नींबू विटामिन सी का बेहतर स्त्रोत है। साथ ही, इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी- 6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। यह खराब गले, कब्ज, किडनी और मसूड़ों की समस्याओं में राहत पहुंचाता है। साथ ही ब्लड प्रेशर और तनाव को कम करता है। त्वचा को स्वस्थ बनाने के साथ ही लिवर के लिए भी यह बेहतर होता है। पाचन क्रिया, वजन संतुलित करने और कई तरह के कैंसर से बचाव करने में नींबू पानी मददगार होता है। नींबू पानी में कई तरह के मिनरल्स जैसे आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटैशियम और जिंक पाए जाते हैं।

किडनी स्टोन

नींबू पानी का स्वास्थ्य पर पड़ने वाला सबसे महत्वपूर्ण फायदा है, इसका किडनी स्टोन से राहत पहुंचाना। मुख्यरूप से किडनी स्टोन शरीर से बिना किसी परेशानी के निकल जाता है, लेकिन कुछ मामलों में यह यूरीन के बहाव को ब्लॉक कर देते हैं जो अत्यधिक पीड़ा का कारण बनता है। नींबू पानी पीने से शरीर को रिहाइड्रेट होने में मदद मिलती है और यह यूरीन को पतला रखने में मदद करता है। साथ ही यह किडनी स्टोन बनने के किसी भी तरह के खतरे को कम करता है।

डायबिटीज

नींबू पानी, हाई शुगर वाले जूस व ड्रिंक का बेहतर विकल्प माना जाता है। खासतौर से उनके लिए जो डायबिटीज के मरीज हैं या वजन कम करना चाहते हैं। यह शुगर को गंभीर स्तर तक पहुंचाए बिना शरीर को रिहाइड्रेट व एनर्जाइज करता है।

पाचनक्रिया में फायदेमंद

नींबू पानी में मौजूद नींबू का रस हाइड्रोक्लोरिक एसिड और पित्त सिक्रेशन के प्रोडक्शन में वृद्धि करता है, जो पाचन के लिए आवश्यक है। साथ ही यह एसिडिटी और गठिया के खतरे को भी कम करता है। जो लोग आमतौर पर पाचन-संबंधी समस्याओं जैसे एबडॉमिनल क्रैम्प्स, ब्लॉटिंग, जलन और गैस की समस्या आदि से परेशान होते हैं, उन्हें नियमित रूप से नींबू पानी का सेवन करना चाहिए।

कब्ज

अगर आपको कब्ज की समस्या है, तो नींबू पानी आपके लिए बेहद फायदेमंद है। प्रतिदिन सुबह गर्म नींबू पानी पिएं और पूरे दिन कब्ज की समस्या से दूर रहें।

इम्यून सिस्टम

नींबू पानी बायोफ्लेवोनॉयड, विटामिन सी और फाइटोन्यूट्रियंट्स का बेहतर स्रेत है जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की शक्ति बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स के कारण यह शरीर के एनर्जी लेवल को बढ़ाने में मदद करता है।

खराब गला

नींबू पानी को गुनगुना करके पीने से गले की खराबी या फैरिन्जाइटिस में आराम पहुंचाता है।

वजन

हर सुबह शहद के साथ गुनगुना नींबू पानी पीने से अतिरिक्त वजन आसानी से कम किया जा सकता है।

मसूड़ों की समस्या

नींबू पानी पीने से मसूड़ों से संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है। नींबू पानी में एक चुटकी नमक मिलाकर पीने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार तेज भूख लगने पर कभी खाली पेट न खाएं ये चीजें

कभी-कभी ऐसा होता है कि हमें बहुत तेज भूख लग जाती है और हम उस वक्त हमें जो भी उपलब्ध होता है, वो खाने लग जाते हैं लेकिन ऐसा करना आपके लिए घातक हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक तेज भूख लगने पर कुछ ऐसी चीजें है, जिन्हें नहीं खाना चाहिए।आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वो चीजें-

अमरुद

अमरुद एक ऐसा फल है, जिसे अलग-अलग स्थितियों में खाने पर अलग-अलग परिणाम देखने को मिलते हैं यानी अगर आप सर्दियों में सुबह के वक्त खाली पेट अमरुद खाएंगे, तो आपको पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं, गर्मी में खाली पेट अमरूद खाएंगे, तो यह फायदा देता है। ऐसे में आपको खाली पेट अमरूद नहीं खाना चाहिए।

सेब

सर्दियों में खाली पेट सेब खाने से बीपी बढ़ सकता है, अगर सुबह सबसे पहले यानी बिना कुछ खाए आप सेब खा लेते हैं, तो इस दिक्कत का सामना आपको करना पड़ सकता है लेकिन गर्मी में आप खाली पेट सेब खा सकते हैं।

टमाटर

टमाटर की तासीर गर्म होती है। इसे आप सर्दी के मौसम में तो खाली पेट खा सकते हैं लेकिन गर्मी के मौसम में ऐसा करने पर पेट में या सीने में जलन की समस्या हो सकती है। आपको सुबह के समय टमाटर खाने से परहेज करना चाहिए।

चाय-कॉफी

चाय या कॉफी को खाली पेट पीने से बचना चाहिए।आप चाय या कॉफी को बिस्किट, ब्रेड के साथ ले सकते हैं लेकिन खाली पेट या तेज भूख लगने पर सिर्फ चाय-कॉफी न लें, इससे आपके पेट में गैस बन सकती है।

दही

बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें दही फायदे की जगह पर हानि पहुंचा देती है।ऐसे में दही को सुबह के समय खाली पेट खाने से बचना चाहिए, वर्ना आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

अमृत है आंवला 10 बेहतरीन फायदे

विटामिन-सी से भरपूर आंवला, हर मौसम में लाभदायक होता है। यह आंखों, बालों और त्वचा के लिए तो फायदेमंद है ही, साथ ही इसके और भी कई फायदे हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। आमतौर पर आंवले का प्रयोग अचार, मुरब्बा या चटनी के रूप में किया जाता है,लेकिन इसका अलग-अलग तरह से सेवन आपके लिए बेहद उपयोगी है। अगर आप नहीं जानते इस अनमोल फल के बारे में तो जरूर पढ़िए -

- डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत काम की चीज है। पीड़ित व्यक्ति अगर आंवले के रस का प्रतिदिन शहद के साथ सेवन करे तो बीमारी से राहत मिलती है।
- एसिडिटी की समस्या होने पर आंवला बेहद फायदेमंद होता है। आंवला का पाउडर, चीनी के साथ मिलाकर खाने या पानी में डालकर पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है। इसके अलावा आंवले का जूस पीने से पेट की सारी समस्याओं से निजात मिलती है।
- पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में पथरी गल जाएगी।
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और खून की कमी नहीं होने देता।
- आंखों के लिए आंवला अमृत समान है, यह आंखों की रौशनी को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके लिए रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की समस्या भी खत्म हो जाती है।
- बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छौंक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ जाने पर आंवल सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन या आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने की पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।
- याददाश्त बढ़ाने में आंवला काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- चेहरे के दाग-धब्बे हटाकर उसे खूबसूरत बनाने के लिए भी आंवला आपके लिए उपयोगी होता है। इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ, चमकदार होती है और झुर्रियां भी कम हो जाती हैं।
- बालों को काला, घना और चमकदार बनाने के लिए आंवले का प्रयोग होता है, इसके पाउडर से बाल धोने या फिर इसका सेवन करने से बालों की समस्याओं से निजात मिलती है

नाश्ते में इन पांच चीजों को खाने से तेजी से बढ़ता है वजन, ज्यादातर लोग करते हैं सेवन

फिटनेस पाने के लिए लोग क्या-क्या जतन करते हैं। कई सर्वे के अनुसार आप शरीर पर चर्बी होने के कारण कई बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आपको बैली फैट कम करने के साथ फिट रहने की कोशिश करनी चाहिए। खुद को फिट रखने में ब्रेकफॉस्ट का भी अहम रोल होता है, ऐसे में आपको अगर हमेशा स्लिम ट्रिम रहना है, तो ऐसी 5 चीजें हैं, जो आपको नाश्ते में बिल्कुल नहीं खानी चाहिए-

वाइट ब्रेड - ब्रेड ज्यादातर भारतीय घरों में खाई जाती है लेकिन आपको बता दें कि ब्रेड का ज्यादा सेवन करना न सिर्फ आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे आपका वजन भी बढ़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि वाइट की जगह ब्राउन ब्रेड का सेवन करे।

प्रोसेस्ड फूड - ऐसे खाद्य पदार्थों को कई बार पकने की क्रिया से गुजरना पड़ता है। साथ ही तेल, मसाले, घी होने की वजह से ये सेहत के लिए भी अच्छे नहीं होते। आपको चिप्स, पॉपकॉर्न, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स आदि से दूर रहना चाहिए।

केक, कुकीज - केक और कुकीज में मैदे के अलावा घी और क्रीम का इस्तेमाल होता है, जो आपकी फिटनेस के हिसाब से बिल्कुल भी सही नहीं है इसलिए आपको नाश्ते में इन चीजों को नहीं खाना चाहिए।

नूडल्स - नूडल्स खाने में तो बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन इसे हेल्दी ब्रेकफॉस्ट नहीं माना जा सकता है, इसी वजह से आपको नूडल्स नाश्ते में बिल्कुल नहीं खाने चाहिए।

फ्रूट जूस - आपको कोशिश करनी चाहिए कि मार्केट में उपलब्ध फ्रूट जूस बिल्कुल न पिएं बल्कि आप घर में ही फलों का जूस निकालकर पी सकते हैं। आपके पास अगर जूस की जगह फल खाने का समय है, तो नाश्ते के लिए सबसे बेहतरीन रहेगा।

पकौड़े-कचौड़ी - सुबह-सुबह तली चीजें खाना बिल्कुल भी सही नहीं है। आप पकौड़े और कचौड़ी जैसी तली हुई चीजें सुबह नहीं खाएंगे, तो आपकी सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

आंखों को थकान से राहत देगा गुलाब जल, कम होगा तनाव

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल न केवल आपके पूरे स्वास्थ्य पर असर डालता है बल्कि इसका असर आपकी नाजुक आंखों पर भी पड़ता है।

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ही मोबाइल के संपर्क में भी हम ज्यादा रह रहे हैं जिससे आंखों में जलन, धुंधला दिखना व खुजली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों की देखभाल करें और जब भी आंखों पर दबाव महसूस करें तो स्क्रीन से दूर हो जाएं और बीच-बीच में आंखों को ठंडे पानी से भी धोते रहें। आंखों की जलन की परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। भले ही इस वक्त आप घर पर हैं लेकिन आंखों में जलन आप महसूस करते होंगे। इसलिए इन समस्याओं से निजात पाने के लिए आपको अपनी आंखों की सही देखभाल की जरूरत है, वहीं गुलाब जल का इस्तेमाल आपको आंखों की समस्या से निजात दिला सकता है। गुलाब जल के इस्तेमाल से आंखों को ठंडक मिलती है, साथ ही ताजगी महसूस होती है। ओवरटाइम काम करने के दौरान आंखों में तनाव महसूस होता है इसके लिए खुद को रिलेक्स करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कॉटन में गुलाब जल डालें और इसे अपनी आंखों पर रखकर कुछ देर के लिए आंखों को आराम दें। गुलाब जल को आंखों में डालने से भी तुरंत राहत मिलती है, साथ ही फ्रेश महसूस होता है। अत: अपने आंखों का ध्यान रखें और समय-समय पर अपनी पलकों को झपकाते रहें।

कैसे पहचानें कि इम्यून सिस्टम है कमजोर

इम्यून सिस्टम के मजबूत होने पर हम बीमारियों से लड़ सकते हैं। यदि हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत है तो बीमारी हम पर हावी नहीं हो सकती। अगर हमारी इम्यूनिटी मजबूत है तो यह हमें न सिर्फ सर्दी और खांसी से बचाती है बल्कि हैपेटाइटिस, लंग इंफेक्शन, किडनी इंफेक्शन सहित और कई बीमारियों से हमारा बचाव होता है। लेकिन हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर है तो हम इसको कैसे पहचान सकते हैं, क्योंकि कई बार यह होता है इम्यून सिस्टम कमजोर तो होता है, पर हम इसे समझ ही नहीं पाते। आखिर कैसे पहचान करें कि आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है, आइए जानते हैं।

अगर आपको लगता है कि आप बार-बार बीमार हो रहे हैं और जुकाम की शिकायत रहती है। बार-बार सर्दी हो जाना और यदि आपके आस-पास ऐसा कोई व्यक्ति है जिसे खांसी है और आपको भी इससे जल्दी खांसी या सर्दी हो जाती है तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। बदलते मौसम का आपको बीमार करना आपके कमजोर इम्यून सिस्टम को दर्शाता है। यदि आप मौसम के बदलने पर बीमार हो रहे हैं तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। व्यायाम करते समय सांसों का फूलना व जल्दी थक जाना यह कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। नींद न आना, आंखों के नीचे काले घेरे, थकान महसूस होना- यह भी कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की अपेक्षा बार-बार बीमार होते हैं, जुकाम की शिकायत रहती है, खांसी, गला खराब होना या स्किन रैशेज जैसी समस्याएं रहती हैं तो बहुत पॉसिबल है कि यह आपके इम्यून सिस्टम की वजह से हो। कैंडिडा टेस्ट का पॉजिटिव होना, बार-बार यूटीआई, डायरिया, मसूड़ों में सूजन, मुंह में छाले वगैरह भी खराब इम्यूनिटी के लक्षण हैं।